

मं∘ 20]

नई विल्ली, शनिवार, मई 16, 1981 (वैशाख 26, 1903)

No. 20]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 16, 1981 (VAISAKHA 26, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उन्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1981

सं० ए० 32014/3/80-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा भ्रायोग की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 23 मई, 1980 भीर 12 नवम्बर, 1980 में श्रांशिक श्राशोधन करते हुए, सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा निम्नलिखित श्रिधकारियों को प्रस्पेक के नाम के सामने निर्विष्ट तारीख से श्रागामी श्रादेशों तक श्रधीक्षक (तथ्य संसाधन) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

कम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	ग्रभ्युक्ति
1	2	3	4
1. প্রী	्स० पी० बंसल	9-1-80	किन्त् श्री एस० पी० बंसल 23-10-80 से सहायक नियंत्रक (त०
2. श्रीब	ी० भ्रार० गुप् ता	9-1-80	सं०) के पद पर सदर्थ म्राधार पर

3. श्री एसं० सी० मस्ताना 9-1-81 स्थानापन्न रूप से काय करते रहेंगे। देखिए ग्रिधसूचना सं० ए० 32014/2/80-प्रशा० II. दिनांक 24-10-80	1	2	3	4
	3.	श्री एस० सी० मस्ताना	9-1-81	करते रहेंगे। देखिए ग्रधिसूचना सं० ए०

 संदर्भगत श्रधिसूचना में ग्रन्य 6 ग्रधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति ग्रपरिवर्तित रहेगी।

> पी० एस० राणा म्रनुभाग म्रधिकारी कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1981 सं० पी०/21-प्रशा० I—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई ग्रेड-I श्रिधिकारी तथा स्थानापन्न संयुक्त सचिव (२० 2000-125/2-2250) श्री श्रार० एस० गोयल को राष्ट्रपति द्वारा 31 मार्च, 1981 के श्रपराह्न से निवर्तन श्रायु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष श्रनुमित दी जाती है।

दिनांक 3 ग्रप्रैल 1981

सं० ए० 12024/2/80-प्रशा० I(i) -श्री हरदयाल सिंह, आई० धार० एस० (आई० टी०) को राष्ट्रपति द्वारा मंघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 17-2-1981 से 15-1-1983 तक श्रथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप मिचव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 12024/2/80 प्रशा० I(ii)—श्री डी० के० दास, श्राई० धार० एस० (श्राई० टी०) को राष्ट्रपति द्वारा 17-2-81 से 22-4-83 तक श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप-संचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 14 श्र**प्रै**ल 1981

सं० ए० 19014/7/80-प्रणा० ा—कार्मिक और प्रणासिनिक मुधार विभाग के ग्र० गा० पत्र सं० 13/31/80ई० ग्रो० (एम० एम०) दिनांक 8 ग्रप्रल, 1981 द्वारा
विकास ग्रायुक्त, लघु उद्योग के ग्रधीन लघु उद्योग विकास
संगठन में निदेशक (ग्रेड I) (ए० ई० ई०) के पद पर
उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप भारतीय प्रशासनिक
सेवा के ग्रधिकारी (एम० एण्ड टी० 1972) तथा संघ
लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में ग्रवर सचिव श्री एच०
बी० लार्लीरंगा ने 14 ग्रप्रैल, 1981 के ग्रपराह्न से इस
कार्यालय में ग्रवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री एच० बी० लालरिंगा की सेनायें विकास श्रायुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली को सौंपी गई हैं।

> एस० बालचन्द्रन उप स**चिव** (प्रशा०)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1981

सं० 20 पी० एस० टी० 3—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त, श्री एम० के० वासुदेवन (तत्कालीन) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के (वरिष्ठ) प्रधिकारी को 5-11-79 (पूर्वाह्न) से 31-7-80 (प्रपराह्न) तक केन्द्रीय सतर्कता प्रायोग में निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। निवर्तन की श्रायु होने पर 31-7-80 (प्रपराह्न) से श्री एम० के० वासुदेवन सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

कृष्ण लाल मल्होत्ना श्रवर सम्बन कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं० ए० 19021/2/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद मे श्री एस० एस० बनर्जी, भारतीय पुलिस मेवा (उ० प्र०-1972) को दिनांक 10-4-1981 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो के विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस श्रधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 अप्रैल 1981

सं० पी० एफ० /एस०-7/70-प्रणा०-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री एस० पी० निगम, लोक-ग्रिभयोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, सी० श्राई० यू० (एन० सी०), को, प्रोन्नति पर, दिनांक 7-2-81 के पूर्वाह्म से 6 मास की श्रविध या एक नियमित नियुक्त व्यक्ति उपलब्ध होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिये तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ लोक-श्रिभयोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-8/71-प्रणा० 5—-पंजाब पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषक ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री ग्रवनाश चन्द्र, पुलिस उप-ग्रधीक्षक की सेवायें दिनांक 31-3-81 के श्रपराह्म से राज्य सरकार को सौंप दी गईं।

सं० ए० 19036/6/77-प्रशासन-5—निवर्तन की म्रायु प्राप्त कर लेने पर, उड़ीसा पुलिस से केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री जे० एम० महापाल, पुलिस उप-श्रधीक्षक की सेवायें दिनांक 31-3-81 (भ्रपराह्न) से उड़ीसा राज्य को वापस सौंप दी गई।

सं० ए० 19036/10/78-शासन-5—उड़ीसा पुलिस से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री एस० एन० स्वैन, उप-पुलिस ग्रधीक्षक की सेवायों दिनांक 31-3-1981 (श्रपराह्म) से उड़ीसा राज्य को वापस सींप दी गई।

दिनांक 25 म्रप्रैल 1981

सं० जी०-3/69-प्रशासन-5--राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री जी० विट्ठल, लोक ग्रिभियोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को, प्रोन्नित पर, दिनांक 9-4-81 के पूर्वाह्न से 3 मास की अवधि या एक नियमित नियुक्त व्यक्ति उपलब्ध होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ लोक श्रिभयोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी०-7/74-प्रगा० 5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री पी० जी० जे० नम्पूथिरी, भारतीय पुलिस सेवा (गुजरात-1964), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, भ्रहमदाबाद माखा की सेवायें दिनांक 15-4-81 (श्रपराञ्च) से गुजरात राज्य को वापस सौंपी जाती हैं। की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 श्रप्रैल 1981

सं० एफ०-2/22/81-स्थापना---राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित चिकित्सा प्रधिकारियों को जनरल ड्यूटी भ्राफिसर ग्रेड-II के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:---

- 1. आ० एम० आई० बेग
- 2. डा० पी० के० दास
- 3. डा॰ नारायण भट्ट पी॰
- 4. डा० एम० पी० प्रधान

एस० पी० विद्यार्थी, उप निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1981

सं एफ-2/11/80-स्थापना (के रि पु बल)-इस महानिदेशालय के प्रधिसूचना के इसी संख्या नम्बर दिनांक 17-3-81 के सन्दर्भ में श्री बी० वर्मा जो कि श्रब महानिरीक्षक हैड क्वार्टर महानिदेशालय में श्राये हैं, को निदेशक ग्राई० एस० ए० माऊंट ग्राबू के पद पर ग्रतिरिक्त नियुक्ति दिनांक 3-4-81 से तब तक की जाती है, जब तक किसी श्रफसर की नियमित रूप से नियुक्ति नही हो जाती।

2. वह इस म्राई० एस० ए० में पूर्ण रूप से प्रशासनिक व वित्तीय कन्द्रोल करेंगे।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा वल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 23 धप्रैल 1981

र्द०-38013/(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्नति होने पर, श्री श्रार० एस० सामन्त ने 18 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से कें श्रो० सु० ब० यूनिट सी० पी० टी० कलकत्ता, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ई०-38013/(4)/5/81-कार्मिक--मथुरा में स्थानांतिरत होने पर, श्री एस० के० जयमन ने 23 मार्च, 1981 के ग्रपराह्म से के० ग्रां० स्० व० यूनिट दुर्गापुर

स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमांग्रेंट के पद का कार्यभार छोड दिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक---पदोन्नति पर, श्री बी० सी० डी० महापान्न ने 20 मार्च 1981 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, एम० यी० टी० मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक---पदोन्नति पर, श्री लखबीर सिंह ने 23 मार्च, 1981 के ग्रपराह्न से के० श्री० सु० व० यूनिट बी० एच० ई० एल० हरिद्वार के सहायक कर्माडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट एच० श्राई० एल० रसायनी, में स्थानां-तरण होने पर, श्री इन्द्र मोहन ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक--- पदोन्नति होने पर, श्री टी॰ एस॰ चांद ने 27 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० भ्रौ० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० रांची के सहायक कर्माइट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्नति पर, श्री०पी० शुक्ला ने 17 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात लिमिटेड, भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013/(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्नति पर, श्री एम० ग्रारविन्दावण ने 18 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्नति पर, श्री बी० पी० प्रभाकरन ने 20 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० भ्रौ० सु० ब०, दक्षिणी क्षेत्र प्रशिक्षण रिजर्व, मद्रास, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्नति पर, श्री तिलक राज ने 18 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से के ग्रौ० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक---पदोन्नति पर श्री मंगल सिंह ने, श्री एस० पी० द्विवेदी सहायक कमांडेंट के स्थान पर 27 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ग्राँ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, पटना के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। बेलाडिला में स्थानांन्तरण होने पर श्री दिवेदी ने उसी तारीख से उस्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थाना-न्तरित होने पर श्री एस० के० जयमन ने श्री बी० एस० राणा, सहायक कमांडेंट के स्थान पर, 29 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से कें भौ सी सुर बर यूनिट, भ्राईर स्रोर सीर मथ्रा रिफाइनरी प्रोजक्ट मथुरा के सहायक, कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। सिंगरोली में स्थानान्तरित होने पर श्री राणा ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक :--पदोन्नति होने पर, श्री एम० पी० एस० सीकरी ने 24 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० की प्रथम रिजर्व बटालियन, देवली, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक:—पदोन्नति होने पर, श्री एन० एन० मुर्म ने 18 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० श्रार० केन्द्र के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 38013(3)/9/80-कार्मिक:—झिरिया से स्थाना-स्तिरित होने पर, श्री जी० एस० ढिल्लों ने 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० की प्रथम रिजर्व बटायिन, देवली (राजस्थान) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(4)/5/81-कार्मिक:—पदोन्नति होने पर, श्री यू० एस० पटनायक, ने 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० भ्रौ० सु० व० युनिट, बौकारो स्टील लिमिटेड, बौकरो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया

> है० भ्रपठनीय महानिदेशक/के० भ्रौ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 भ्रप्रैल 1981

सं० 11/3/81-प्रशा०-I:—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के श्रिधकारी श्री वी० एम० देवले को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से 31 मार्च, 1982 तक एक वर्ष की श्रवधि के लिये उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पुनर्नियुक्ति के श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री देवले का मुख्यालय थाने में होगा ।
- 3. श्री देवले की सेवायें नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर तारीख 31-3-1982 से पहले किसी भी समय बिना कोई कारण बताये रह की जा सकती हैं।

सं० 11/96/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मैसूर में केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान में श्रनुसंधान सहायक के पद पर कार्यरत श्री ग्राई० एस० बोरकर को कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा विभाग) में तारीख 18 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर श्रस्थायी तौर पर श्रनुसंधान श्रधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बोरकर का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/12/81-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग के उप-सचिव श्रीर तमिलनाडु, मद्रास में, जनगणना कार्य निदेशालय में पदेन जनगणना कार्य उप-निदेशक श्री टी० वी० श्रीनिवासन को

तिमिलनाडु, मद्राम में, जनगणना नार्थ निदेणालय में तारी छ 3 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म में एक वर्ष से अनिधिक श्रविधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, पर्वेन जनगणना कार्य संयुक्त निशेश सहर्थ निशेशन करते हैं।

- 2. श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय मद्रास में होगा।
- सं० 11/15/81-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, तमिलनाड्, मद्रास में जनगणना नार्य निदेशालय में अन्वेपक के पद पर कार्यरत श्री श्रार० नरायणन् की उसी कार्यालय में तारीख 3 श्रत्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से एक वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ श्राधार पर पदोक्षति द्वारा सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तक-नीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
- 2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री नरायणन् को सहायक निदेशक, जनगणना हैं कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नही करेगी। तदर्थ सौर पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेंड में वरिष्ठता श्रौर श्रागे उच्च पद पर पदोक्षति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रह किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

होशंगाबाद, दिनांक अप्रैल 1981

सं० 7(49)843—इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना कमांक 7(49) 790 दिनांक 15-4-80 के तारतम्य में श्री के० एन० डोम्बले को दिनांक 28-2-81 से ग्रिप्रम ग्रादेशों तक नियमित श्राधार पर भण्डार ग्रिधिकारी के पद पर पदोन्नत किया जाता है। वे दो वर्ष की ग्रवधि तक परि-वीक्षाधीन रहेंगे, जिसमें वह श्रवधि सम्मिलित रहेगी, जिस ग्रवधि में तदर्थ श्राधार पर कार्य किया श्रर्थात् 15-4-80 सं।

ण० रा० पाठक महाप्रबन्धक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700069, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 10/81/ए/ई-I (एन० जी०) — डी०जी०ओ०एफ० महोदय ने श्री हरेन्द्र नाथ घोष, सहायक स्टाफ श्रधिकारी (तदर्य) को तारीख 1-4-81 से श्रागामी श्रादेश न होने नक, वरिष्ठता पर प्रभावी हुए बिना, वर्तमान रिक्ति में, स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रधिकारा के रूप में प्रोन्नत किया।

श्री घोष अपनी प्रोक्सनि की नारीख से दो वयौँ तक परखाबधि पर रहेंगे।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए०डी०जी०ग्रो०एफ० प्रणासन कृते महानिदेणक आर्डनन्स फैक्ट्रियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैंल 1981 ग्रायात नथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1198/77-प्रशा० (रिजि०)/23423--- सेवा-तिवृत्ति की ध्रायु होने पर श्री एल० एस० कुन्दनानी, केन्द्रीय सिवालय सेवा के वर्ग-4 में स्थायी ग्रिधिकारी श्रीर इस कार्यालय में स्थानापन्न नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को 31 दिसम्बर, 1980 के ध्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की ध्रनुमति दी गई है।

ए० एन० कौल उप-मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं०: 12 (19)/61—प्रणासन (राजपत्नित)—राष्ट्रपति जी, लधु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना के श्री एच० सी० टण्डन, उप निदेशक (धातुकर्म) को ग्रिधवाधिकी ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31 मार्च, 1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान करते हैं।

सं० 12/212/61-प्रणासन (राज०)---राष्ट्रपति जी, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री जे० एन० भक्त, उप निदेशक को दिनांक 9 ग्राप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेशों तक, उसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-2 (धानुकर्म) पद पर नियुक्त करते हैं। सी० सी० राय, उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1981

सं० प्र०/1/1(1158)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निप-टान एतदहारा पूर्ति तथा निपटान निदेशकः, कलकता के कार्यालय में अधीक्षक श्री एच० एन० समाद्दर को श्री ही० सी० रायबौधरी, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेंड II) जो 1-2-1981 (ग्रपराह्म) से सेवा-निवृत हो गये हैं के स्थान पर दिनांक 19-3-1981 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेंड II) के रूप में नियमित ग्राधार पर स्थानापन रूप से नियुक्ति करते हैं। उन्हें दिनांक 19-3-1981 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

दिनांक 25 म्रप्रैल 1981

सं० प्र०/-1/1 (1171)~-महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक, श्री बी० आर०दास को श्री ए०के० मिल्रा, सहायक निदेशक (प्रकासन) (ग्रेड II) जो दिनांक 28-2-81 (अपराह्म) से सेवा-निवृत हुए, के स्थान पर दिनांक, 2-4-81 के पूर्वाह्म से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं। उन्हें दिनांक 2-4-81 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाता है।

एम० जी० ईंनन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 भ्राप्रैल 1981

सं० प्र-6/76-(9)-5—राष्ट्रपति निम्नलिखित प्रिधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से सहायक निवेशक निरीक्षण/निरीक्षण प्रधिकारी (इन्जी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेंड-III) के रूप में नियमित प्राधार पर नियुक्त करते हैं:—

	<u> </u>		
ऋ० सं०	नाम	सहा० निदे निरी० ग्रिध	•
(10		के रूप में	1- 114 CI E
		नियमित	
		नियुक्ति	
		की नारीख	
1	2	3	4
	—— <u>-</u> सर्वेश्री		
	वी० सुक्रमणियन	10-3-71	सेवा-निवृत्त
	जी० सहदेवन	10-3-71	
			कुडास में प्रति-
			नियुक्ति पर
3.	एन० एन० भावुड़ी	10-3-70	निरी० निदे०, कलकत्ता
4.	एम० सी० ऐच	10-3-71	सेवा-निवृत्त
5.	एच० सी० वर्मा	10-3-71	·—वही—
6.	ग्रार० पी० सहगल	7-12-7 3	मुख्यानय
7.	रोशन लाल	4-10-71	उ० नि० मंडल
8.	एस० बमु	15-1-72	मेबा-निबृत
9.	जी० एन० पी० राऊ	4-10-74	वही
10.	जे०एन० वाज	10-3-71	वही
		10-3-71	उ० नि०मंडल=

1	2	3	4
12.	डी० गोपाल चारलू	9-3-73	सेवा-निवृत्त
13.	एस० के० सरकार	G-11-74	वही
14.	ए० के० बोस	9-3-73	वही
15.	जे० एस० पासी	9-3-73	छ ० नि० मंडल
16.	ए० चक्रवर्ती	15-1-80	निरी० निदे०,कलकत्त
17.	एम० पी० चटर्जी	30-12-74	- वही
		(भ्रपराह्न)	
18.	एस० सी० सेनगुप्ता	27-9-76	सेवा-निवृत्त
19.	एच० सी० मल्होत्रा	9-3-73	— वही—-
20.	वी० जी० जंगियानी	9-3-73	—वही— -
21.	टी० के० बनर्जी	6-11-73	निरी० निदे०,कलकत्ता
22.	एस० श्रधिकारी	9-3-73	सेवा-निवृत्त
23.	जैंड० ए० सैयद	9-3 - 73	वही -
24.	भ्रो ० डी० सांगर	9-3-73	मुख्यालय
		एम	० जी० मैनन
	उप-निदेशक (प्र शासन)		

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 धप्रैल 1981

मं० 2085. बी/ए-19012(3-एनकेपी)-80-19 बी-श्री हेमन्त कुमार पुरोहित को सह्यायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक, 28-2-81 के श्रपराह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2098-बी/ए-30011/2/80—भारतीय भूवैज्ञा-निक सर्वेक्षण के निम्नोक्त श्रस्थायी श्रधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शाई गई श्रेणी एवं तिथि से स्थायिवत् घीषित किया जा रहा है:---

ऋमांक	श्रधिकारियों का नाम व पद	स्थायिवत् घोषित किये जाने की तिथि
1	2	3
भौतिय 2. श्री भौतिय 3. श्री न	मनवर हाकिम, सहा० भू- तिविद् जगदीश प्रसाद, सहा० भू- तिविद् (उपकरण) गारायण चंद्र सरकार, भू- तकीविद् (उपकरण)	9-10-1978 3-12-1979 2-5-1980
•••		वी० एस० फ़ु ष्णास्वामी महानिदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनां ह 21 श्रप्रैत 1981

सं० 5(16)/68-एस-एक--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एनदद्वारा श्री एस० जे० राव. प्रसारण निष्पादक, श्राकाश-वाणी, पणजी को श्राकाशवाणी, पणजी में 1 अप्रैल, 1981 से श्रगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर तदये श्राक्षार पर अस्थायी ज्य में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 भ्रत्रैन 1981

सं० 5(54)/68-एस-एक---महानिदेशक, आकाणवाणी, एतदद्वारा श्रीमती ए० इन्दिरा जोसंक, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाणवाणी, त्रिवेन्द्रम की श्राकाण-वाणी, त्रिवेन्द्रम में 2 अप्रैल, 1981 से अगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी रूप में निश्रुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन **उ**पनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनां र 22 अप्रैल 1981.

सं० ए-20012/8/73-सीब्बन्दी-I--फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री एम० पी० सिन्हा, स्थानापन्न सहायक समाचार चित्र ग्रिक्षिंगरी, फिल्म प्रभाग, जयपुर को स्थानापन्न केमरामेन, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के पद पर दिनांक 13-3-1981 के पूर्वन्ह से ग्रगले श्रादेश तक तदर्थ ग्राधार पर निश्क्त किया है।

एस० एन० सिंह सहायक प्रशासकीय भ्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

सं० ए० 12025/10/80-(एच० क्यू०) प्रशासन I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सर्वश्री ज्ञान इन्दर श्रौर राम नाथ कपूर को क्रमशः 19 मार्च, 1981 (ग्रपराह्म) ग्रीर 1 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक श्राकीटेक्ट के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> संगत सिंह उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 भ्रप्रैल 1981

 से त्रागामी ब्रादेशों तक केन्द्रीय ब्रौषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में कनिष्ठ वैज्ञानिक ब्रधिकारी (फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट्री) के पद पर नियुक्त किया है।

श्री मी० एल० चौधरी ने छसी दिन से केन्द्रीय श्रीपध प्रयोशाला कलकत्ता से कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रिष्ठकारी (फार्मा-स्यूटिकल कैमिस्ट्री) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12025/3/80-स्टोर-1--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री श्रपूर्व कुमार मुखोपाध्याय को 1 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक गरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, कलकत्ता में कैमिस्ट (रशायनिश्च) के पद पर श्रस्यायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> शिष दयाल उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्नेनिर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1981

मं० ए-19023/4/81-प्रव्ताल---: 1 ---विभागीय पदांश्वित्त सिमिति (वर्ग-व) की संस्तुनियों के अनुसार श्री डीव्केट घोष, सहायक विषणन प्रधिकारी बीकानेर को इस निदेशालय के अधीन जयपुर में दिनांक 30-3-81 (पूर्वाह्न) में प्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न विषणन प्रधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

(2) विषणन श्रधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री घोष ने दिनांक 25-3-81 (पूर्वाह्न) को बीकानेर में सहायक विषणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

वी०एल० मनिहार निदेणक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

कृषि भौर सहकारिता विभाग मीन हरण बृदरगाह परियोजना का निवेशपूर्व सर्वेक्षण बंगलौर-560052, दिनांक, 7 श्रप्रैल, 1981

सं० ए-12(25)/79-एफ एच प्रस (भाग)—पी० सी० णर्मा लेखाकार, केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म, हेसरघट्टा, बेंगलूर को इस कार्यालय के नियुक्ति ज्ञापन क्रमांक ए 12-(25)-79 एफ एच प्रस (भाग) दिनांक 26-11-80 के ग्रन्तंगत निर्धारित नियुक्ति णतों के ग्रनुसार 1-4-81 (ग्रपरहान) से ग्रागामी भादेश तक मीन हरण बंदरगाहों का निवेणपूर्व सर्वेक्षण बेंगलूर में ग्रस्थायी तौर पर प्रणासन ग्राधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

न० प० भक्ता निदेशक

परमाणु उर्जा विभाग कप श्रीर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 30 मार्च, 1981

गं का भंनि -2/15/80-संस्थापन-— निदंशक, कप प्रीरे भंदार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री प्रारं एन एन प्रभु स्थायी भंदारी को स्थानापन रूप से इसी निदंशालय में सहायक भंदार प्रधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-दरों -35-880-40-1000 दरों-40-1200 के वेतन कम में जनवरी 3, 1981 (पू) से मार्च 6, 1981 (प्रप) तक तदर्थ रूप से घौर स्थायी रूप से इसी निदेशालय में इसी ग्रेड धौर वेतन कम में भार्च 7, 1981 (प्रान्ह) से अग्रिम श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ प्रशासन अधिकारी

बम्बई, दिनाँक 7 अप्रैल 1981.

सं० डिपी एस् 23-4-80-उपक्रम-7519—निदेशक कय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बी०डी० कंडपाल को भंडारी श्रिधकारी नियुक्त होने के कारण इस निदेशालय के स्थायी भंडारी श्री बी०एस० शर्मा का स्थाना-पन्न रूप से सहायक भंडार श्रिधकारी पद पर २० 650-30-740-35-810-द०रों० 35-880-40-1000-द० रों०—40-1200 के बेतन कम से दिनांक एप्रिल 28, 1980 पूर्वाह्म से श्रास्त 19, 1980 पूर्वाह्म तक तदर्थ रूप संइसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

दिनौंक 8 अप्रेस 1981.

मं० डि पी एस -23-6-77-ई.एस.टी.-7561--नि-देशक ऋय एवं भंडार निदेशालय परमाणु उर्जा विभाग इस निदेशाक्य के स्थायी भंडारी श्री० ई०ए० राजन को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर २० 650-30-740-35-810- दरो-35-880-40-1000-दरो-40-1200/- के वेतन ऋम से दिनांक जुलाई 3,1980 पूर्वाह से मार्च 6, 1981 पूर्वाह तक नदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० व्ही० गोपालकृष्णन सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 18 मार्च 1981

मं० ना ई स/का प्र० म/0704/1098—इस कार्यालय की ग्रिधिमुनना सं० ना ई० स०/का० प्र भ/0704/219, दिनांक 16-1-81 के कम में नाभिकीय ईधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने श्रीद्योगिक श्रस्थाई श्राणुलिपिक (प्रवरण श्रेणी) श्री भ० ल० गणपति शास्त्री की ग्रवकाण रिक्ति के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिकाधिकारी के पद पर नियुक्ति को दिनांक 18-2-1981 से 28-2-81 पर्यन्त श्रागे वकाया है।

सं० ना ई सं/का प्रम/0704/1107:—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक, स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री एम० एम० छिड्यर को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न मुरक्षा अधिकारी के पद पर अवकाण-रिकित के स्थान पर दिनांक 9-3-1981 से 25-4-1981 पर्यन्त या अगले आदेणों के लिये, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेवा राव प्रशासनिक द्रिधिकारी

(परमाण् खनिज प्रभागः)

हैदराबाद-500016, दिनांक श्रप्रैल 24 1981

सं० प ख प्र-1/38/80-भर्ती:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निर्देशक एतद्द्वारा श्री चन्द्र शेखर गजानन उदास को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 ब्रप्नैल, 1981 के पूर्वाह्न से अगले ब्रादेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक ब्रिधिकारी/ब्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 श्रप्रैल 1981

सं० प ख प्र-3/1/75-प्रणासनः—परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय प्रणासनिक संवर्ग के सहायक प्रणासनिक प्रधिकारी के ग्रेड में स्थाई ग्रधिकारी श्री पी० के० विजयकृष्टन ने भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, बम्बई से स्थानांन्तरण होने पर परमाणु खनिज प्रभाग, हैदराबाद में 6 प्रप्रेल, 1981 के प्रविक्त से सहायक कार्मिक ग्रधिकारी का कार्यभार संभाल किया है।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा प्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीचर ठाणे, दिनांक 15 म्राप्रैल 1981

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-प्रार०:—
मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाण विजलीधर, राजस्थान
परमाण विजली परियोजना में प्रस्थाई सहायक लेखापाल श्री
जे० एम० पारीक को 26 मार्च, 1981 की पूर्वाह्म से
प्रगले प्रावेशों तक के लिये तारापुर परमाण विजलीधर में
रू० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनकम
में स्थानापक्ष रूप सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-मार०:—मुख्य ग्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, इस बिजलीघर में स्थाई सहायक लेखापाल श्री पी० के० श्रीधरन को 13 मार्च, 1981 की पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेशों तक के लिये, तारापुर परमाणु बिजलीघर में क० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में स्थानाषक्ष रूप में सहायक लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस० 1/18(3)/77-म्रार०:—-मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाण बिजलीघर, भारी पानी परियोजना (कोटा) में ग्रस्थाई वरिष्ठ ग्राणुलिपिक श्री जे० एल० जैन को 12 मार्च, 1981 की पूर्वीह्न से ग्रागले ग्रादेशों तक के लिये तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक प्रणासनिक प्रधिकारी के ग्रेड में (क० 650-30-740-35-880 द० रो० 40-960) स्थानापन्न रूप में एक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन, मु<mark>ख्य प्रशासनिक श्रधिकारी</mark>,

श्रन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलीर-560025, दिनांक 24 मार्च 1981

मं० 10/3(46)/79-सी० ई० डी० (एच०):—— अन्तरिक्ष विभाग, बगलौर में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर, श्री एन० नरेन्द्र को इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में अक्तूबर 5, 1979 के पूर्वीक्ष से अस्याई रूप में निमुक्त करते हैं।

> एच० एस० रामदास, प्रशासन ग्रधिकारी-J

महानिदेशक नागर विमानन का कायलिय नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रप्रैल 1981

सं० ए० 12025/3/71-ई० 1 (खण्ड-II):——महा-निदेशक नागर विमानन ने श्री कृष्ण कुमार शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी श्रीधकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की दिनांक 31-3-1981 तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

सं० ए० 32013/8/76-ई० I:——इस विभाग की दिनांक 9 जनवरी, 1981 की प्रधिसुचना सं० ए० 32013/8/76-ई I के कम में, राष्ट्रपति ने श्री बी० हजरा, उपनिदेशक की नागर विभागन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर तद्दर्थ श्राधार पर की गई नियंक्ति को दिनांक 31-1-81 के बाद प्रौर 30-6-81 तक श्रथवा पद पर नियंगित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी है।

धिनांक 21 धर्रेल 1981

32013/7/79-ई-I---राष्ट्रपति ने सर्वेश्री बी० के० गांधी भीर जे.० एस० चौहान की वैज्ञानिक भ्रधि-कारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-12-80 के साप, भीन 3004-81 तक प्रथमा प्रेड में नियमित निय्कित होते. तक, इतमें से जो भी पहले हो, जारी रखते की मंजरी 雅 包

विनोक 24 प्रजैल 1981

सं० ए. 32013-3-79-ई. I--इस विभाग की विनांक 29 विसम्कर, 1980 की ग्रधिसूचना सं० ए-320-13~3~79-ई. 1 के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो मधिकारियों की वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदयं नियुक्ति को, उनके नाम के सामने दी गई भ्रविध 🕵 क्लिए भन्मक्र ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से को भी पहले हो, जारी रखने की मंजुरी दी है:---

- श्री एफ० सी० मर्मा—31.12.80 के बाद श्रीर 30.4.81 तक।
- 2. श्री **बी० कें** जोशी---31,12,80 के बाद श्रीर 29.3.81 सक ।

सुधाकर गुप्ता, उप निदेशक प्रशासन

नई विल्ली दिनांक 9 प्रप्रैल, 1981

एन० गोपाल, सहायक निर्देशक (उपस्कर) को दिनांक 2 अप्रैल, 1981 से छः मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हों, र• 1500--60--1800 के वेतनमान में तदर्थ प्राधार पर उप-निदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में ्नियुक्त किया है।

- 2. श्री एन० गोपाल इस तदर्थ नियुक्ति के ग्राधार पर उप-निर्वेशक (उपस्कर) के पद पर नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और न ही उक्त ग्रेड में तदर्य श्राधार पर की गई सेवा की श्रवधि वरिष्ठता के प्रयोजन के लिए तथा उज्जातर ग्रेड में पदोन्नति की पाझता के लिए गिनी जाएगी।
- 3. श्री एन० गोपाल को महानिदेशक नागर विमानन मख्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

ई०एल० दैसलर सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 मन्नैल 1981

सं ए-19012/902/81-स्था० पांच---- प्रध्यक्षा, केन्द्रीय जल प्रायोग, निम्नलिखित प्रधिकारियों को प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनिनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में -66GI/81

ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- ए० रो॰-40-1200 के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः माह की ग्रवधि के लिए ग्रथका पदों के मियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण-तया ग्रस्थाई भौर तदर्श प्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं:---

क्र अधिकारी का	प्रतिरिक्त जहां पदस्थापित किए
सं० नाम तथा पदनाम	सहायक नि- गए हैं
	देणक/सहा-
	यक इंजी-
	नियर
	के रूप में
	कार्यभार
	ग्रहण करने
	की तारीख

सर्वश्री

1. ग्रार० वी० सोनी, 9.3.1981 उप मुख्य इंजीनियर पर्यवेक्षक का कार्यालय, गंगा (पूर्वाह न) बेसिन जल, संसाधन

संगठन, नई दिल्ली ।

2. एस. एस. जैन, श्रभि-10.3.1981 ई ब्रार डी डी-एक कल्प सहायक (पूर्वाह् न) निद्येशालय

3. जय प्रकाश, पर्य-25.3.1981 एफ-ए-तीन निवेशा-वेक्षक लय

> ए० भट्टाचार्य, श्रवर सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लां बोर्ड कम्पनियों के रुजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 व मै० हरल से विज्ञ एण्ड इन्वेस्ट मेंट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

सं० एस० ग्रो./755/394-- कम्पनी श्रधिनियम 19-56 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि में० घरन्त सेविंग्ज एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है तथा कथित कम्पनी समाप्त हो गई।

> एस० शील कम्पनी रजिस्टार, श्रोडिमा, कटक

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 और बेबी फाइनांस चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड पांडियरी, दिनांक 21 प्रप्रैल 1981.

सं 102--कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुसार एतव द्वारा स्चना दी जाती है। कि

"बेबी फैनांस चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड" का नाम रिजस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गयी है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर ''तिहमलै ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड'' के विषय में

पांडिपोरी, दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं० 115/560(5)—कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद द्वारा दी जाती है कि "तिहमलें" द्रेडिंग कस्पनी प्राइवेट ्लिमिटेड का नाम धाज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कस्पनी भंग हो गयी है।

बी० कोटेस्वर राव कम्पनियों ¦का रजिस्ट्रार पीडिचेरी कम्मनी प्रधिनियम, 1956 भौर ''ग्रयालगेमेठेठ बूलठरस प्राइ-वेट लिमिटेड" के विषय में ।

बंगलूर, विनांक 22 प्रप्रैल 1981

सं ॰ 2788/560-80-81 -- कम्पनी ग्रधिनियम, 19-56 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास की अवसान पर अमालगेमेठेठ बूलठरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी०टी० गजवानो कम्पनियों का रजिस्ट्रार प्रकर बाई • टी • एन • एस • ---

जायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सर्वीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर खायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक, 15 अप्रैल 81

निवेश सं० /482/ग्रर्जन/81-82--अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है

भीर जिसकी सं० तौजी सं० 240 थाना, संख्या 7 खाता सं० 201, प्लाट संख्या 75 है तथा जो नौरतनपुर, नन्दलालपुर जिला पटना में स्थित है भीर इससे उपायदा मनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-8-1980

को नूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से भिष्ठत है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्वित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अजिनयम के मधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में सभी करने या सससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती विपता कुंवर जौजे जुलुमधारी राम, निवासी साकिन मोहरंमपुर, मेरियाडोसी थाना कोतवाली, पत्रालय, जी० पी० भो० जिला पटना।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती विमला देवी, जौजे श्री मनोहरलाल शर्मा निवासी बड़ी बदलपुरा, थाना खगोल, जिला पटना। (भ्रम्तरिती)

को यह मूचना जारी अपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गडदों और पर्वो का, औ उत्तत अधिनियम के अध्याय 20लक म परिमाधित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का रकबा 4 कट्ठा जो मौजा नौरतनपुर नन्दलालपुर थाना, कंकड़ बाग, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विस्ति नम्बर, 6552 दिनांक 30-8-80 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा की गयी है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 15-4-1981

प्रकेष माइ० टी० ऐने । एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संरक्षीर

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर -------------

कानपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1981

निदेश सं० ग्रर्जन/3461-ए/कानपुर/80-81-श्रतः मुझे, बिबेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छमत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका छवित विश्वार मूहैय 25,000/- उ० से अधिक है

भौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो गज्जू पुरवा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूण रूप से बंणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-8-1980

को पूर्जोक्स सम्पत्ति के उवित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्जोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत में ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिकत से प्रक्षिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य में चक्न अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

श्रता अवः अनत अधिनियम की धारा 26% ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26% म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अथिनतयों, अर्थात् :--

- 1 श्री हुकुम चन्द्र भाटिया, पुत्र श्री शेरे राम भाटिया निवासी मोहल्ला रामदास पुरा, जालन्धर सिटी पंजाब (भन्तरक)
- 2. श्री मोहम्मद प्रसंगर पुत्र श्री प्रली हुसैंन, निवासी 92/67, हीरामन का पुरवा कानपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी 'क्षेरके पूर्वेक्सि सम्पति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करताम्ह्री।

र्जनत सँम्पत्ति के अर्जन के संबंध में की ई भी आसीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 48 दिन की अविधि या तरसक्त नथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, भी भी भविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचिना के शंजिपन किंश्वकाणिन किंति तारी के किंवित के किंति इंकित स्थावर सम्बंधित किंगित विकास किंवित के किंवित किंवित के किंवित

स्पत्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो अकत अधिनियम के अहवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्व होगा को उस अख्याय में दिया गया है।

अभुसुधी

कृषि भूमि खसरा नम्बर 264, 265, 296, 299, 300 एन्ड 301 का 1/3 भाग स्थित गज्जूपुरवा जाजमऊ जिसका रकवा 3167, 97, इसक्यार मीटर और जिसका उचित बाजारी मूल्य क्रय मूल (दो लाख) से 25 प्रतिशत से भी मधिक है।

बिबेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख 18-4-1981 मोहर:

(भ्रन्सरक)

प्ररूप बाई. टी. एन. ऐसी.-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 भ्रप्रैल 1981

निदेश सं० बस्लभगढ़/33/80-81--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान प्लाट संख्या 17-ए, टाइप, क्षे० 150 वि० ग० है तथा जो नेहरू पार्क, एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को प्रांवत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः --

- श्री जय नार्रायण मेहरा पुत्र श्री छानुलाल, निवासी ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली।
- 2. श्रीमती बीना कुमारी पुत्नी श्री बृजेन्दर सिंह, निवासी गांच — डा० साही, जिला श्रागरा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्स) इस सम्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारपीस से 345 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शिक्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मर्ध्वकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवेरी अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में विसा गया है।

ग्रनु**सुची**

सम्पत्ति बुकान प्लाट नं० 17-ए, नेहरू पार्क, एन० श्राई० टी०, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण संख्या 6017, दिनांक 20-8-1980 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रज, **चण्डीगढ**

तारीख 20-4-1981 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर व्यक्तिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्ष्ण)

व्यर्जन रेंज, रोहतक, रोहतक, दिनांक 40 व्यप्रैल 1981

निदेश सं० गुड़गावां/33/80-81---यतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

जायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० मकान नं० 587/17-ए, है तथा जो शिवाजी नगर, गुड़गाँवां में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, गुगड़गांवा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

का पृथोंकत सम्पत्ति के उचित आजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित आजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के शृधीन निम्नतिषुत व्यक्तित्यों सूर्शत्ः—

- श्री मोहम्मद ईदिरिश पुत्र श्री बुल्दखा
 निवासी अलीमेद तह० हथीन, जिला फरीदाबाद।
 (अन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण कुमार, जबाहर सिंह सुपुत्र श्री मुंशी राम गांव शिकोहपुर, तहसील य जिला गुड़गांवा। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सची

सम्पत्ति मकान नं० 587/17-ए, णिवाजी नगर गुड़गांवा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय गुड़गांवा में रिजस्ट्री संख्या 2606 दिनांक S-8-1980 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज रोहतक

तारीख: 20-4-1981

प्रकृष भाई • टी • एन • एस •-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, विनांक 15 भन्नैल 1981

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है

धौर जिसकी सं० माकान नं० 240, बी/एल, है तथा जो माडल टाउन, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता धिंधकारी के कार्यालय करनाल, में रिजस्ट्रीकरण धिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के बाधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुबरण में, में,उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती कौशस्या देवी मोदी विधवा
 - (2) श्री बसन्त कुमार मोदी निवासी 240 मी/एल, करनाख
 - (3) श्रीमती जनक युलारी, सचदेवा,
 - (4) श्रीमती कमलेश नागपाल, पुत्री श्री भीमसैन, करनाल ।
 - (5) श्रीमती इन्दिश कुमारी, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिविन्द्र मोहन जैन पुक्ष श्री मूल धन्द जैन मार्फत स्पेशल मशीन, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त व प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया, गया है।

अनसर्थ

सम्पत्ति मकान नंम 240 बी/एल, माडल टाउन करनाल, में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या- लय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2742, दिनांक 8-8-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, रोहतक '

तारीख: 15-4-1981

प्रक्षा आहू . द्यो . एना . एसा . न---------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीन सुचना

भागक प्रदासक

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण्) श्रुर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 भन्नेल 1981

क्रिदेश सं० करनाल/54/80-81-अतः मुझे, को० सि० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजात का प्राप्त स्थावर मृत्य 25,000/ का से अधिक है

मोर जिसकी सं प्रकान नं 260, ब्रह्मनगर, है तसा जो करनाल में स्थित है (भौर इससे उपाबस भनुसूत्री में भीर को पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कम्मिनय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन पिनांक ममस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रश्निक को विश्व अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संकल्सि का अधित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रसुद्ध प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक्त्रों) औद मृत्वदिक्षी (अल्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए त्य पाया गया प्रतिफल का जिन्नीलिकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्या से का नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किली भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्रमकर अधिनियम, या ध्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अयोजनार्थ अन्तरिशी व्याधा अकट नहीं कियो यहा था या किला जाना वसहिए था कियाने के स्विधा के लिए;

क्षत्रः सव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भी, जी, उकत विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) भी क्षीन निकासिकत व्यक्तियों अर्थात्ः-- 1. श्री चरणजीत सिंह, कुलजीत सिंह, कृपाल सिंह, सर्व पुत्र श्री हरबहल सिंह एवं श्रजीत कौर पुत्री श्री हरबहल सिंह निवासी मकान नं० 260, ब्रह्मनगर, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

2. भी सम् लाल पुत्र श्री शीतल दास निवासी मकान नं० 260, ब्रह्म नगर, करनाल। (श्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन को विस्पृ कार्यकातिकार्व कारका हूं।

उक्त सम्पर्तित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु ७--

- (क) इस सूचना के राजप्त में प्रकाशन की हारीब से 45 विन की अवधि या तस्सब्बन्धी व्यक्तिसूटें पूर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिड्बूबूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पानीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

सम्पति मकान नं० 260 ब्रह्म नगर, करनाल में स्थित है जिसका श्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिश्वस्ट्री संख्या 2684, दिनांक 5-8-80 पर दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-4-1981

मोधरः

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निदेश सं० करनाल/62/80-81---यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1968 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्शित जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 12/3 (एम० सी० नं०XIV349) है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :-- 3—66GI/81

- श्री लाल चन्द पुत्र श्री ठाकर दास ग्ररोड़ा, निवासी 1099, गुलाबी बाग, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती ईश्वर देवी पत्नी श्री हुकम चन्द, निवासी बन्सन गेट, करनाल । ग्रव 12/3, एम० सी० XIV 349, सुभाष गेट, करनाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्यति मकान नं० 12/3, एम० सी० XIV, 349, सुभाष गेट, करनाल में स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संख्या 2776, दिनांक 18-8-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-4-1981

प्रकृप धाई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 21 म्रप्रैल 1981

निदेश सं० बल्लभगढ़/39/80-81---अतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान नं० 700, सेक्टर 15-ए, है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे खपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बलभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वो कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के क्रयमान प्रिसिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- श्री राम लुभाया, डोगरा, मकान नं० 2036/सि० 27-ए, चन्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

2 श्री वी० पी० श्राहुजा, पुत्र श्री जे० एल० ग्राहुजा श्रतिरिक्त निदेशक, (एफ० एवम ए०) श्रायल नैवृरत गैस कभीशन, मकरपुरा रोड, बड़ौदा (गुजरात)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्वक्षिण्यः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पति मकान नं० 700 सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहतमगढ़ में रजिस्ट्रीकरण संख्या 6275 दिनांक 27-8-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्रा

सहायक आयकर आयुक्त (

श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 21-4-1981

प्रकप भाई वी एन एस ---

आयकर अधिनियम; 1961 ; 1961 का 43) की घारा 268-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्द आयुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 21 म्रप्रैल 1981

निदेश सं० बल्लभगढ़/41/80-81—यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो गांव सिही, तह० बल्लभगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रगस्त, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य प्रसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के ग्रंथीन कर देने के व्यक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रश्य आस्तियों
 को किन्हें भारतीय धायकर ग्रिशिनयम, 1922
 (1922 का 11) या उनत ग्रिशिनयम,
 या धन-कर ग्रिशिनयम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-न की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री जीत सिंह, उर्फ प्रजीत सिंह निवासी सिंही, तह० बल्लभगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. पत्र श्री : निरंजन सिंह, श्र्योदान सिंह, जगबीर सिंह, धनसिंह, धरम सिंह, रणबीर सिंह, सतबीर सिंह, सर्व पुत्र मंगल सिंह निवासी गांव सिंही, तहु बल्लभगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सन्तरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन को तारीख से 4.5 विन की अविश्व या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्मित्त एक रिहायसी मकान गांव सिही, तह० बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायतिय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 6288, विनांक 28-8-80 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 21-4-1981

प्रकार आईं० टो • एन• एत०⇒ - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

सहाय ह आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहनक, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1981 देण सं० जगाधरी/45/80-81—श्रतः मझे, गो

निदेश सं० जगाधरी/45/80-81—-म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ज्लाट ग्रांर इमारत क्षेत्र 3544 व जा कहें तथा जो श्रीश्चीमिश क्षेत्र, यमुना नगर, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यात्रय यमुना नगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 द्या 16) के ग्रिष्ठीन दिनांक श्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्याक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 फर्म प्रकाश इलैक्ट्रिकल्स, यमुना नगर द्वारा श्री के० सी० उप्पल, पुत्र श्री किशन, श्रीमती कैलाश रानी, पत्नी श्री के० सी० उप्पल, निवासी यमुना नगर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री नानक चन्द निवासी गांव टीगरी, तह० जगाधरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्मित्स के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विस की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट व इमारत (क्षे० 3544 व० ग०) भ्रौद्योगिक क्षेत्र यमुना नगर में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री संख्या 3194 दिनांक 21-8-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रंज, रोहतक

नारीख: 23-4-81

प्रकृष् बाइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० भ्रम्बाला/68/80-81---यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6383-84-डब्ल्यू-3/996-997-बी-है तथा जो सराफा बाजार, श्रम्बाला नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्जिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वीक्त संपित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः के श्री विजय कुमार फैन, पुल श्री बनारसी दास जैन,
 म० न० 1469/1, ग्रम्बाला नगर।

(भन्तरक)

 फर्म लक्ष्मी चन्द, तारा चन्द सराफा बाजार, श्रम्बाला नगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति नं० 6383-84-डब्ल्यू-3/996-बी-III, सराफा बाजार, श्रम्बाला नगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 2904, दिनांक 2-8-1980 पर विया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 20-4-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 भ्रप्रैल 1981

निदेश सं० बल्लभगढ़/37/80-81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहन से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1528/7ई, क्षेत्र 153.33 व०ग० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के खिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६-- श्री मल चन्द सोमानी, पुत श्री सूरज मल सोमानी, निवासी 1528/7, फरीदाबाव ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती उर्मिला गुप्ता, पत्नी विनोद भारत गुप्ता मकान नं० 1528/7ई, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्परिस के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 1528/7ई, क्षे० 153.33 व०ग०, सेक्टर -7, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6156, विनांक 22-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 22-4-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निवेश सं० जगाधरी/68/80-81—यतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान क्षेत्र 61'-6" × 30' है, तथा जो नारायण कालोनी, यमुना नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

 श्री ग्रमर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, निवासी नारायण पुरी, यमुना नगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री धर्म बीर मदान पुत्र श्री राम किणन नियासी मोडल टाउन, यमुना नगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इम मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्वब्हीकरग: -- इसमें प्रयुक्त मब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति मकान नारायण कालोनी, यमुना नगर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 3733, दिनांक 29-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 20-4-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० बल्लभगढ़,/26/80-81—यतः मुझे गो० सि० गोपास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 124, एन० एस० 3-ए है तथा जो एन० श्राई० टी०, फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री जम्मन दास पुत्र श्री दामु राम, 14/85, न्यू डबल स्टोरी, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सत्यदेव पुत्र श्री ग्रोम प्रकाश मकान नं० 3ए/124, एन० ग्राई० टी०, ट्ररीदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत्,
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 124, एन० एच० अए, एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 5567, दिनांक 4-8-80 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 22-4-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० पानीपत/41/80-81—यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कोठा भूमि के साथ है, तथा जो पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या घन-कर ग्रिविनियम, या घन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पें सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रपीत :---

 सर्विश्री शंकर लाल फकीर धन्व सर्व पुत्र श्री छन्नु राम, पानीपत ।

(ग्रन्तरक)

 फर्म पी० के० इन्टरप्राईजेज, पंचरंगा बाजार, पानीपत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रष्ट होगा, जो उत्त श्रष्टयाय में विया गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति भूमि के साथ कोठा, कृष्णपुरा गोहाना रोड, पानीपत में स्थित हैं जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2834, दिनांक 20-8-80 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 22-4-1981

प्ररुप माई• टी• एन• एस•---

जायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 भ्रप्रैल 1981

निदेश सं० हिसार/17/80-81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धितीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- र० अधिक है

शौर जिस की सं० भूमि 83 कनाल व 13 मरले है तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1980 को पूर्वों कत संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिभा के लिए;

धतः भव, उनत मिधिनियम की बारा 26 9-ग के मनुसरक में, में, उनत मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातः—-

- (1) श्री लछमन दास पुत्र परमा नन्द राम काल पुत्र चनन दास नि॰ 40-एन, मॉडल टाउन, हिसार । (अन्तरक)
- (2) श्री शाम सुन्दर पुत्र श्री लछमनदास मार्फत शेनाई ब्रांड ग्रायल गोबिन्द गढ़ बाजार, हिसार 2. श्री राम सरूप पुत्र श्री शंकर लाल मार्फत फर्म राम सरूप रूलीराम, नई मन्डी, हिसार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 श्रविध बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 श्रवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वव्हीकरण : इसमें प्रयुक्त सम्बों बीर पदों का, को उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिवाबित है, बही अर्थ होगा, को उस मन्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति भूमि 83 कनाल 13 मरले हिसार त० व जि० हिसार में स्थित हैं जिसका श्रिधिक विरण रजिस्ट्रीकर्सा के कार्यालाय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 2235 दिनांक 12-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपा*ल,* सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 22 भ्रप्रैल, 1981

प्ररूप बाई• टी• एन• इस•-----

ग्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की मारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 22 ग्रंगैल 1981

निदेश सं० करनाल/70/80-81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रार 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छजित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 16 कनाल है तथा जो कुन्जपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) और प्रन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐस अम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक इप से इश्वित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त चूछिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों,
 को जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

(1) श्री बलवान सिंह सपुत्र श्री जालु नि० कुन्जपुरा त० क⁻नाल

(ग्रन्तरक)

(2) फर्म दुर्गा राइस मिल्ज, कुन्जपुरा, त० करनाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के घर्षन के संबंध में कोई भी धार्केंप 1---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की धविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धबिध के में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होचरवा ---इसमें प्रयुक्त गब्दों मीर पर्धों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घन् सूची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल कुन्जपुरा में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2879 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रो**ह**तक

अतः अस, उस्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (11) के सुधीन निम्निसिंहत व्यक्तियों, सुधीत् :—

दिनांक : 22 ग्रप्रैल 1981

माहर:

प्रकप आई० टो० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० रेवाडी/28/80-81—अत: मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रावासीय मकान नं 256-श्रार है तथा जो मॉडल टाउन रेवाड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रेवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 80

का पूर्वा कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वा कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्नुरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त न उक्त अधि-नियम के घडीन कर देने के प्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के बिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उनत प्रविनियम की घारा 269-न ने धनुसरण में, मैं, उनत प्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः -- (1) श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री गनपत राम पुत्र श्री कांशी राम निवासी—भाँडल टाउन रेवाड़ी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विद्यासागर प्रेम सागर, ग्रमृत सागर पुत श्री ईपवर चन्द मकान नं० 256-श्रार, मॉडल टाउन, रेवाडी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति रिहायशी मकान नं० 256-श्रार, माँडल टाउन रेवाड़ी में स्थित हैं जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 1756, दिनांक 27-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 22 श्रप्रेंल 1981

प्रस्प आहं. टी. एतृ. एस.——— आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निदेश सं० रेवाड़ी/27/80-81—ग्रसः मुझे, गो० सि० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० दुकान नं० 7262 है तथा जो गुड बाजार, रेवाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यासय, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक

को पूर्वों कत सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्दृष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण कि लिए तम में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायत्व में कमी करने या उत्तर वचने में सृतिधा का सिए; बाँड/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हू भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै, अनुसंस्क मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित, व्यक्तियमें, अर्थात् ॥--

- 1. श्री अभिनन्दन कुमार पुक्त अभि बुल्ला श्रीमती चलती देवी पत्नी श्री नन्दराम निवासी---रेवाड़ी।
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री बजवन्त राय, श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री नरेश कुमार देवेन्द्र कुमार, विजय कुमार, सुधीर कुमार सब पुत्र श्री बलवन्त राम निवासी—रेवाड़ी।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त संप्रीत के वर्षन के विष कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मुर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीय:--

- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की रार्राध से 45 दिन की अवेधि से तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की राजीश से 30 दिन की अवेधि, जो जी अविध सब में ततान होती हो, के भीतर कृतों कर व्यक्तियाँ में से किसी अविधा हुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी से 45 विन के भीत उनसे स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म क्वेंदित ब्वारा, अभोहस्ताकरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-जियम के अध्वाय 20-के में विस्थायित हैं, मही कुर्य होगा, जो उस अध्याय में विद्या गुवा है ।

सन्तर्भागी

सम्पति दुकान नं० 7262, गुड़ आजनर रेबाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 1774, दिनांक 25-8-1980 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रारकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्णण रेंज, रोह**तक

तारीख: 22-4-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 श्रप्रैल 1981

सं० राज० सहा० श्रा० श्रर्जन०/924:— यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द के संभिष्ठ है और जिसकी संव बीव-89, सीव-42 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-8-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि लिखित में वास्तिवक रूप से स्वित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अधीत्:-- (1) मैंसर्स जे० म्रार० एस० इंजीनियरिंग वर्क्स इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, जयपुर।

(ध्रन्तरक)

(2) मैसर्स यू० पी० इलैक्ट्रिकल लिमिटेड, रिंग रोड लाजपतनगर, जयपुर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-89, सी-41, सी० 42 इण्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर साउथ जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1761 दिनांक 6-8-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीखा: 2 2-4-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 प्रप्रैल, 1981

सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/925:—यत: मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० बी०-125 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित, है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारीख 25-8-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रिमिफ ल के लिए अन्तरिक की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ स्थात् ्--- (1) श्री विजय चन्द जैन पुन्न गप्यू लाल जैन, चौकड़ी घाट गेट, जयपुर।

(भन्सरक)

(2) श्री राधेश्याम पुत्र किशोरी लाल, बी०-125, ग्रर्जुन लाल सेठी कालोनी, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्व्यक्तिक्षणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० बी०-125, प्रर्जुन लाल सेठी कालोनी, जयपुर जो उप जियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2115 दिनांक 25-8-80 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 2-4-81

मृक्ष्यु वार्षाः द्वीः पुत्रुः पुत्रुः व्यापाना

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्कना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 22 घप्रैल, 1981

सं० राज०/सहा० झा० ऋर्जन/926:---आतः मुझे, एम० एस० े चौहान.

कावकार अधिनिक्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनिक्य' कहा क्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कार्ण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तांत्रीख 6-8-1980

की पृशिकत सम्परित के उपित बाबार मूल्य से कम के इसमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उच्चित्स से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया हैं।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीत् हिल्ल (1) श्रीमती मीना देवी पत्नी श्री हरदेवजी ध्यास,
मुरलीधर पुत्र हरदेवजी व्यास श्री शान्तीलाल
व्यास पुत्र हरदेवजी व्यास, श्रीमती कौशल्या
पत्नी श्रीमती हरीया कुमारी एवं श्रीमती सन्तोष
पुत्रीयां हरदेवजी व्यास द्वारा मुख्तारनामा धारक
श्री हरीराम व्यास, लक्ष्मी टिम्बर मार्ट, सरदारपुरा, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स पंचरत्न प्राइवेट लिमिटेड, बालाजी का रास्ता रामगंज, धनाजमण्डी, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पळीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 22-4-81

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जयपुर जयपुर, दिनांक 8 ग्रप्रैंस 1981

सं० राज/सहा श्रा० ग्रर्चन/911:—श्रतः मुझे एम० एल७ चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 4 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर, में, रजिस्ट्री-करण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 4-11-1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग निम्निलित व्यक्तियों अर्थात् :-5—66GI/81

- (1) श्री चान्द मल, पुत्र फतेहराज सिंह निवास, जोधपुर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री छवर सिंह पुत्र श्री जमन सिंह परिहार महा-मन्दिर जोधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्लाट नं० 4, धर्मनारायण जी का श्रहाता, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर के द्वारा पंजियद्ध विकय पत्न संख्या 2295 दिनांक 4-11-80 में श्रीर विस्त्त रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 8-4-81

प्ररूप आर्ष्: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्पर्जेन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनोक 18 श्रप्रैल 1981

सं० राज/सह आ० अर्जन/918:--अतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 11 है तथा जो भरतपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भरतपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृशंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁵ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गिराजि सिंह पुत्र श्री श्रभय सिंह जाट, निवासी कुम्हार गेट,भरतपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ प्रसाद पुन्न नारायण लाल, भीकचन्द पुन्न जगन्नाथ प्रसाद व मदन मोहन पुन्न भीक चन्द वैश्य निवासी भरतपुर।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 11, वार्ड न 1, नई मण्डी भरतपुर जो उप पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रम संख्या 2212 दिनांक 16-8-80 पर पंजिबद्ध निक्रय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-4-1981

मोहर

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर जयपुर, दिनांक 18 श्रप्रैल 1981

सं० राज/सहा थ्रा० ग्रर्जन/919/---श्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 11 है तथा जो भरतपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाणित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भरतपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-8-1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निमनिश्चित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री गिरांज सिंह पुत्र ग्रभय सिंह जाट, फुम्ह्रार गेट, भरतपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खेम चन्द भीक चन्द वैश्य साकिन श्रन्दरनी किला, भरतपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर खानिलयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुपुषी

दुकान नं० 11 खाडं नं० 1, भरतपुर नई मण्डो में है जो उप पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रम संख्या 2213 दिनांक 16-8-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, जयपुर।

तारी**ख:** 18—4—81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 31 मार्च, 81

सि॰आर॰ 62/27932/80-81 एसिक्यू/बी--यतः मुझे ग्रार० थोयत्री

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निष्ठात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 546, है, तथा जो XX मैंद रोड़, IV "टी" ब्लांक जयनगर, बंगलूर- में स्थित है (और इस से उपाबद्ध श्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन ता० 25-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिकल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से ऐपे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

 श्री हेच० एस० राघवेन्द्र राव, (ग्रन्तरक)
 श्री हेच० एस० श्रीनिवासराव के पुत्र, सं०—2/49, भूतिनवास, मातुंगा, बंबई।

2. —श्रीमती के विणालाक्षी राजु, (श्रन्तरिती) श्री कें वी पी राजु के पत्नी, सं 0—67/30, एकतालीसवां कास, श्राठवां ब्लांक, जयनगर,बंगलूर-41.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वाध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पृष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सची

(दस्तावेज सं० $2636/80^{\circ}81$. ता० 25-8-1980) संपत्ति जिसका सं—546, तथा जो XX मैंन रोड, IV "टी" ब्लाक, जयनगर बंगलूर-II में स्थित है, मेर्जारंग सैट एरिया — $60'\times40'$ श्रौर इसमें $12\frac{1}{2}$ स्केयर्स का इमारत [है। चकबन्दी है —

उ—में सैट सं०—545। द—में सैट सं०—547। पू—में सैट सं—583। प—में रोड।

> आर० योथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर,

तारी**ख**: 31-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 भ्रमेल 1981

निदश सं सि.श्रार.-62/28240/80-81/एसिक्यूबी.—यतः मुझे श्रार. थोथाती,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं 33(नया सं०-53) है, तथा जो गोविन्दप्पा रोड, वसवनगुडी, बंगलूर-4 में स्थित है (श्रौर इस से उपबिद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन ता० 12-9-1980

कार पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित अधिकत्यों अधीतः—

- 1. श्री के एस. विश्वनाथ, दिवंगत,
- के. श्रीनिवासमूर्ती के पुन्न, एनिङ्ग्रोएलए—जाम्बीया के रहवासी, क्यांप करते हैं —केयर-ग्रांफ श्री श्रीनर्रासम्हय्या, सं०-51, णंकर पार्क, णंकरपुरम बंगलूर-560004।
- 2. श्री ए. महाबल हेब्बार, दिवंगत (श्रन्तरक) श्री ए. पुलन्ना हेब्बार के पुत्र, सं०-53, गोविंदप्पा रोड, वंगलूर-560004 में रहते हैं। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पादिस यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पाकतीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शन्दों आरे पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसची

(दस्तावेज मं. 2541-80-81 ता० 12-9-1980.') संपत्ति जिसका सं०-33-45/I, नया सं०-53 तथा जो गोविंदप्पा रोड, बसवनगुडी, बंगलूर-4 में स्थित है, मेजरिंग 182.26 स्कीयर मीटर्स और इसमें इमारत है। चक्कबन्दी है:--

उ — में प्राईवेट संपत्ती। द—में गोविंदप्पा रोष्ट। पू—में प्राईवेट संपत्ति। प—में रेड क्रास सोसायटी।

श्रार० थीयाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-4-1981.

प्ररूप भाई। टी० एन। एस ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

वेंगलूर, दिनांक 3 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/28371/80—81/एसीक्यू/बी—ग्रतः मुद्दो आर० थोथाली आयकर भित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' खद्दा गया है), की धारा 269-ख के भन्नीन सक्षम ग्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० ये प्रधिक है

ष्पौर जिसकी सं० 1, (पुराना सं० 140/2) है, तथा जो चाखां क्रास चिन्नय्यनपाल्या, बंगलूर में स्थित है (भ्रौर इस से जपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर, में रिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 25-9-1980

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित का जार मूल्य से कम के तृक्यमान प्रतिकति के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का का रण है कि यथापूर्विकत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निव्धित में जास्तिक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिली प्राय की बाबत, उक्त घांविनियम के घडीन कर देने के घन्तरक के बायरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधन के शिए। घोर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी पन या घर्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविका के निए;

भ्रतः भ्रवः जनत मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उनत प्रिवित्यम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- श्री बी० एल० विद्यासंकर, सं० ब-1, शंकरपाक, रंगराव रोड, शंकरपुरम, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री टी० एच० मुस्ताक श्रहमद, सं० 9, लक्ष्मी रोड, शांतिनगर, अंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति श्रारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त ध्रिवियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिकाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3205/80-81 ता० 25-9-1980) संपत्ति जिसका सं० 1, (पुराना सं०140/2) तथा जो, चाखां कास, चिन्नय्यनपाल्या, बंगलूर में स्थित है, मेर्जीरंग 2160 स्केयर फीट सैट एरिया और इसमें इमारत है।

> ग्रार० थोथाती, सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-4-1981

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 म्रप्रैल 1981

निदेश सं० एस ग्रार डी 43/80-81--ग्रतः मुझे सुखदेव

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 40 कनाल है तथा जो गांव नाबीपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रींकृती अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1980 ।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बृधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों क्यांत्:— श्री प्रीतमाहिन्द्र सिंह पुत्र मेजर मिहन्द्र सिंह, नाबीपुर श्रव मकान नं० 198, सेक्टर 33, चण्डीगढ़।

(ग्रंतरक)

2. श्री पूरन सिंह पुत्र श्री लाल सिंह व भूपिन्द्र सिंह श्री मंगल सिंह, गुरमुख सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, निवासी मुगल माजरा, तहसील अमलोह, पोस्ट श्राफिस गोनिन्दगढ़, जिला पटियाला । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपशु में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 40 कनाल, गांव नाबीपुर, तहसील सरिहन्द जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सरिहन्द के कार्या-लय के विलेख संख्या नं० 2191, प्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 श्रश्रैल 1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक ९ ग्राप्रैल 1981

निदेश सं० एल डी एच/160/80---81---श्रतः मुझे सुखदेव चन्द

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-II-1555/1-1552/2 (बी-II-1554 नया) है तथा जो कूचा सेठ सन्त दास, नजदीक घंटाघर, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1980

को प्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण हो कि उध्यम्बोंकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री सुखदेव पाल भक्कू व श्री रमेण पाल भक्कू पुत्र श्री लाल चन्द पुत्र श्री कुन्दन लाल, निवासी 89-सी, ऊधम सिंह नगर, लुधियाना । (ग्रंतरक)
- (1) श्रीमति सुरिन्द कौर पत्नी मनजीत सिंह निवासी हाजी गंज, पटना शहर।
 - 2. श्रीमति कमलजीत कौर पत्नी श्री दर्शन सिंह व
 - श्रीमित हरजीत कौर पत्नी कुलवीप सिंह निवासी कच्ची घाट, पटना शहर । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पाककिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान र्नं० बी-II-1555/I-1555/2 (बी-II-1554) कूच्चा सेठ सन्त दास, नजवीक घंटाघर, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्द्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2754, प्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखं: 9 ग्राप्रल, 1981

प्ररूप बाईक टीक्एनक एक०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 शा 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/167/80—81—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर पश्चितियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'अक्त अक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व० से प्रक्षिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्र्थ नं० 21 है तथा जो भदोड़ हाऊस, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्राप्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नानिखित छहेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से प्रथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः बद, उक्त श्रीभीनयम, की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन जिस्तिस्ति व्यक्तियों स्मित्ः— श्री श्रजीत सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी चिमण्डा, तहसील व जिला लुधियाना ।

(भ्रंतरक)

 श्री रिवन्द्र नाथ पुत्र श्री किशोरी लाल निवासी मकान नं० बी-III-461, राजा स्ट्रीट, पुराना बाजार, लुधियाना । (श्रांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

बूथ नं० 61, भदौड़ हाउस, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2851, ग्रगस्त 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 **ग्रप्रैल, 1981**

प्ररूप आई० टो० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 श्रप्र ल 1981

निदेश सं० एलडीएच/142/80-81--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

पायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा '269-ख के प्रधीन मक्षम प्रिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ए० से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 21 7 1/2 वर्ग गज है तथा जो सिमट्री रोड, सिविल लाईन लुधियाना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्र-कर्ता अधिकार के कार्यालय लुधियाना में, रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण म हुई किसी आय की बाबन, उक्त ग्रिशिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:⊶-

- श्रीमित गुनवन्त कौर पुत्नी स० जीवन सिंह श्रव पत्नी स० रनधीर सिंह पुत्र स० मेहर सिंह, निवासी मकान नं० 161, सेक्टर 9—बी, चण्डीगढ़। (श्रंतरक)
- 2. श्री यश पाल जैन पुत्र श्री सोहन लाल पुत्र श्री वैशनू दास, निवासी बी-V-490 हाजूरी रोड, लुधियाना। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त ृक्षण्यों धौर पर्यो का, थो छक्त ध्रिवियम, के घट्टाय 20-क में परिभावित है, बहो अर्थ होगा जो उस ग्रष्टवाय में विद्या गवा है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 217 1/2 वर्ग गज, सिमट्री रोड, सिविल लाईन, लूधियाना ।

(ज्यायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं 2528, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 म्रप्रैल 1981

प्र₹प पाई• टी• एन० एस०----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/154/80—81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से अधिक है

मृत्य 25,000/- इ० सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 217 1/2 वर्ग गज है तथा जो
सिमिट्री रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना
श्रिष्ठकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त 1980
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिभात से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अक्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अव, उनतं अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :—

- 1. श्रीमित गनवन्त कौर पुत्र श्री जीवन सिंह ग्रब पत्नी श्री रणधीर सिंह पुत्र डा० मेहर सिंह, निवासी 161, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़।
- 2. श्री यशपाल जैन पुत्र श्री सोहन लाल पुत्र श्री वैशन् दास, निवासी बी-V-490, हाजूरी रोड, लुधियाना (श्रंतरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कं।ई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी अ्थिनितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचन। के राजपत में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अथं होगा, ओ उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल $217\ 1/2$ वर्ग गज सिमट्री रोड, सिबिल लाईन, लुधियाना ।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2675, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 भ्रप्रैल 1981

माहर:

प्ररूप आई. टी. एत्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1981

निदेश सं॰ एलडीएच/168/80—81—श्रतः मुझे मुखदेव चन्द,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 217 1/2 वर्ग गज है तथा जो सिम्ट्री रोड सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1980 का न्वींक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूचींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी नाम या किसी धन या बन्य जास्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिस्ति व्यक्तियों, बृथित् द्र---

 श्रीमित गुनवन्त कौर पुत्नी स० जीवन सिंह श्रब पत्नी श्री रणधीर सिंह, निवासी 161, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रंतरक)

2. श्री यश पाल जैन पुत्र सोहन लाल पुत्र वैशनू दास, निवासी बी-V-490, हाजूरी रोड़, लुधियाना ।

(मंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'सक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्यी

प्लाट क्षेत्रफल 217 1/2 वर्ग गज, सिमट्री रोड, सिविल लाईन, लुधियाना ।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2858, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 अप्रैल 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 9 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/210/80-81---म्रतः मुझे सुख-देव चन्द

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लाट क्षेत्र 217 वर्ग गज है तथा जो सिमद्री रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकर ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख, 8 ग्रिगस्त, 80 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे दक्ते में सुविधा के लिए; औद्ध/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः अव, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन निम्निल्सित व्यक्तिस्ता, अर्थात् है—

 श्रीमित गुनवन्त कौर पुत्री जीवन सिंह, अब पत्नी श्री रनधीर सिंह, पुत्र डा० मेहर सिंह निवासी 161, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ा।

(स्रंतरक)

2. श्री यशपाल जैन पुत्र श्री सोहन लाल पुत्र श्री वैशनू दास, निवासी त्री-V-490, हाजूरी रोड, लुधियाना ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

प्लाट क्षेत्रफल $217\frac{1}{2}$ गज समिट्री सिविल लाईन, लुधियाना ।

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3303, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 अप्रैल 1981।

मोहरः

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 9 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० सीएचडी/183/80—81—श्रतः मुझे सुखदेव

घन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपये से यशिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं 3, है तथा जो सेक्टर 4, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की वाबत उक्त भिध-नियम के भ्रश्नीन कर वेने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, का धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, बन, उन्त अधिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—

- 1. जस्टिस सतीण चन्द्र मित्तल, जज, पंजाब, हरियाणा हाई कोर्ट निवासी 29, सेक्टर 4, चण्डीगढ़।
 - (ii) श्री कैलाश चन्द्र मित्तल, निवासी मकान नं० 347, सेक्टर, 35 ए चण्डीगढ़।

(भ्रांतरक)

- 2. (i) श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्री रिवन्द्र सिंह, निवासी 321 सेक्टर 9-डी, चण्डीगढ़।
 - (ii) मैसर्ज की इनवेस्टमेंट व फाईनेंस प्रा० लिमिटेड 34, इंडस्ट्रियल एरिया राजपुरा द्वारा श्रीमित सीता देवी डायरेकट्टर।
 - (iii) मैसर्ज भूपिन्द्रा वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा श्री विनद्र सिंह, ट्रस्टी निवासी 321 सेक्टर, 9-डी, वण्डीगढ़। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी घाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 4.5 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों घीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही धर्य होगा, जो उस मन्याय में दिया गया है।

यनु**स्ची**

मकान नं० 3, सेक्टर 4, चण्डीगढ़। (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1072, श्रगस्त 1980 में दर्ज है) ।

मुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: ९ श्रप्रैल, 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1981

निवेश सं० एलडीएच/153/80-81—श्रत मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी संब दुकान नंव बी-IV-1994, है तथा जो चौड़ा बजार, लुधियाना में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी, करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तिमों कर्षातः-- सर्वश्री राम रछपाल वत्ता, राम गोपाल वत्ता, राये चन्द बत्ता, हुकम चन्द बत्ता व चिरंजी लाल बत्ता मारफत राम रछपाल वत्ता, कमीशन एजेंट, ध्रनाज मण्डी श्रहमदगढ़, जिला संगरूर ।

(ग्रंतरक)

- 2. श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द मारफत मैसर्ज लक्ष्मी चन्द वेद प्रकाश, चौड़ा बाजार, लुधियाना। (ग्रंतरिती)
- मैसर्ज ईन्दर सिंह व सन्स, टेलरज चौड़ा बाजार लुधियाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेव:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाबित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगतची

दुकान नं० बी-IV-1994, चौड़ा बाजार, लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं०' 2662, ग्रगस्त 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 श्र**प्रै**ल, 1981

प्ररूप आई ं टी० एन० एस० ---

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना ∵लुधियाना, दिनांक 9 श्वप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/116/80—81—श्रतः मुझे सुख-देव चन्द

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० बी-xIx-1123 (बी-xIx 2113 नया) है तथा जो ईस्लाम गंज, लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8/80 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कृर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सृतः सब, उक्त अधिनियम, कौं धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिक्कित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः— श्रीमित सतवन्त कौर विधवा पत्नी श्री राम सिंह मकान नं० बी-XlX-2113, ईस्लाम गंज, लुधियाना ।

(ग्रंतरक)

 श्री टहल सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह व श्रीमित सुमिता कौर, निवासी बी—19—1108, ईस्लाम गंज, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत् सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभाहेस्ताक्ष्री के पास लिखित में, किए जा सकांगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नन्त्रची

मकान नं॰ बी—19—1125 (बी—19—2113 नया), ईस्लाम गंज, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2575, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 ग्राप्रैल, 1981

प्रकप धाई• टी• एन• एस•---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

पारत्सरकार

कार्यालयः, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण)

मर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनोक 20 घप्रैल 1981

निदेश सं० डीएचधार/5/80-81--धतः मुझे सुखदेव वन्द,

शायकर ग्रीविभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रीविनियम' कहा गया है), की ग्रारा 269-ख के ग्रीविन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका शिवत बाजार मृख्य 25,000/- क्पमें से ग्रीविक है, ग्रीर जिसकी सं० 1/3 भाग भूमि 4 बीघा 6 बिसवा है तथा जो घूरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीविकारी के कार्यालय, धूरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीविन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहे क्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जनत धिक्षित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीबनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त विभिन्नमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं कें, वें, उक्त विभिन्नमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः --7---6GI/81

- 1. श्री स्वरुप सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह निवासी [धूरी। (ग्रंतरक)
- 2. श्री सुनील कुमार पुत्र श्री स्वरुप चन्द श्रीमित भागवन्ती पत्नी श्री स्वरूप चन्द सवंश्री मोहन चन्द, हंस राज, काका राम पुत्र श्री लाला किरपाल मल व जनक दुलारी निवासी धूरी ।

(श्रंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों ५र
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध,
 जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद फिसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग भूमि क्षेत्रफल 4 बीधा 6 बीस्या, धूरी।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी धूरी के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2937, ग्रगस्त, 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 20 अप्रैल 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुघियाना, दिनांक 20 अप्रेल 1981

निदेश से॰ डीएचग्रार/6/80-81—ग्रतः मुझे सुख-देव चन्द

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 1 बीघा 15 बिस्वा है तथा जो घूरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, धूरी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम. की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— श्री मचर सिंह पुल श्री मोधू पुत श्री वरयाम सिंह, धूरी।

(भ्रंतरक)

2. श्री सुभाष चन्द पुत्र लाला स्वरूप चन्द पुत्र श्री किरपाल मल अन्नवाल कनसिल निवासी धूरी। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर तै 45 किन के भीतर उत्तर स्थाघर संपरित में हिन्त- बव्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकरेंगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीधा 15 बीसवा धूरी। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी धूरी के कार्या-लय के विलेख संख्या नं० 2956, धगस्त 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख 20 श्रप्रैल 1981 मोहर:

प्रारूप बार्ड • डी • इन • एत •----

जायकर ग्रीविनियन; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ग्रवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियना दिनांक 20 ग्रप्रल 1981

निवेश सं० श्रीएचम्रार/7/80--81---म्रतः मुझे सुखा-देव चन्द,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' सहा गया है), की घारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 1 बीघा 15 बिस्वा है तथा जो धूरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, धूरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कबित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, छक्त अधिनियम के धवीन कर देने के धक्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (स) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर धर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धर्धिनियम, या धन-कर घर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चाया किया जाना चादिए चा, छिपाने में सुविधा के खिए;

पतः, अव, उक्त धिवियम की धारा 269-व के धनुसरण में, में, एक्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री मोधू सिंह पुत्र श्री घरयाम सिंह, निवासी धूरी ।

(भंतरक)

 श्रीमित भागवन्सी विधवा पत्नी लाला स्वरूप चन्द पुत्र किरपाल मल ध्रग्रवाल कनसिल निवासी धूरी। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी को से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्विष्ठ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित्त में किए जा सकेंगे।

स्पन्डोचरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के खड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 15 बिस्वा, धूरी।
(जायदाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी धूरी के कार्या-लय के विलेख संख्या नं० 2957 अगस्त 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्र, ल्धिपाना

तारीख: 20 श्रप्रैल 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

बायुकर बिधुनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 घप्रैल 1981

निदेश सं० डीएचम्रार/8/80-81--म्प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 1 बीघा 15 बिस्वा है सथा जो धूरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, धूरो में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तार्राख 8/80

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बिचत बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिक्षल से, एसे स्थमान प्रतिक्षल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, एक्स श्रिधिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :—

- 1. श्री महिन्द्र सिंह पुत्र श्री मोधू पुत्र श्री वरियाम सिंह, निवासी धुरी । (अन्तरक)
- 2. श्री सुनील कुमार पुत्र लाला स्वरूप चन्द पुत्र किर-पाल मल अग्रवाल कनसिल निवासी धूरी। (अंसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 15 बिसवा, धूरी।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी धूरी के कार्या-लय के विलेख संख्या नं० 2958, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 भर्मल, 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 श्वर्पेल 1981

निवेश सं० ए एम एल/टी श्राई/80-81—श्रतः मुझे, सुख-वेश चन्द,

बायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इ. से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 3 बीघा 8 बीसवा है तथा जो मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के चित्रत बाजार मूस्य से कम के षृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रविश्वत से शिवक है भीर धन्तरिक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त अविक नियम के पंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीयं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखितु व्यक्तित्यों अधित :--- सर्वश्री विक्रमजीत सिंह, श्रमरीक सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह द्वारा श्री मेहर सिंह, निवासी वार्ड नं० 1, मण्डी गोविन्दगढ़।

(ग्रंतरक)

2. श्री राजेश्वर प्रशाद पुत्र श्री मिथुन लाल वार्ड नं० 12, मण्डी गोविन्दगढ ।

(मंतरि र्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे ।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पनों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्चो

भूमि क्षेत्रफल 3 बीघा 8 बीसवा मण्डी गोविन्दगढ़, सब तहसील अमलोह ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1210, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 भ्रप्नैल, 1981

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 भ्रप्रेल 1981

प्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से भ्रिविक है

भीर जिसकी सं० भाग फक्टरी बिल्डिंग नं० बी XXI 260 है तथा ईन्डस्ट्रीयल एरिया बी लुधियाना में रिथत है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिज़स्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिण के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रान्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुधिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नि चित् व्यक्तियों, श्र्शित् :--

 सर्विश्वी नन्द लाल बलदेव राज पुत्र श्वी कर्म नारायण निवासी 1046, जन्नात मंजिल, हजूरी रोड, लुधि-याना।

(श्रंतरक)

2. श्रो नरिन्द्र पाल पुत्र श्रो बलेयती राम निवासी 47बो, णास्त्री नगर, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन जो तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमं प्रमुखा गन्दों प्रौर नदों हा, जी उक्त स्रिधिनियम के श्रद्धाय 20-क में नरिमाणित हैं, बही यथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूचो

भाग फैक्ट्रा बिल्डिंग नं० बो-21-260-ईण्डस्ट्रीयल एरिया बो, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2621, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 20 थप्रैल 1981।

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० सी एच डी/209/80-81---- प्रतः मुझे, मुख-देव चन्द,

आयकर प्रधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- दे अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 1596, है तथा जो सैक्टर 18 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पखड़ प्रतिशत से अधिक है, भीर अस्तरिक (अस्तरकों) श्रीर अस्तरिती (अस्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमातिखा उद्देश में उना अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए। खोर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, अव, उनत प्रविनियम की धारा 269-म के वनुतरण में, मैं, अक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री श्रार० एस० सोढो व श्री जे० एस० सोढी, पुत्र स्वर्गीय श्री जगत सिंह, निवासी 16/438, लोघो कालानी, नई दिल्ली।

(ग्रंतरक)

2. श्री संजीय बेरी पुत्र श्री वी० के० बेरी निवासी मकान नं० 27, सैक्टर 7, चण्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिये लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया यया है।

भ्रनुसूची

मकान नं० 1596 सँक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(जायवाव जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1164, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** : 20 **मप्रै**ल 1981

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 ग्रप्रैल 1981 निदेश सं० सी एच डी/173,80-81—श्रतः मुझे, सुख-देव चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 21, है तथा जो सेक्टर 11-ए, चण्डोगढ़ में स्थित है (श्रीर इस उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिज्स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, चण्डीगढ़ में, रिज्स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उज़ित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कर्मित नहीं किया ग्या हैं:—

- (का) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के कायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सूर्विधा का सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग-के, अनुसरण में म⁴, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तिसयों अर्थात्:--

- श्रीमित दिवन्द्र कौर पत्नी श्री ईकबाल सिंह द्वारा उसकी भ्राटारनी श्री केवल सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी गांव दोसांझ कलां, जालन्धर ।
- 2. श्रीमित शकुन्तला देवी मित्तल पत्नी श्री केदारनाथ मित्तल, मकान नं० 1522, सेक्टर 11—डी, चण्डीगढ़ ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान नं० 221, सेक्टर 11-ऐ, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1038, श्रगम्त 1980 सें दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 भ्रप्रैल 1981।

प्रकप शाई० टी० एन०, एस०-

आयकर भ्रष्टिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 भ्रप्नैल, 1981

निदेश सं० सी एच डी 192/80—81—-श्रतः मुझे, सुख-धेव चन्द,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 250, है तथा जो सेक्टर 19-

और जिसकी सं० प्लाट नं० 250, है तथा जो सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के पित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के जिए भन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिषक है धौर भन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरितो (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धरेंग्य से प्रकृत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया थया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत **एक्त ग्रधि**-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए ; **बौर/**या
- (खा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधितियम, या धनकर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः; भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः— 8—6601/81 1. श्रीमिति सर्वित्री क्रिज मोहन पत्नी श्री क्रिज मोहन निवासी सो रूम नं० 25, मध्य मार्ग, सेक्टर 7-सी, चण्डीढ़ि।

(भ्रन्तरक)

 श्री सी डी कृष्ण पुत्र श्री ज्योति प्रसाद, निवासी 163, सेक्टर 8-ऐ, चण्डीगढ़।

(अंतरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के श्रर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समात्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को प्रविधा तरप्रबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी भ्रषधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य अवित द्वारा, प्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीफरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्नीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनु**सू**ची

प्लाट नं० 250, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ (ण्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1099, ध्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 ग्रप्रैल, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 श्रप्रैंल 1981 निवेश सं० सीएचडी/202/80—81—श्रत मुद्धे सुख-व चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रश्नितियम' कहा गता है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाल करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उजिन वाजार नूला 25,000/-क्पए से मधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1083, है तथा जो सेक्टर 19-बी, भण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उना अन्तरण लिखिन में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीग/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 की 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घृ की उपधारा (1) के अधीन, निुम्नुलिखित व्यक्तियों, शुर्भात्:--

 श्री ग्रार्जुन दास पुत्र धन्ना राम, 1083, सेक्टर 19-बी, चण्डीगढ ।

(अंतरक)

 श्री कल्याण दास तुतलानी, मकान नं० 1083, मेक्टर 20 बी, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्पन्ध में कोई भी आक्षो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ जो भी भ्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितक्य किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वश्टीकरण:---इपमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधो

मकान नं० 1083, सेक्टर 19-बी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1124, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 20 अप्रैस, 1981

प्ररूप आईः टीः एन० एस०----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना लिधियाना दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए०ए.म०एल०/65/80---81---श्रतः भुन्ने सुख-देव भन्द

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मन्य 25,000/- रह. संअधिक है

और जिसक्की सं० 1/2 भाग भूमि क्षेत्र 5 बीघा 2 बीसवा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा, मब तहसील ध्रमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रमुसूची में और पूर्णकर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, ध्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 8/80

करे पृथा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिन्निसित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री जागर सिंह पुत्र श्री केहर सिंह गांव कुकड़-माजरा, तहसील श्रमलोह ।
 - (अंतरक)
- मैसर्ज दीवान चन्द धनपत राये, मिल्ल मालिक मण्डी गोबिन्दगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध िडी अन्य गाड़िस द्यारा अवाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

सर संची

1/2 भाग भूमि क्षेत्रफ़ल 5 श्रीघा 2 बिसवा कुकड़ माजरा तहसील श्रमलोह ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1115, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 20 श्रप्रैल, 1981 । मोहर: प्ररूप आहाँ. टी. एन, एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्थन रेंज, ल्श्वियाना

लुधियाना, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० एएमएल/66/80-81---- ग्रतः मुझे सुख-देव चन्द

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि क्षेत्र 5 बीघा है तथा जो गांव जसरां, सब तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8/80

कार पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय् या किसी धन् या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् अ—— श्रीमित ग्रमरजीत कौर पत्नी श्री गुरनाम सिंह निवासी गांव जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़ ।

(अंतरक)

 श्री मदन लाल व मुरारी लाल पुत्र श्री वीर मान, वार्ड नं० 11, मण्डी गोबिन्दगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्रनिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

भूमि क्षेत्रफल, 5 बीषा, गांव जसरां, सब तहसील भ्रमलोह ।

(जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1146 ग्रगम्स, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 श्रप्रैल 1981

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना दिनांक 20 ग्रप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/157/80-81----भ्रतः मुझे सुखदेव घन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 253 3/4 वर्ग गज है तथा जो गहलेवाल, डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसत में वास्तिवरू रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की जपभागः (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

1. श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह निवासी बीXIX-- 482, डा॰ शाम सिंह, रोड, लुधि-याना।

(श्रंतरक)

2. श्री रतन चन्द पुत्र श्री वशेशर दास निवासी बी IX 723, गुलचमन गली, लुधियाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाभेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें थे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रा

प्लाट क्षेत्रफल 253 3/4 वर्ग गज, डा॰ शाम सिंह रोड, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं 2728, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राक्षेन रेंज, लुधियाना

ता**रीख**: 20 भ्रप्रैल, 1981

प्रकृप भाई। टी। एन। एस।---

मानकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/158/80-81--- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इमके पश्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूस्य 25,000/- रुपये में ग्रधिक है ग्रीर जिसकी संव प्लाट क्षेत्र 253 3/4 वर्ग गज है तथा जो डा० णाम सिंह रोड (तरफ़ गहलेवाल) लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8/80

की पूर्णोक्त सम्पास के जीवत आजार मृत्य से कम के बूश्यवान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अवायुर्धोशन मम्पास का उत्तित स्वासार मूह्य, उसके वृश्यवान अलिफान से, ऐसे वृश्यवान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्राधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त अन्तरण लिखित में नाक्तिक स्प से कृषित नहीं किया गया है:—

- (स) भ्रन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत उसत अधिनिक्त के भ्रमीत कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी श्रन या प्रत्य ग्राहितथी को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या जन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा वा या किया वाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए।

श्रंत: अवं, धक्तं प्रकिनियम की घारा 269-य के मनुसरण में, में, उन्तं प्रकिनियम की घारा 269-थ की उच्छारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमित अजीत क़ौर पत्नी श्री दलजीत सिंह द्वारा हरनाम सिंह निवासी बी-19-482, डा॰ शाम सिंह रोड, लुधियाना ।

(अंतरक)

 श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री रतन चन्द निवासी मकान बी— ---723, गुलचमन गली, लुधि-याना।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भ्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भासोप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को प्रविष्ठ, या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रवोहस्तालरों के पास निश्विन में किए जा मर्नेने।

स्गवदीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों घीर पदों सा, जो उक्ष स्वितियम, के अध्याम 20-क में परिचाषित है, वही प्रयीहीना जो उन अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट क्षेत्रफ़ल 253 3/4 वर्ग गज, ङा० शाम सिंह रोड, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2729, श्रगस्त, 80 में दर्जी है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 अप्रैल 1981

मौहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 20 श्रप्रैल 1981

निदेण सं० सीएचडी/204/80-81—ग्रतः, मुझे, भुखदेव चन्द,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1366, है तथा जो सैक्टर 33-मी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8/80

का पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री बी० एम० सिंह पुत्र श्री नानक सिंह निवासी बी-30, डीफ़ेंस कालोनी, नई दिल्बी, द्वारा श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह निवासी रोपड़। (श्रम्तरक)
- 2. श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी श्री मोहन सिंह श्री प्रीतमोहन सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह 1366, सेक्टर 33न्सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कर सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 1366, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैंसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1138, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 भ्रप्रैल, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निवेश सं० सीएचडी/184/80-81—श्रतः मुखे सुखदेव चन्च

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'सकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं 1876 है तथा जो मेक्टर 34-डी, खण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/80

को धूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिसत उद्येश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते प्राप्तिक से प्राप्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

 श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, डी-27, दूसरी मंजिल, ईस्ट श्राफ़ कैलाश, नई दिल्ली।

(अतरक)

 श्री गांविन्द स्वरूप ग्रग्नवाल पुत्न श्री बलवन्त राये श्रग्नवाल, श्रीमित रक्षा श्रग्नवाल पत्नी श्री गोविन्द स्वरूप श्रग्नवाल, 808, सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना की राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अन्सभी

प्लाट नं॰ 1876, सेक्टर 34-डी; चण्डीगढ़।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1073, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 अप्रैल 1981

प्रसप कार्यं टी॰ एन॰ एस॰-

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनांक 20 प्रप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/156/80---81--- प्रतः मुझे मुख

मन्व प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका पधितियम' कहा गया है), की घारा 269-चा के प्राचीत समाधि प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर समाधि जिल्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से स्विक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाटक्षेत्रफल 533 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव नगर, लिधयाना में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध प्रनु-सूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूक्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दूक्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूक्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है सौर मस्तरक (अस्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नजिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निखिन में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्रधिक नियम के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रम्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए,

- भीसाति बलिज्ज कीर पुत्री स० जगजीत सिंह मकान नं० 12, नई ग्रेन मार्केट, सरिहन्द रोड, पटियाला। (ग्रंतरक)
- श्रीमित हरिबयन्त कौर पत्नी श्री दर्शन सिंह ग्रसि-स्टेंट प्रोफैसर डिपार्टमेंट ग्राफ पैथालोजी, पंजाब एग्री-कल्परज य्निवसिटी, लुधियाना-141004। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुत के लिए कायबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखोप .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रव्हींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर घुचना की तामील से 30 दिन की सबित, जो भी शबित बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बादिकताों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद किसी शस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त श्रक्षिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भवं होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 533 बर्ग गज गुरदेव नगर, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2714, श्रगस्त, 1980 में वर्ज है)।

> सु**खदेव जन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 20 अप्रैल, 1981 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 20 प्रप्रैल, 1981

निदेश सं० सीएचडी/201/80-81---ग्रत: मुझे सुखदेव धन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 178 है तथा जो सेक्टर 33-ऐ, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख 8/80

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए

भग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्तका पन्द्रह प्रतिशत प्रतिक है और अन्तरक (प्रत्यकों) और अन्तरिती (प्रत्यरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तथ गया प्रतिफल, निम्तिखित हद्देश्य मे उका अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

1. श्री श्रार० सी० धवन, पुत्र श्री विन्द्रावन धवन सी० श्राई० कालका जी, नई विल्ली।

(ग्रंतरक)

 श्रीमित स्वर्ण धवन पत्नी श्री जे० सी० धवन निवासी 1919, सेक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(म्नंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दन(रा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित- वब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/2 भाग प्लाट नं० 178, सेक्टर 33ऐ, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कर्यालय के विलेख संख्या नं० 1123, प्रगस्त, 1980 में वर्ज है) ।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 20 अप्रैल, 1981

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 प्रप्रैल 1981

निवेश सं० सीएचडी/206/80=81--- अतः मुझे, सुखदेश चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श्व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

धौर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 178, है तथा जो सेक्टर 33 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रन्-सूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 8/80

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृथां कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिदात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—-

1. मेजर भार० सी० धवन सी- $\frac{1}{4}$, कालकाजी, न ξ

(ग्रंतरक)

 श्रीमित स्वर्ण धवन, 1919, सेक्टर 22 बी, चण्डी-गढ़ ।

(भंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवां कर क्याविसयों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासृ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 178, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1142, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 प्राप्रैल, 1981

प्रकेष बाई व ठींवे एमंव ऐसंव-----

आयकर भिश्वतियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियान

लुधियाना दिनांक 20 ग्रप्रैल 1981

निदेश सं० सीएचडी/194/80-81--भतः मुझे, सुखदेव चन्द, भ्रायकिर धेर्षिनियमे, 1961 (1981 की 43) (जिसे इसमें इसेके परेवात 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये से ग्रधिक बाजार मुख्य श्रौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 662, है तथा जो सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध **ध**नुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8/80 की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृहेर्पेशनि प्रेतिफेल के लिए घेन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का ष्ठचित गाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रविक है ग्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के जिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित छहेण्यसे उक्त व्यन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उनत ग्रीध-नियम, के ग्रीमिन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्य में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

नहीं किया गया है :--

(क्षे) ऐसी जिसी श्राय या किसी श्रेन या प्राये श्रावित्यमें, 1922 को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियमें, 1922 (1922 को 11) या उकते श्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाय प्रान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अषं, उषः प्रशिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में. मैं, उन्त प्रशिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित क्यक्सियों. ग्राणीतः— श्री रिजिन्द्र सिंह पुर्व श्री एम० एस० बजाज 50, ए, हैडक्वाटर, ईस्टर्न कमाण्ड, म्राई०ए० एफ०, शिलींग ।

(ग्रंतरक)

2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, श्रीमित जस-विन्दर कौर पर्ती श्री कुलदीप सिंह मकान नं० 353, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी कीरेकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चक्त सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बासीय:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की प्रविध मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतिर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संस्थित में हिसंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-निर्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हींगा, जो उस भ्रष्टिया में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 662 सेक्टर 33 बी चण्डीगढ़ । (जायवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1107, श्रगस्त, 1980 में वर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 20 मप्रैल 1981

मीहर :

प्ररूप आई.टी.एनं.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जुधियाना

लुधियाना दिनांक 20 घ्रप्रैल, 1981

निदेश सं० सीएचडी/210/80-81--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1810 है तथा जो सेक्टर 33 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुपूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुजिबित व्युक्तियों अर्थात्:-- श्री अमरीक सिंह गिल पुत्र श्री देवा सिंह द्वारा जनरल पावर श्राफ अटारनी श्री हुकम सिंह पुत्र श्री तारा सिंह, निवासी 1810, सेक्टर 33-डी, चण्डी-गढ़।

(श्रंतरक)

 श्रीमित परमजीस कौर पत्नी श्री हुकम सिंह, 1810, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथां बत् सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हु⁸।

अनुसूची

प्लाट नं 1810, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1165, ग्रगस्त /सितम्बर, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण) भ्रजन र्रेज, लुधियाना

तारीख: 20 भ्रप्रैस, 1981।

प्रसप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-प (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

निवेश सं० सीएचडी/216/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से पश्चिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3314 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिग्रा स अधिक है और यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) कोर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय. की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतः धनः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- श्री जगजीत रामे वधवर, गांव व डाकखामा फतेह-गढ़ चुड़िया, गुरवासपुर, द्वारा जनरल पावर भाफ भटारनी श्री गुरदेव सिंह, 108, सैक्टर 35-ऐ, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- श्री सुरणीत सिंह, 3314, सँक्टर 35-डी, चण्डी-गढ़।

(ग्रंतरिती

को यह मूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

छनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को ई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्य कित में पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राव्ही हरणः -- इसर्ने प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो 'खन्त समि-नियम', के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3314, सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1234, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लिधयाना ।

तारीख: 20 भ्रमेल 1981

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं० एलडीएच/147/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गरा है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जित्रका उचित वाजर मृह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 750 वर्गगज है तथा जो नया जनता नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुख्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकत कित निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिबक क्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-तियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री गुरचरत सिंह पुत्र श्री तेण सिंह, द्वारा श्राटारनी श्री दिलबाग सिंह पुत्र इक्तबाल सिंह निवासी इन्द्रा नगर, लुधियाना ।

(श्रंन्तरक)

2. श्रीमित शुलवन्त कौर परनी श्री प्यारा सिंह मकान नं० 448, गली नं० I, जनता नगर, लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यद सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्वन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तानोज़ 1 30 दिन को अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपरडोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्**स्**वी

प्लाट क्षेत्रफल 750 वर्ग गज, नया जनता नगर लुधि-याना।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2578, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 ग्रामलि र्1981

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 20 ग्रप्रैल 1981

निदेश सं० सीएचडी/193/80-81—-श्रतः मझे, सुखदेव व इ.

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 217 (छत के बराबर बना हुग्रा) है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरच से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: भौर/या
- (ब्र) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, बती धारा 269-ग के अवस्थाः में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, जुर्थात् :--- 1. श्री चरनजीत सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह, निवासी 1029, संक्टर 15 वी, चण्डीगढ़।

(ग्रंतरक)

 श्री जे० पी० यादव पुत्र श्री ग्रासा राम यादव हैल्थ सर्विस हरियाणा, चण्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर टक्का स्थावर संपृत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 217 (छत के बराबर बना हुग्रा) चण्डी-गढ़।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1106, अगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 ग्रप्रैल, 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्स्याबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 मार्च 1981

सं भार ए० सी० 514/80-81—श्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 18-2-230 है, जो भवानी नगर, तिरुपती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय निरुपति में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन ग्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1, के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 10—6601/81

ा. श्री यटूरी किण्ना रेड्डी, पिता नारायना राव कंट्राव-टर, 230 भवानी नगर, तिरुपति ।

(भ्रन्तरक)

 श्री रहामातुन्निमा पती, भय्याद गौस, पुराना पेटा, चेंद्रागिरी, तिरुपित ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंद्शीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 18-2-230 भवानी नगर तिरुपति जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3524/80 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी तिरुपति में है।

एस० गोविन्द राजन मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 17-3-1981

प्ररूप भाई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मार्च 1981

सं० श्रार० ए० सी० 515/80—81—श्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रपए से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० खुली जमीन है, तो पेददा कापू वीधी, तिरुपित में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय तिरु-पित में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन अगस्त 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाआर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में भ्रविक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत्ः—

- पी॰ हरी प्रकाश, पिता गुरवारेड्डी 165 पेददा कापू वीधी, तिरुपति । (अन्तरक)
- के० वेंकटासुब्बास्मा, पित के० रामासुब्बाय्या तिलक रोड, तिरुपित ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रये होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जैसे की विस्तीन 345 चतुर गज, पेददा-कापू वीधी 13 वार्ड, टी० एस० नं० 12/1, तिरुपति जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3305/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी तिरूपति में है ।

> एस० गोविन्द राजन सञ्चम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16 मार्च, 1981

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

कामकर मधिनियम; 1981 (1961का 43) घारा की 2890म (1) के संधीत सूचना

पारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मार्च 1981

सं० भ्रार० सी० 516/80-81--श्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/-र• से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० लैंड बिल्डिंग है, जो तिश्पित टाउन, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तिश्पित में

रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) बोर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; छक्त प्रश्नित्यम के अग्नीत कर देने के ग्रन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के खिए। और/या)
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिषा के जिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, बक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की वपधारा (1) के ग्राचीन निम्मिलिक व्यक्तियों, अर्थात् !----

- (1) श्री एम० एस० राज, स/बो० एस० श्रीनिवासाचारी
 नं० 8, उसमान रोड, पदमानाभाचेट्टी स्ट्रीट, टी॰
 नगर, मद्रास-17 ।
 - (2) एम० एस० रामु ऐलियास रामानुजम, स/ग्राफ, एम० श्रीनिवासाचारी नं० 5 सरदार मानिक्यम, स्ट्रीट, वेस्ट मामबलम, मद्रास-33 ।
 - (3) एम० एस० पदमानाभान, स/म्राफ एम० श्रीनिवासाचारी, सं० 8, उसमान रोड, पदमाना-भाचेट्टी, स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती पी० जवालक्श्माम्मा, पति पी० कुमारास्वामी
 17 ए० जी० ग्रार० स्ट्रीट, तिरुपति ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आसे 45 दिन के भीतर अक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवत किसी सम्य व्यक्ति हारा, सन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें त्रमुकत करवें भीर पर्वो का, जो छक्त धाधिनियम के धान्याय 20का में परिचाधित हैं; वहीं धार्च होगा, जो उस अञ्याय में विया थगा हैं।

ग्रनुसूची

जमीन भौर बिल्डिंग 49 गोविंदाराजा कार स्ट्रीट, तिरुपति टाउन, वार्ड नं० 15 चंद्रागिरी तालूक जैसे की विस्तीनें 12,580 चदर फीट जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4643/80 रिजस्ट्री अधिकारी तिरुपति में हैं।

एस० गोविन्दराजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16 मार्च, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद

हैदराबाद दिनांक 19 मार्च, 1981

म्नार० ऐ० सी० नं० 517/80-81----म्रतः मुझे एस० गोविन्दराजन,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-2-597/24 है, जो लोवर टैकबंड रोड, है दराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रगस्त 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिंतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गोविन्द नराहरी पिता रंगय्या 1-2-597/24 /1 दोमलगूडा, लोयर टेंकबंड रोड हैदराबाद । (अन्तरक)
- 2. श्रीमतो कालिदि चिंताबार, पति डाकटर सुधाकर चिंताबार, 4-8-799, गौलिगूडा, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

घर नं० 1-2-597/24 जैसे की विस्तीनं 1700 ऐस० एफ० टी० लोवर टैंकबंड हैदराबाद जैसे की रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 8900/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्दरजन सक्षम म्रधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख 19-3-1981। मोहर: प्ररूप **माई०** टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 मार्च 1981

म्रार० ए० सी० नं० 518/80-81—म्रतः मुझे एस० गोविन्दराजन

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- कु से श्रिधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट 2/ए० है, जो काचिगूडा रोड हैदरा-बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारीं के कार्यालय चिक्काड-पिल्ल, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रगस्त, 1980 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः— श्री मारडडी संकर रेड्डी, पिता श्री नारायण रेड्डी घर नं० 16-11-19/4/2/2, सलीम नगर, हैदरा-बाद ।

(भ्रन्तरक)

2. एम० एस० भावाना थियेटर्स लिमिटेड, रिजस्टर्ड नं० 2527, रिप्रेजेंटेड बैं डेरक्टर श्री एम० ग्रार० कोंडल रेड्डी, पिता श्री नारायण रेड्डी, 16-11-20/ 27 सलीम नगर, मलक पेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य थ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भौर पदों का, जो खक्त श्रक्षितियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो छस ग्रब्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2/म्र, काचीगूडा स्टेशन रोड, हैदराबाद सर्वे नं० 100, एम० नं० 3-2-870/3, जैसे की विस्तीर्ण 200 चतु-र्मुज जैसे की रस्ट्रिकृत विलेख नं० 94/80 रजिस्ट्रीकर्ता म्राधिकारी चिक्कडपल्ली, हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 27-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य , सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंपराबाद, दिनांक 27 मार्च 1981

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 519/80-81-ग्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1/भ्र है, जो काथेगूडा स्टेशन हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन निम्निजितिहरू व्यक्तियों अर्थात्ः-- श्री मारङङी (रामसिवारेष्ट्री) पिता नारायण रेड्डी
 3-5-1039, नारायनगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. एम०/एस० भवना थियेटर्स लिमिटेड, रिजस्ट्री नं० 2527, रिप्रेजेंटड बाई डायरैक्टर श्री एम० श्रार० कोंडलरेड्डी, पिता श्री नारायण रेड्डी, 16-11-20/27 सलीम नगर, मलक पेट, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्युरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतृर पूर्वी कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 1/भ्र काचीगूडा स्टेशन रोड, हैदराबाद, सर्वे नं० 100 एम० नं० 3-2-870/3, जैसे की विस्तीन 200 चतु-र्गज जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 92/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, चिक्कडपल्ली, हैदराबाद में है ।

> हस० गोविन्द राजन सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 27-3-1981

प्ररूप मार्ड ्टी. एन्. एस.------

कायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय् सिय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 मार्च 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 520/80-81--म्रतः सम्रे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 2/बी० है, जो काचिगूड़ा स्टेशन रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चिक्काडपस्ली, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रीमस्त, 1980

को पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रिष्ठिक से, एसे रूप्यमान प्रिष्ठिक का दन्सह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निक्तिलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिब नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भौ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीतः--

- श्री मारेडडी शंकर रेडडी, पिता श्री नारायण रेड्डी घर नं० 16-11-19/4/2/2 सलीम नगर, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. एम०/एस० भावाना थियटर्स लिमिटड, रिजस्टर्ड नं० 2527 रिप्रजेंटड बाई डैरकटर श्री एम० म्रार० कोंडल रेड्डी पिता नारायण रेड्डी, 16-11-20/27, सलीम नगर, मलक पेट, हैदरबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकारी।

स्वक्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2/बी० काचिग्डा स्टेशन रोड, हैदराबाद, सरवे नं० 100 मुनिसिफल नं० 3-2-870/3, जैसे की विस्तीणं 219.335 चनुर गंग जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 89/80, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चिक्काइपल्ली हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम म्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 मार्च 1981

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 521/80-81--- प्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1/बी है, जो का विगृडा स्टेशन रोड है दराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, िष्ठकाडपिल्ल, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त, 1980 को पूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः—

श्री मारेंडडी रामिसवा रेड्डी, पिता श्री नारायण रेड्डी
 3-5-1039, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. एम०/एस० भावाना थियेटर्स लिमिटेड, रिजिस्टर्ड नं० 2527 रिप्राजेंटड बाई श्री एम० श्रार० कोंडल राव, पिता नारायण रेड्डी, 16-11-20/27, सलीम नगर, मलकपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 1/बी काचिगूडा स्टेशन, रोड, हैदराबाद सरवे नं० 100 मुनिसिफल नं० 3-2-870/3 जैसे की विस्तीर्ण 219.335 चतुर गज जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 88/80, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चिक्काडपल्ली हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ऋधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-3-1981

प्ररूप आई. टी. एत्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 मार्च 1981

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 522/80-81---म्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-2-870/3 है, जो काचिगूडा स्टेणन रोड हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चिककाडपल्ली, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गूजिका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अधीत् :--

 श्री नेमिकोंडा मधुसूधना राव, पिता, कृष्णा गोपाल राव, 3-4-7, भूमन्ना मारम, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. एम०/एस० भावाना थियेटर्स लिमिटेड, रिजस्टर्ड नं० 2527, रिप्रजेंटेड बाई डरक्टर श्री एम० श्रार० कोंडल रात्र रेड्डी, पिता नारायण रेड्डी 16-11-20/27, सलीम नगर, मलकपेट, हैदरााद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भ्वना के गाजपा में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिः में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्वा में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अम्स्ची

प्लाट नं० 3 काचिगूडा स्टेशन रोडा, हैदराबाद, सरवे नं० 100 मुनिसीफल 3-2-870/3 जैसे की विस्तीर्ण 419.335 चतुरगज जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 84/80 रजिस्ट्री-करता अधिकारी चिक्काडपल्ली हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम स्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 27-3-1981।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

भायां सय, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1/1981/82—यत:
मुझे, एस० गोविन्द राजन
स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
क(रण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 22-8-290, 291 है, जो नयाफूल, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है भौर अन्तरक (ग्रन्वरकों)और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अहि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, श्रव, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमित श्रमतुल करीम, पित, मीर जाफा श्रालि-खान, 10-1-123/बी, मासाब तलाब, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रहम्माद बिन साले बिन महफूज, 132 एच, माकर टवर्रा, कुफ कपरेड, कोलाबा, बाम्ब-5 । (ग्रार०/वो० 29-3-717 शा गंज, हैदराबाद । (ग्रंतरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तादीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदा किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर नं० 22-8-290, 291, नया फूल, हैदराबाद, जैसे की विस्तीर्ण 490 चतुर गज, जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8366/80, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 2-4-1981।

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 2/81-82--यतः मुझे, एस गोविन्द राजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 22-8-292, 1, 2 है, जो नयाफूल, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, ग्रधीन ग्रगस्त, 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उध्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमित भ्रमतुल करीम पति, मीर जाफग्रालि खान, 10-1-123/बी० मासाब सलाब, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रहम्माद बिन साले बिन महफूज, 132-एच, मेकर टबर्स, कफे पेरेड कोलाबा, बाम्बे-5। (आर०/वो० 29-3-717 शा गंज, हैदराबाद) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं॰ 22-8-292, 22-8-292/1, 2 नया फल, हैदराबाद जैसे की विस्तीर्ण 440 चतुरगज है श्रौर इसकी रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 8367/80, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोबिन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 2-4-1981।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० भ्रार० ऐ० सी० नं० 3/81-82-यतः मुक्षे, श्रार० गोविन्द राजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित नाजार मृष्य 25 000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० $16-1-486/\overline{\mathbb{Q}}$ ० है, जो सैंवाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राजामपुरा, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनिमय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्रीमिति शान्ति देवी ग्रस्तामा, पित, श्रोमकार प्रसाद श्रस्ताना, 20-7-592, फते दरवाजा, हैदराबाद । (अन्तरक)
- मोहम्मद गंसुद्दीन, पिता लेट मोहम्मद करीमुद्दीन, 16-1-486/ए, सैदाबाद हैदराबाद । (ग्रार०/बो० 5-6-631 ग्राजामपुरा, हैदराबाद ।) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्जीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर श्रीर कुल्ली जमीन 16-1-485/ऐ सैदाबाद, हैदराबाद जैसे की विस्तीर्ण 1460.54 चतुर गज है श्रीर इसकी रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2055/80, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्राजामपुरा, हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2€4-1981 ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 म्रप्रेल 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 4/81-82---यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-2-367/3 है, जो गगन महल हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उम्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीन निम्निलिखित व्यक्तियाँ स्पृति हि—

- 1. श्री नवाब ग्राबिद जां, पिता, लेट नवाब उसमान ग्रालि, खान गहादुर, किंग कोटी, हैदराबाद । (अन्तरक)
- 2. श्रीमित इनायती काटून, पित एम० यूसफ खान, 6-2-985, कराताबाद, हैदराबाद ऐपि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस, सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

बिर्लिंडग 1-2-367/3, गगन महल रोड, हैवराबाद (दोमल गूडा) जैसेकी विस्तीर्ण 418.05 जतुर मीटर्स या 500 चतुरगज हैं श्रौर इसकी रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9200/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 3-4-1981।

प्रकप गाई • टी • एन • एस • ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 में (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 अप्रेल 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 5/81-82-यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-9-246 है, जो ग्राबिद रोड हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत ग्रिक है और धन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कर से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिन-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, सक्त प्रधिनियम की धारा 26 श-ग के सन्तरन में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 26 श-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखत व्यक्तियों, वर्षात्:—

- 1. श्रीमति प्रलराफुन्तिसा बेगम, पति के शाकीर हुस्सेन,
 - (2) खाजा मुस्ताफा हुस्सेन, पिता खाजा शाहिर हस्सेन
 - (3) खाजा फरहत हुस्सेन "डिटो'
 - (4) खाजा रशीद हुस्सेन "डिटो"
 - (5) खाजा श्रलताफ हुस्सेन, 5-9-246, श्राबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. एम०/एस शामा येंटर प्रैजस, पार्टनर विजयकुमार बलदाना 20-4-232/6, मोती गल्ली, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवियम के धश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस धश्याय में वियागया है।

श्रनुसूची

घर नं० 5-9-246 ग्राबिद रोड, हैदराबाद जैसे की विस्तीर्ण 1363 चतुरगज है ग्रीर इसकी रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9069/80, रजिस्ट्रीकरता प्रधिकारी हैदराबाद में हैं ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3-4-1981

प्ररूप आहें, टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1981

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 6/81-82-श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 3-6-465 है, जो हिमायेतनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री कें किशाना संरमा, पिता लेट कें कोटय्या, रेसिडेंट आफ 18, राधाकृणणा स्ट्रीट, मद्रास-17। (अन्तरक)
- श्री राम कुमार गुप्ता, पिता, केदार नाथ, 3-6-286/2, हैदरगूडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मन्स्**ची**

घर नं० 3-6-465, हिमायेत नगर, हैदराबाद, जैसे कि विस्तीर्ण 1577 चतुर गज है श्रीर इसकी रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8437/80, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> ास० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैरदाबाद

तारीख: 4-4-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,हैदराबाद

हैदराश्वाद, दिनांक 4 ग्रप्नैल 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 7/81-82--श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सुखी जैमीन है, जो मनसुराबाद हायतनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रास्त 1980

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत मपतित का उचित दाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री एम० बी० एस० चौधरी, (2) एम० मीता-रामाय्या, (3) एम० राधािकरना मूरथी, (4) एम० सुरेण(52/2), ईस्ट मारेड पल्ली, सिंकन्दराबाद (10-3-7), (5) श्रीमित सूरेडी वेंकाटा रतनाम्मा जी० पी० ए० सुरेड्डी सुरया मोहन, सोभानापुरम गांव, न्जिबीद्र सालुक, किएना जिला, (6) बेन्नाम नागेस्वार राव तेनाली तालुक जी०पी० ए०, नरिसहा राव, नाजर पेट, तेनाली (7) सूरेडी सुरया मोहन, मारिस पेट, तेनालि, (8) बेन्नाम स्यामाला राव, जी० पी० ए०, पी० नरिसहा राव, नाजर पेट, तेनालि।
- 2. मं सर्स विजयाश्री को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मनसूराबाद, टी बी० नं० 206, 24-3-80, हायेतनगर, रंगारेड्डी जिला रिप्रजेंटेड बाई सि० वि० किश्ना ग्रीर एन० वी० ग्रार० हनुमंता राव । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

सूखी जमीन जैसेकि बिस्तीर्ण 1 एकड़ 96 सेंटस जिसका सर्वे नं० 39 श्रीर 40 मनसूराबाद, गांव हायेत नगर, रंगा-रेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9551/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारीख: 4-4-1981

मोहरः

प्रस्प ग्राई० टी० एन०एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1981

निर्देश सं० थ्रार० ए० सी० नं० 8/81-82--प्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से धिक है

भौर जित्तकी सं० सूर्जा जमीन है, जो मनसुराबाद हायेत-नार में दिना है (प्रीर इतंत उलबद अनुसूचो में भौर पूर्ण हा से बर्गित है), रजिल्ड्रोहर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिल्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख अगस्त 1980

क प्रधान ताराध अगस्त 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसो श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के श्रधीन कर देन के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (मा) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12—66GI/81 1. श्री एम० बी० एस० चौधारी (2) श्री एम०, सीलारामय्या, (3) एम० राधािकक्ता मूर्यी (4) एम० सुरेश, 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्बराबाद, (5) श्रोमित सुरेड्डीवेंकाटा रतनाम्मा जी०पी०ए० सुरेड्डी सूर्या मोहन, सोमानापुरम गांव, नूजिवीडु तालूक, किमना जिना, (6) वेन्तम नागस्वाराराव, जी० पी० ए०, पी० नर्सिहा राव, नाजर पेट, तेनालि, (7) सुरेडडी सूर्या मोहन, मारिस पेट, तेनालि, (8) वेन्नम स्यामाला राव, जी० पी० ए०, पी० नर्सिहा राव, नाजर पेट, तेनालि।

(भ्रन्तरक)

2. मेंसर्स विजयाश्री कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंब, मनसूराबाद टी० बी० नं० 206, 24-3-8%, हायेत नगर, रंगारेड्डी जिला रिशेजेंटेड बाई श्री सी० वी० श्रार० हनुमंता राव। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्वों भीर पर्वो का, जो उक्त सिध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सूखी जमीन जैसे कि विस्तीर्ण 1 एकड़ 90 सेंट्स जिसका सर्वे नं० 39 ग्रीर 40 मनसूराबाद गांव, हाथेत नगर, रंगारेड्डी जिला, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9551/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 4-4-1981

प्ररूप आहु².टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1981 निदेश सं० श्रार० ए० सी० 9/81-82---श्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० सूखी जमीन है, जो मनसूराबाद गांव, हायेत नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्यकास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धि-==

1. श्री एम० वी० एस० चौधरी, (2) एम० सीतारामय्या, (3) एम० राधाकिश्ता मूरती, (5) एम०
सुरेण, 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, (5)
श्रीमित सुरेड्डी बेंकाटा रतनाम्मा, जी० पी० ए०
सुरेड्डी सूरया मोहन सोभनापुरम गांव, नूजिबीडु
तात्क, क्रिश्मना जिला, (6) वेन्नाम नागेस्वर राव,
जी० पी० ए०, पी० नरासिहा स्वष्, नाजर पेट,
तेनाली, (7) सुरेडडी सुरया मोहन, मारीस पेट,
तेनाली, (8) बेन्नाम स्यामाला राव, जी० पी० ए०
पी० नरासिहा राव, नाजरपेट, तेनाली।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्ज विजयाश्री को-म्रापरेटिव हार्कीसंग सोसाइटी लिमिटेड, मनसूराबाद टी० बी० नं० 206, 24-3-80, हायेत नगर, रंगारेड्डो जिला, रिप्रेजेंटेड बाई श्री सी० वी० क्रिशना भौर एन० बी० म्रार० हनुमंता राव।

(भ्रांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- स्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यी

सूखी जमीन जैसे कि विस्तीर्ण 1 एकड़ 90 सेंट्स जिसका सरवे नं० 39 धौर 40 मनसूराबाद गांव, हायेत नगर, रंगा-रेह्ही जिला, जैसे रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9509/80 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी, हैंदराबाद में हैं।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

यायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के **भयी**न सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 म्रप्रैल 1981

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 10/81-82---म्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित का जार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० सूखी जमीन है, जो मनसूराबाद हायेत नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक ग्रनसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) घन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उकत श्रिष्ठि नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

उद्देश्य से उनत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुजिद्या के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री एस० वी० एस० चौदरी, (2) श्री एम० सीतारामय्या, (3) एम० रादािकश्ना मूरती, (4) एस० मुरेश, 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्धर-बाध, (5) श्रीमित मुरेड्डी वेंकाटा रतनाम्मा, जी०पी० ए० मुरेड्डी मरया मोहन, सोभनापुरम गांव, नूजि-वीड, तालुक, क्रिश्ना जिला (6) बेन्नाम नागे-वारा राव, जी० पी० ए० नरासिंहा राव, नाजर पेट, तेनालि, (7) सुरेड्डी सूरया मोहन, मारीस पेट, तेनाली, (8) वेन्नम स्थामाला राव, जी० पी० ए० श्री पी० नरासिंहा राव, नाजर पेट, तेनालि ।
- 2. एम० एस० विजयाश्री को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मनसुराबाद टी० बी० नं० 206, 24-3-80, हायेत नगर, रंगारेड्डी जिला, रिप्रेजेंटेड बाई श्री सी० वी० किश्ना श्रौर एन० वी० श्राप्त हनुमंता राव । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त राम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूखी जमीन जैसे कि विस्तीर्ण एक एकड़ 90 सेंटस जिसका सर्वे नं 39 ग्रीर 40 मनसूराबाद गांव, हायेत नगर, रंगा-रेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 9444/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी, हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-81

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 स्रप्रैल 1981

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 11/81-82- ग्रतः मुझ, एस० गोविन्वराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० सुखी जमीन है, जो मनसूराबाद हायेतनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रगस्त, 1980

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितागों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कर से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कि:सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

1. श्री एस० बी० एस० चौधरी, (2) बी० एम० सीतारामय्या (3) एम० राधाकृष्णा मूरती (4) एस० सुरेश, 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली, सिकिंदराबाद (5) श्रीमित सुरेडडी वेंकाटा रतनाम्मा, जी०पी० ए० सुरेडी सुरया मोहन, सोभनापुरम गांव, नूजिवीडु गालूक, किश्ना जिल्ला (6) वेन्नाम नागेश्वारा राव, जी० पी० ए० पी० नरासिंहा राव, नाजर पेट, तेनालि (7) सुरेडी सूरया मोहन, मारीस पेट, तेनाली (8) वेन्नम स्यामाला राव, जी० पी० ए० श्री पि० नरासिंहा राव, नाजरपुट, तेनालि ।

(भ्रन्तरक)

2. एम०/एस० विजयाश्री कोग्रापरेटिव हौसिंग सोसेटी लिमिटेड, मनसूराबाद टी० बी० ब० 206 24-3-80, हायेतनगर, रंगारेड्डी जिल्ला रिप्रेजेंटेड बाई श्री सी० वी० कृष्णा और एन० वी० श्रार० हनुमंता राव ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधौहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय हैं।

अनुसूची

सुखी जमीन जैसे की विस्तीर्ण एक एकड़ 90 सेंट्स इसका सरवे नं० 39 और 40 मनसूराबाद, गांव, हायेत नगर, रंगारेड्डी जिल्ला जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9427/80 रजिस्ट्रीकरता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन, सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1981

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1981

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 12/81-82--- ग्रतः मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो लालापूट गांव तिरू-मल गिरी स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मारेड-पल्ली, सिकिंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उफ्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री एस० रामिरेड्डी श्रौर 2. पिता एस० रामरेडी, बौनेपल्ली, सिकिंदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. दि जूपिटर को-म्रापरेटिय हौिंसग सोसैटी लिमिटेड, टी० ऐ० बी० नं० 234/सी०/यी ई० ए० डी० पेरी कंपनी पेटनी मामने, किंग्सबे, सिकिंदराबाद । (श्रंसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कुल्ली जमीन सरवे नं० 113 लालपेट गांव, नजदीक : गन राक, तिरूमला गिरी, सिकिंदराबाद जैसे की वितीर्ण 6 एकड़ रिजस्ट्रीकृत निलेख नं० 1978-80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भारेडपल्ली, सिकिंदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 6-4-1981

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 13/81-82—श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 199 है, जो तोकटटा गांव सिर्किदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मारेडपल्ली, सिर्किदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री बी० वी० सुरेश रेड्डी, पिता बी० एम० रामा
 रेड्डी श्रार०/श्रो० एच० नं० 200(10-2-320)
 रोड नं० 7, वेस्ट मरेडपल्ली, सिकिंदराबाद।
 (श्रन्तरक)
- वि संजीवय्या नगर कोम्रापरेटिव होसिंग सोसैटी, रिजिस्टडं नं० टी० बी० सी० 55, सिकिंवराबाद । (म्रंतरिती)

को यह मुक्तना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्ची**

कुल्ली जमीन एस० नं० 199 जैसेकि विस्तीर्ण 1 एकड़ है तोकटटा विलेज, सिकिन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2017/80 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी मारेडपल्ली, सिकिंदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्दराजन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 14/1981-82-यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 मंजिल है, जो दक्कन टवर्स, बिगरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19 श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की समुभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीतः मैंस० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-1959, बगीरबाग, हैदराबाद, बैं० सी० गौसुद्दीन बाबुखान, पिता : लेट ए० के० बाबुखान, निगात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

 श्री मोहम्मद बहीदुल्ला, 23-1-291 कोटाला म्नलीजा, हैवराबाद ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिश्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुस्ची

प्लाट नं० 4 मंजिल मिनार/ग्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 अशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे की विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टी० जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8317/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 6-4-1981

प्ररूप ग्राई• टी• एन• **एत•---**भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 भ्रप्नेल 1981

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 15/81-82--ग्रतः मुझे, ए० गोविन्द राजन, पायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के भन्नीत सञ्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से भिषक है भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 मंजिल है, जो दक्कन टवर्स, बिगरमान, हैसराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में प्रारं प्रांथा से वर्गित है), रजिस्ट्रीक्ता ग्रधिकारी के कार्योतन, है। ८४ : में भारतीन रजिस्ट्रीहरन श्रक्षिनियम 1908 (190 का 16) के अधीन अगस्त 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन सं, ऐश रृश्यमान प्रतिकतका पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रार प्रश्तरक (प्रश्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छट्टेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रयय श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधनियम, या धनकर भीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिसी भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यत् :--

- श्री संत राम सुपुत्र श्री एल० बुधराज, डी-80, गुलमोहर पार्क, नई दिल्लो। (श्रन्तरक)
- 2. श्रो अनित कुमार सहगल सुपुत श्री एम० आर० महगत (1/3 सेवर), 2. श्रीमती कृष्णा नीह्नला, पत्नी श्रा जे० सी० निह्नता (2/3 सयर) दोनों का निवास स्थान डो~289. डाहोंन कालोनो, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त मम्यत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित
 में किये जा सकेंगे।

स्वडदोकरण: ----इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त शिध-नियम के श्राष्ट्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रहवाय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 9 मंजिल मिनार/ग्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 वशीरवाग, हैदराबाद (दक्कन टर्नस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस०, एफ० टी० जसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8316/80 रजिस्ट्रीकृती ग्रिविकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन, स**क्षंम श्रधिकारी,** सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्र<mark>जेन</mark> रेंज, **हैदराबा**द

तारीख : 6-4-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० नं० 16/81~82--प्रतः मुझो, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० दूसरा मजिल में है, जो दक्तन टक्सं, बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीवरण श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीवरण श्रधिकारे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्तिशा के लिए; आरे/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-13—66G1/81

 मैसर्न हैदराबाद बिल्डर्म, 5-9-59, बणीरबाग हैदराबाद, बाई श्री गौसुद्धीन, बाबुखान पिता: लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद।

(ब्रन्तरक)

 सलाहुद्दीन खुरेशी, 20-3-634 हुस्सेनी भ्रालम, हैदरा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 मंजिल श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1530 एस० एक टो॰ जैसे कि रजिस्ट्री न विलेख नं० 8315/80 रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 6-4-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० घार० ए० सी० नं० 17/81-82—- घ्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कुल्ली जमीन है, जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारणा है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री जि० किशना राव, पिता सत्याराव, श्रार/ग्रो० सरदाना गांव, मेदक तालूक ।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी कें० सैलाजा पिता संगामेस्वारा रेड्डी, 10-3- $14|\vec{v}|/1/1$ हुमायून नगर, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्थल जिथिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

कुल्ली जमीन सरवे नं० 129/45 प्लाट नं० 3 बाजार नं० 12 बनज(रा हिल्स, हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्ण 1000 चतुर गज, रजिस्ट्रीहत विश्लेख नं० 8272/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-4-1981

प्रकर धाई • डी • एन • एस • ----

बार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 18/81-82---ग्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के प्रधीन सभाग प्राधिकारी की, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर अंपत्ति जिनका धिवत बाजार मृस्य 25,000/- दे से अधिक है

मौर जिसकी सं० 7-1-27 है, जो अमीर पेट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वीका सम्पत्ति के उनित वाज : मूह्य में कम के दृष्णकान प्रतिफल के लिए प्रत्निति की मुई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का छिलत बाजार मूह्य उसके दृष्णमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्णमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मिलक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरित के निग्तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उन्तर प्रम्याण किथित में वास्तविक छप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उखत जिल्लाकि नियम, के प्रधीन कर दोने के सम्बर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविक्षा के जिए; जीर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपवारा (1) के अक्षोत, निष्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ।—— कुमारी टी० एस० रावा लक्ष्मी सुदा पिता टी० एस० शनमुगा सुदारम मुदालियार, सत्या निवास, 71-27 ग्रमीरपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

- 2. 1 श्री एम० जनारदन रेड्डी पिता एम० रागावा रेड्डी जी० पी० ए० पिता श्री एम० रागावा रेड्डी 295-बी, नया मलक पेट, हैदराबाद ।
 - (2) श्रीमति एम० रामा लक्ष्मी, पति, एम० रागावा रेड्डी, 295-बी, नया मनक्षेट, हैंदराबाद। (स्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्शत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा माक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की बर्वाच या तत्संबंधी क्ष्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की धवधि, को भी धवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति आरा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तिय में किए जा सर्हेंगे।

स्यक्त शब्दों क्रीर पर्वो का, जो उनत अधिनियम के ध्रव्याय 20-क में परिचाचित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सत्यानिवास नाम घर नं० 7-1-27 श्रमीरपेट, हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्ण 573 चतुर गज है और इसका रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9115/80 रजिस्ट्रीकर्ती श्रश्चिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा**द**

तारीख : 6-4-1981

प्ररूप भाई॰ टी॰ एग॰ एस॰----

न्नायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा, 269-म (1) के ममीन सूचना

्मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं०19/81-82—श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक हैं और जिसकी सं० सूखी जमीन है, जो मनसूराबाद गांव हायेत नगर में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदरा-

का 16) के अधीन अगस्त 1980
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी साथ की वाबत, उक्त घरि-नियम के अधीन कर देने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भारितवों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुतरक में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपकारा (1) के अधीन, निक्नसिखित क्यन्तियों, अर्थातुः-- शी एम० बी० एस० चौदरी, (2) एम० सीतारामय्या (3) एम० राधािकशना मूरती (4) एम० सुरेश, 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद (5) श्रीमित सुरेड्डी वें नाटा रतनाम्मा, जी० पी० ए० सुरेडी सूरया मोहन सोभनापुरम गांव, नूजिवीड्र तासुक किशना जिला (6) वेन्नाम नागेश्वर राव, जी० पी० ए० पि० नरासिंहा राव, नाजर पेट, तेनाली (7) सुरेड्डी सूरया मोहन, मारीस पेट, तेनाली (8) वेन्नाम स्यामाला राव, जी० पी० ए० पि० नरा- सिंहा राव, नाजरपेट, तेनाली।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्ज विजाया श्री को-ग्रापरेटिव हासिंग सोसायटी लिमिटेड, मनसूराबाद टी० बी० नं० 206, 24-3-80, हायेत नगर, रंगारेड्डी जिला, रिप्रेजेंटेड बाई श्री सी० वी० किशना और एन० वी० ग्रार० हनुमंता राव ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के विषय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर
 पूजना को तामील से 30 दिन की सविध, जो भी
 अवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिकात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण !—इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, को उनत धींक-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अब्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

मुखी जमीन जैसे को विस्तोर्ण 1 याकर 85 सेंटस इसका सरवे नं० 39 ग्रोर 40 मनमूराबाद गांव, हायेत नगर, रंगारेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता विलेख नं० 9494/80 रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारो हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1981

मोहरः

प्रकप प्राई० टी० एत० एस०~~-

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्तण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रेल 1981

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 20/81-82—श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्वए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी स० एस० नं० 145 है, जो हैदरनगर गांव, रंगारेड्डी जिला स्थित है (भ्रौर इससे उपाग्रद श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिक्ष्मारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, खन्त ग्रीविनियम के ग्रीवीन कर देनें के ग्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रामित श्रिमाऐत जान दरगाहि बेगम, पति लेट हिमायेत नवाज जग, (2) मोहाम्मद श्रमादुददीन खान (3) श्री मोहम्माद फरीदुददीन खान, दौनों का पिता लेट हिमायेत नवाज जंग, (4) नफीज मुल-ताना बेगम, पिता, लेट हिमायत नवाज जंग, चिराग श्रालो गलो, हैदराबाद।

(ग्रन्तर्क)

 दि० ऐ० डि० पि० एल० यमस्पाइस को-श्रापरेटिव हीस बिस्डिंग सोसायटो, टा० बो० सि० 230, केयर श्राफ इंडियन कुश्स और फारमासुटिकस्म लिमिटेड, बाला-नगर टीन गिप, हैदराबाद-500037।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 ग्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रब होगा जो उस ग्रध्याय में दिया बया है।

ग्रमुब्री

सुखी जमीन सरवे नं० 145 हैदर नगर विलेज, राजेंद्र-नगर तालूक, रंगारेड्डी जिला जैसे कि विस्तीर्ण 90 याकसं रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8486/80 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-4-1981

प्ररूप आहु . टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 श्रप्रेल 1981

सिर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 21/81-82-ग्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं 1-8-669 है, जो अजामाबाद इंडिस्ट्रियल ऐस्टेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिस्ट्रिकर्ता श्रीधकारी के कार्याव्य हैदराबाद में भारताय रिजिस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाबा गया प्रतिफल निम्मलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित्रत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः :---

 श्री मुरेण जन्दर ग्रागरवाल, पिता गुलाब राय, प्रोप-राइटर, मैंसर्स हैदराबाद सिल्क मिल्स, 1-8-669, ग्रजामाबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स हैदराबाद इंडस्ट्रीज, (फील खाना, उसमान गंग) अफजन गंज, मैंनेजिंग पार्टनर श्री अनिरुद परशाद श्रगरवाल पिता सेठ जगदीण प्रसाद जो 15-1-52/1, फील खाना, हैदराबाद।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोलो जमीन जैसे की विस्तीर्ण 1.168 एकड़ प्लाट नं० 24/1मुनिसिपल नं० 1-8-669 भ्रजामाबाद इंडस्ट्रियल ऐस्टेट, हैदराबाद जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8368/80, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तार∂ख 7-4-1981 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 7 भ्रप्रैल 1981

निर्देश सं० ए० सी० 9/रेंज-IV/कल/1981-82-श्रतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रश्निनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 मी है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकक्षा में ,रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ऋ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्थिधा के लिए;

जतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारण (1) के बाधीन निम्नलिखित स्यक्तियों ग्रथीत:— 1. मांति नगर हार्जीसग मोमाइटी प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

2. जगदोश राम नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अञ्चाय में विशा गया है।

अनुसूची

2सी नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा में 469.75 स्कोमार फुट जमीन का ऊपर मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दिलल सं० 4736 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिंहा, मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज कलकत्ता

नारीख: 7-4-1981

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.----

. 1961 (1961 का 43) की भारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 7 श्रप्रैल 1981

निर्देण सं० ए० स्० $10/\sqrt[3]{5}$ -JV/कल/1981-82--श्रतः मुझे सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दाग सं० 542 है तथा जो सोनारपुर, मोजा गोबिन्दपुर में स्थित है श्रौर इससे उपाबज्ञ श्रनुसूची में धरैर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अभरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- 1. श्री रविन्द्रनाथ दत्त ।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी अर्थना मित्र।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगी।

स्थब्द्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

दाग सं० 542, मौजा गोवन्दपुर, सोनारपुर में .80 डेसिमल जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दलिल सं० 6298 में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

तारीख: 7-4-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता---IV, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1981

निर्देश सं०ए० सी० 13 I रेंज-IV/कल०/1981---82--मतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० श्रार० एस० 313 है तथा जो मोका-सोना-मुखो, खरगपुर स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चः में श्रीर, पूर्णस्प से विणत है, रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के नायिल्य खरगपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के श्रधीन दिनांक 9-8-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री हरिदास बासृ,

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी मीरा गांगुली,

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रारः एसः 313, मौजा, सोनामुखी खरगपुर में 108 डेसिमेल जमीन का साथ मकान का सबक्छ जैसे 1980 का दलिल सं० 2160 में श्रौर पूर्णच्य में दणित है।

> कें० सिहा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर त्रायुक्त निरीक्षण श्रजैन रेंज IV, कलकत्ता

दिनांक: 16-4-1981

प्रसप धाई॰ टी॰ एन• एस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 श्रप्रैल 1981

के० सिंहा

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० केएच 256, डीएजी646 है तथा जो हरीदेशपुर पी० एस० ठाकुर मुकुर 24 परगना पं० बंगाल स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद श्रनुभुन्ति में श्रौर पूर्णारूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० मलीपूर, में रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-8-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्र्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीज ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भ्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए।

मतः अब, उक्त मिन्नियम की धारा 269-ग के मन्सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:---

1. श्री सुशील कान्ति सान्यल

(भ्रन्तरक)

2. मानिन्द्र चन्द्र पाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीसा से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मोजा--हरिदेवपुर एरिया :-- 3 के०एस० केवल के०एच० नं ० 256, डोएजी नम्बर 646, पो० एस० ठाकुरमुकुर 24 परगना पं०बंगाल ।

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण ग्रजंन रेंज II कलकत्ता

तारीखा: 20 भन्नेल 1980।

मोहर;

त्रक्य धाई॰ ठी॰ एन॰ एस॰-----

प्रायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-न(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 प्रप्रेल 1981

निर्देण सं० 900/एक्वी०आर०-Ш/80-81 ग्रतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा

प्रायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्निनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से ध्रधिक है

भीर जिसकी सं० 34 बो है तथा जो रतु सरकार लेन, कल-कत्ता, में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ अनुसूर्वी में भीर पूर्ण-रूप से विणित है), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिज्स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यगापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत से भिक्षक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक क्य मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
- (ख) ऐसी किसी न्याय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों

 की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीव्यनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रीव्यनियम; या

 धन-कर ग्रीव्यनियम, 1957 (1957 का 27)

 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने

 में मुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उक्त मधिनियम की धारा 289-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रद्धीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रथाितः— 1. श्रोमति सुनीता सोमानी

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी महेश्वरी सेवा दूस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वौक्त सम्पति के धर्जन के सिए कायवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वण्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता, एरिया—10 के-3 सो एच—19 वर्ग फोट (1/6वां शेयर)

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक 22-4-1981 मोहर:

संघ लोक सेवा भागोग

मोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा-नवम्बर 1981

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई, 1981

स० एफ० 8/2/81-प० I (ख)—संघ लोक सेवा धायोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 1 नवम्बर, 1981 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा भायोजित की जायेगी:—

पाट्यक्रम का नाम

रिक्तियों की संभावित सं०

- (1) भारतीय सेना श्रकादमी, देहरा- 120 [एन० सी० सी० दून (जुलाई 1982 में प्रारम्भ 'सी" प्रमाणपत्न (सेना स्कंघ) होने दाला 13 वां पाठ्यक्रम) प्राप्त उम्मीदवारों के लिये श्रारक्षित 32 रिक्तियां सम्मिलित हैं।]
- (2) नौ सेना श्रकादमी कोचीन 5 (जुलाई, 1982 में प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम)

(नौ सेना विमानन के लिए 20 रिक्सियों में एन० सी० सी० 'सी'' (नौसेना स्कंध) प्रमाण-पन्न धारियों के लिए प्रारक्षित हैं)।

(3) आयु सेना प्रकादमी ए० एफ० ए० सी०, कोइम्बतूर [जुलाई 1982 में प्रारम्भ होने वाले 132वें एफ० (पी०) कीसं के लिए श्री-कीसं प्रशिक्षण] 50

[एन० सी० सी० 'सी' (वायु सेना स्कंध) प्रमाण पत्न धारियों के लिए 15 स्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं]

(4) भ्रधिकारी प्रशिक्षण शाला मद्रास (अक्तूबर, 1982 में प्रारम्भ होने वाला 36वाँ कोर्स) 270

ध्यान दें:--- उम्मीदवार की प्रायेदन-पत्न के कालम 8
(ख) में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि
यह किन संवाधों के लिए बरीयता कम में
विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह
से संवाह दो जाती है कि वह प्रपनी इच्छानुसार जितना चाहे उतनी वरीयताओं का
उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उसके कैं
को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय
उसकी वरीयताधों पर मली-मांति विचार किया
जा सके।

जम्मीदवारों द्वारा निर्विष्ट उन सेवाग्रों के वरीयता-क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित उरीआ के परिणामों के रोजगार समाचार में शकायन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्न (सेना नोट 1-- एन० स्कंघ)/ (वायु सेना स्कंघ का वरिष्ठ प्रभाग) प्राप्त उम्मीदवार नौसेना ग्रकादमी तथा ग्रस्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) रिक्तियों के लिए भी पाठ्यक्रमों की प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि प्रभी तक उनके लिए इन पाठ्यक्रमों में कोई झारक्षण नहीं है भतः पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा । जिन उम्मीदवारों को श्रभी भी एन० सी० सी० 'सी० प्रमाण-पत्न (सेना स्कंध)/(वाय सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा ग्रभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु भ्रन्यया वे भारक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पान हों, तो वे भी भावेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्न (सेना स्कंब)/ (बायु सेना स्कंघ का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि माई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ग) नर्ष विख्ली-110022 तथा भी-सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारी के मामले में नौ-सेना मुख्यालय/ भार० आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को भौर वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० झो०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को 30 जून, 1982 तक पहुंच जाए।

धारिक्षत रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पानता के लिए उम्मीववार को राष्ट्रीय कैंडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में सेवा के कम से कम 2 गैक्षणिक वर्षी/ वायु खेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में कम से कम 3 गैक्षणिक वर्षों का धनुभव होना चाहिए भीर धायोग के कार्यालय में धायेदन-यन स्वीकार करने की धंतिम तारीख को उम्मीद-वार को राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए 12 महीने से धाधिक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सेना धकावमी/यायु सेना धकावमी पाठ्यक्रमों में धारिक्षित रिक्तियों को भरने के लिये
परीक्षा परिणाम के धाधार पर ध्रहेंता प्राप्त एन०
सी० सी० 'सी०' वरिष्ठ प्रभाग प्रमाण-पक्ष
थल सेना स्कंध/वायु सेना स्कंध वरिष्ठ प्रभाग
प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने
के कारण न भरी गई धारिक्षित रिक्तियों को
प्रनारक्षित समझा जायेगा धौर उन्हें सामान्य
उम्मीदवारों से भरा जायेगा।

धायोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये धायोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के भाधार पर उपर्युक्त पाठ्यकर्मों में प्रवेश दिया जायेगा । (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक धामता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना धकादमी, नौ सेना धकादमी ग्रिधकारी प्रशिक्षण शाला और वायु सेना धकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा भ्रादि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमण: परिशिष्ट I, II भीर III में विस्तार से समक्षाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पन्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछें जायेंगे । नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण क्रुपया परिक्षिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिये ।

2. परीक्षा के केन्द्र :—अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, मागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्टब्ले अर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और तिवेन्द्रम ।

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी श्रायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को श्रपनी विवक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नीचे पैरा II देखिए)।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परि-वर्तन से संबद्ध धनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार श्रपने उस केन्द्र में परि-वर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु श्रपने भ्रावेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को इस बात का पूरा श्रौचित्य बताते हुए एक पत्न रिजस्टर्ड डाक से श्रवण्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे श्रनुरोधों पर गुणवता के श्राधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 1 श्रक्तूबर 1981 के बाद प्राप्त श्रनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पाक्षताकी पातें

(क) राष्ट्रिकताः उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भुटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती एरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले धा गया हो, या

(v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, ग्रीर पूर्वी श्रफीकी देश जैसे कीच्या, उगांडा सथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मालाबी, जैरे तथा इथियोपिया ग्रीर वियतनाम से प्रमुजन कर श्राया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) भ्रीर (v) के भ्रन्तगंत भ्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्न प्रवान किया हो?

पर नेपाल के गोरखा उम्मोदवारों के लिये यह पान्नता प्रमाण-पन्न भावश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पातता-प्रमाण-पत श्रावश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्न प्राप्त करे।

- (ख) ग्रायु-सीमायें, स्रो या पुरुष या वैवाहिक स्थिति:---
- (i) भा० से० ग्रकादमी, नौ सेना श्रकादमी भौर वायु सेना के लिये केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पान्न हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1960 के बाद भौर 1 जुलाई, 1963 के पहले हुन्ना हो।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये: केवल वहीं पुरुष उम्मीदबार (विवाहित या श्रविवाहित) पान है जिनका जन्म 2 जुलाई 1959 के बाद और 1 जुलाई 1963 के पहले दुआ हो।

नोट: जन्मको तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैद्रिकुलेशन/हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र में लिखी गई हो।

भा० सै० प्र०/नौसेना श्रौर वायुसेना की पहली पसंद वाले उम्मीदवारों को श्रपनी श्रायु का प्रमाण (मूल रूप में) सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के पूरा होने के दो सप्ताहों के श्रन्दर श्रौर 30 जून, 1982 तक क्रमशः सेना मुख्यालय-रिकूटिंग 6 (एस० पी०) (ई)/नौसेना मुख्यालय-कार्मिक सेवा निदेशालय (श्रार० एंड ग्रार० सेवशन)/वायुसेना मुख्यालय डाकघर 3 (ए) को प्रस्तुत करने हैं।

- (ग) शैक्षिक योग्ताएं:----
- (i) भारतीय सेना अकावनी, नी सेना श्रकादमी श्रीर श्रीयकारी प्रशिक्षण शासा के लिए किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्रों या समकक्ष योग्यता,
- (ii) वायु सेना ध्रकादमी के लिए भौतिकी ध्रौर/या गणित विषयों के साथ किसी मान्यताप्राप्त विषयिद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

नौसेना/वायुसेना की पहली पसंद वाले स्नातकों को ग्रेजुएशन के प्रमाण के रूप में प्रोविजनल सर्टोफिकेट सेवा चयन बोर्ड पूरा होने के दो सप्ताहों के श्रन्दर क्रमशः सेना मुख्यालय (रिक्नूटिंग) (6 एस० पी०) (ई)/नीसेना मुख्यालय (ग्रार० एंड ग्रार० सेक्शन)/वायुसेना मुख्यालय—डाकघर 3 (ए) को प्रस्तुत करने हैं। जो उम्मीदवार अभी जिपी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु उनकी जिपी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ग) नई दिल्ली-110022 तथा नौ-सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन नई दिल्ली-110011 की और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० भी०-3, वायु सेना भवन, नई विल्ली-110011 को निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रह हो जाएगी।

- (i) भा० से० श्रकावमी, नौ सेना धौर वायु सेना ग्रकावमी में प्रवेश के लिये 30 जून 1982 की या उससे पहले।
- (ii) प्रधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये 15 सितम्बर 1982 को या उससे पहले।

जिन खम्मीदवारों के पास व्यावसायिक भीर तकनीकी योग्यतायें हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक भीर तकनीकी डिग्री के समकक्ष समान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात होंगें।

ग्रपवाद की परस्थितियों में श्रायोग किसी ऐसे उम्मीद-बार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यतायें हो जिनका स्तर, श्रायोग के बिजार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I—ऐसे उम्मीदवार जिन्हें जिग्नी परीक्षा में ग्रभी ग्रहेंता प्राप्त करनी है और जिनको संख लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की ग्रनुमति दे वी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें जिग्नी परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्घारित तारीख तक प्रस्तुत करना है ग्रौर बुनियादी ग्रहेंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से ग्रायोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या ग्रन्य किसी कारण से इस तारीख को ग्रौर ग्राये बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी ग्रनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नोट II— ओ उम्मीदवार रक्षा मंद्रालय द्वारा रक्षा सेवाग्नों में किसी प्रकार के कमीशन से भपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं होंगे । भगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की जायेगी।

मोट III—विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर धौर कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनका धपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पान्न नहीं होंगे । जिन विशेष सेवा नाविकों को धपने नियस कार्य पूरे करने में छह महाने से कम समय बाको है, उनके ग्रावेदन पन्न तभी लिये जायेंगे जब वे उनके कमांडिंग भ्रफसरों के द्वारा निर्धारित भ्रनुशंसित हों।

- 4. धावेदन के साथ देथ शुल्क : रू० 28.00 (भ्रनु-सूचित जातियों/भ्रनुसूचित जन जातियों के लिये द० 7.00) जिन भ्रावेदन-पत्नों के साथ यह निधीरित शुक्क नहीं भेजा जायेगा उनको एकदम भ्रस्वोकार कर दिया जाएगा।
- 5. गुरुक से छूट : आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित गुरुक से छूट वे सकता है जब उनको इस बात का धाण्यासन हो कि स्रावेदक भूटान, पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) से बस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 भीर 25-3-1971 के बीच को भवधि में भारत में प्रज्ञान कर धाया है या वह बर्मी से वस्तुत: प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का ध्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रज्ञान कर धाया है या वह श्रीलंका से बस्तुत: प्रत्यावर्तित भारतीय मूलत: व्यक्ति है जो प्रक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के भ्रन्तर्गत 1 नवस्वर 1964 को भारत श्रीलंका समझौते के भ्रन्तर्गत 1 नवस्वर 1964 को या उसके बाद भारत भाया है या ग्राने वाला है भीर निर्धारित गुरुक दे सकने को स्थिति में नहीं है।
- 6. प्रावंदन कैसे किया जाये: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा नवम्बर, 1981 के लिये निर्धारित पत्न में छपे हुए प्रावंदन-पत्न हो लिये जायेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। ग्रावंदन-पत्न भर कर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहियें। ग्रावंदन प्रपत्न ग्रोर परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं:---
 - (i) दो रुपये का मनीमाईं या संघ लोक सेत्रा मायोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल भ्राईं भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
 - (ii) दो रुपए नकद देकर भामोग के कार्यालय के काउंटर पर।
 - (iii) निकटतम भर्सी कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, एन० सी० सी० निदेशालय, नौ सेना तथा वायु सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क ।

धावेदन प्रपन्न तथा पावती काई उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्याही वाली कलम या बालपेन से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियां शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या विन्दुक्षों में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ धावेदन पत्न रह किया जा सकता है।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि भावेदन-पत्नों को भरते समय भारतीय श्रंकों के श्रन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि भावेदन पक्ष में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट श्रौर सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां भ्रपाठ्य या भ्रामक होगी तो उनके निर्वेचन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्घता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि भ्रायोग द्वारा भावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न भ्रादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें भ्रावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी जम्मीवयारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले भौद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, भायोग ने सीधे भावेदन-पत्न भेजने चाहिएं। भगर किसी उम्मीदवार को भ्रपना भावेदन-पत्न भपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो धौर वह संघ लोक सेवा भायोग में देर से पहुंच जाए तो उस भावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को भाविदी तारीबा के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहुले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इसर स्थाई या अस्थाई हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे कर्मचारी जो लोक उद्यमों में कार्यरत हैं। उन्हें यह परियचन (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

सशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने भावेदन-पत्न अपने कर्माडिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिए भावेदन प्रपत्न के माग "ख") को भर करके भागोग को भेजेंगे।

7. भरा हुमा मावेदन पह मावम्यक प्रलेखों के साथ सिम्बन, संघ लोक सेवा श्रायोग धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली110011 को 13 जुलाई, 1981 (13 जुलाई 1981 से पहली की किसी तारीख से भ्रसम, मेघालय, भ्रष्टणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू भौर कम्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, मंडमान भौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप भौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 27 जुलाई, 1981) तक या उससे पहले डाक द्वारा भ्रवस्य भिजवा दिया जाए या स्वयं भ्रायोग के काउंटर पर भ्राकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी मावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

धसम, मेघालय, धरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू धौर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से धायोग यवि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 13 जुलाई, 1981 से पहले की किसी तारीख से धसम, मेघालय, ध्रुरणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के भहाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i):—जो उम्मीववार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले बावेदन की प्रस्तुति हेतु ग्रतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें भ्रावेदन पता के संगत कालम में भ्रपने पत्नों में भ्रतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (भ्रथित् भ्रसम, मेथालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए भ्रन्यथा हो सकता है कि उन्हें भ्रतिरिक्त समय का

टिप्पणी (ii):—उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पक्ष को स्वयं सं० लो० से० आपने आवेदन पक्ष को स्वयं सं० लो० से० आप के का जंटर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो ग्रावेदन के साथ मेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) द० 28.00 (धनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ६० 7.00) का शुल्क ओ सचिव, संघ लोक सेवा धायोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल धार्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा धायोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को भ्रपने भावेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली भ्रोर सिरे पर भ्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल भ्राइंरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल भ्राईर के पिछली भ्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर भ्रपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे प्रपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित गुरूक जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा प्रायोग" परीक्षा शुरूक के खाते में जमा हो जाए प्रौर उसकी रसीद प्रावेदन-पन्न के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण पतः --- आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्व-विद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधि-कारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक

परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की ग्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

प्रायु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथपस्न, नगर निगम के सेवा श्रमिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

धनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न" वाक्यांश के श्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या प्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष थ्रौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक ग्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि भावे-दन पत्न के साथ इन श्रनुदेशों में यथा निर्धारित श्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो श्रावेदन पत्न श्रस्थीकार किया जा सकता है।

- टिप्पणी 1 : जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने

 के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्न हो, उसे केवल श्रायु से शम्बद प्रविष्टि

 पुष्ट की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

 भेजनी चाहिए।
- टिप्पणी II :— उम्मीदवार यह ध्यान में रखे कि ध्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि ध्रावेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में वर्ज है धौर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी ध्रनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा धौर न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी III :— उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने ग्रौर ग्रायोग द्वारा उसे ग्रपने ग्राभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमित नहीं दी जाएगी।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की श्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति

उम्मीदवार को इस ग्राणय के प्रमाणपत्न की एक ग्रामि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति भ्रवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा 3 (ग) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीद्वार हारा इसके इस प्रकार ग्राजित कर लेने की संभावना है कि पैरा 3 (ग) में विहित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पद प्रस्तुत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (श्रयात् विश्वविद्यालय या धन्य परीक्षा-निकाय) हारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाणपत्न की ग्राधि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीद-वार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह बतानी चाहिए भौर ऐसे ग्रन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह भपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के भाधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि वायुसेना श्रकावमी के लिए प्रतियोगिता में बैठें रहे किसी उम्मीदवार द्वारा ध्रपनी गैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्व-विद्यालय के प्रमाणपत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षा-विषय नहीं दर्शाए गए हैं तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाणपत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साथ-साथ प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आगय के प्रमाण पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति श्रवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमे पैरा 3(ग) (ii) में विनिध्दिष्ट एक या इससे अधिक विषय लेकर अर्ह्षक परीक्षा पास कर ली है।

- (iv) उपस्थिति पत्नक (भावेदन-प्रपक्ष के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।
- (v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (खग-भग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् ग्रंकित हों।

फोटो की एक प्रति धावेदन-प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर भौर दूसरी प्रति उपस्थित पत्नक में विए निर्धारित स्थान पर विपका देनी वाहिये।

- (vi) लगभग 11.5 सैं० मी० × 27.5 सें० मी० ग्राकार के बिना टिकट लगे दो लिफाफे, जिन पर ग्रापका पता लिखा हो।
- (श) धनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के जम्मीदवारों द्वारा—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावें के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पन्न के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिये गये प्रपन्न में लिये गए प्रमाण पन्न की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:
 - (i) किसी जिला मधिकारी या राजपितत मधिकारी या संघ या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए

प्रसाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें पञ्च प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित मुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावितित व्यक्ति होने के वावे के समर्थम में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्न की भ्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि:
- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति:
 - (i) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

प्रयव

(ii) **चस इलाके का जिला** मजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

प्रयवा

(iii) प्रपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

ध्यवा

(iv) सब-विवीजनल प्रफसर प्रपने प्रधीनस्थ सब-विवी-जनल की सीमा तक ।

मयवा

- (v) श्ररणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी संगाल/निदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता ।
- (च) भीलंका से प्रत्यावतितः---भीलंका में भारत का उच्चायुक्त ।
- (म) बर्मा से ध्रस्याविति :— भारतीय दूतावास, रंगून या जहां का वह रहने वाला हो, इस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।
 - (भ) मा० से० प० भीर वायु सेना प्रकावमी पाठ्यक्रम में प्रतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में माग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पन्न (सेना स्कन्ध) (वायु सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रमाग) प्राप्त जम्मीववारों द्वारा:

यह विखाने के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रसाण-पत्न (सेना स्कन्ध) (वायु सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग) है स्रयवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्न (सेना स्कन्ध) बायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस ग्राशय के प्रमाण-पत्न की ग्राम-ग्रमाणिव/प्रमाणित प्रतिलिपि।

हिप्पणी: - उम्मीदवारों को मावेदन पक्ष के साथ भेजे गए सभी प्रमाण पत्नों की म्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके तारीख लिखनी है।

9. शुल्क की वापसी :---धावेदन के साथ आयोग को प्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी धनुरोध पर नीचे की 15 -- \$6 GI/81 परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता भीर न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है:---

- (i) जिस उम्मीदवार ने निर्घारित शुल्क वे विया है, पर जिसको मायोग ने परीक्षा में बैठने नहीं विया उसको प० 15.00 (अनुसूचित जातियां/अनुसूचित जर जातियां/अनुसूचित जर जातियां के उम्मीदवारों के मामले में ६० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार किप्री परीक्षा में भनुतीण हुआ है या बिग्री परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण निर्घारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को गृस्क वापस दहीं किया जाए।
- (ii) थो उम्मीदवार मई 1981 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के भाषार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए ससका नाम पनुशंसित हुआ हो तो उसके मामले में द० 28.00 (धनुसूचित जातियों/प्रनुसूचित अन जातियों के मामले में द० 7.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह अरूरी है कि नवम्बर 1981 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रह कराने और शुल्क वापस पाने के लिए इस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च, 1982 को या उससे पहले पहुंच जाए।

आवेदम पत्र की पावती

10. घायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रस्पेक घावेदन-पत्त की पावती दी जाती है तथा मावेदन पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर विया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के भावेदन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्घारित श्रंतिम तारीख से एक मास के धन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती हेतु संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया गया है झवने भाग यह धर्य नहीं है कि श्रावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है भीर धायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. झावेदन का परिणाम :— धगर किसी उम्मीदवार को धपने झावेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक धायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए धायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। झगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीद-बार खपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से बंचित हो जाएगा।

- 12. परीक्षा में प्रवेश :— किसी उम्मीदवार की पालता या अपालता के संबंध में संब लोक सेवा धायोग का निर्णय धंतिम होगा । धायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्न के बिना किसी भी उम्मीववार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।
- 13. कदाचार के वोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—
 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे मावेदन-पत्न भरते
 समय कोई गलत विवरण न दें भौर न किसी महत्वपूर्ण सूचना
 को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि
 उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी भ्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन
 या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें भौर न ही फेर बदल
 किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। धगर इस प्रकार
 के दो अधिक प्रलेखों में या उनकी भ्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों
 में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में
 स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार भायोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का वोषी थोषित होता है या हो चुका है --

- (i) किसी प्रकार से भ्रपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना;
- (iii) ग्रपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) भ्रशुद्ध या भ्रसत्य वक्तव्य देना या महस्वपूर्ण सूचनाको छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में; किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय धनुचित तरीके भ्रपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(भ्रों) पर भ्रसंगत बातें लिखी हों जो भ्रश्लील भाषा या भभद्र भ्राशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में भौर किसी प्रकार का दुर्ध्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए भायोग द्वारा नियुक्त कर्मे-चारियों को परेशान किया हो या धन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उिल्लिखित सभी या किसी कवाचार की ओर प्रवृक्त होना या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित कराना। वह अपने को वण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त—
- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए सायोग द्वारा भयोग्य ठहराया जा सकता है; भयवा

- (ख) (i) म्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा कड़ चयन के लिए।
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके मधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थाई रूप से या कुछ निर्दिष्ट भवधि के लिए भपविजत किया जा सकता है; भीर
- (ग) मगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात होगा।

किन्तु शर्ते यह है कि इस नियम के प्रधीन कोई शाप्रिंदर तब तक नहीं यी जाएगी जब तक—

- (i) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित प्रभ्यावेदनः जो वह देना चाहे प्रस्तृत करने का प्रवसर नः विदा गया हो, धौर
- (ii) अम्मीववार द्वारा धनुमत समय में प्रस्तुत धम्या-वेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया.
 गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्नें का प्रस्तुतीकरण:—सेवा चयन बोर्डं के साक्षात्कार में धर्मुताप्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से, प्राई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में छेना मुख्यालय/पत्ती 6 (एस० पी०) (ग), नई दिल्ली-110022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/प्रार० एण्ड घार०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को तथा वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पी० घो०—3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को, प्रपनी ग्रीक्षणिक योग्यताग्रों धादि के समर्थन में घपने मूल प्रमाणपत्र सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के पूरा होने के वो सप्ताहों के ग्रन्यर और 30 जून 1982 तक प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्नों की सत्य ग्राम्प्रमाणित प्रतिलिपियां या फोटोस्टैट प्रतियां किसी भी स्थित में रचीकार नहीं की जाएंगी।

15. "भावेदन के संबंध में पत्न व्यवहार" भावेदन के संबंध में सभी पत्न व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा भायोग, भीलपुर हाउस. नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए भीर उसमें निम्नांकित विवरण भवश्य होना चाहिए:—

- (1) परीक्षाकानाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष भौर महीना ।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (भगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीववार का नाम (पूरा ग्रीर साफ लिखा हम्रा)।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा ग्रावेवन-पत्न में विधा है।

ह्यान हें—(i) जिन पत्नों के साथ कपर का क्यौरा नहीं होया, हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

- (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी जम्मीदवार से पत्न/पत्नादि प्राप्त होता है तथा इसमें जसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो जस पर क्यान नहीं दिया जाएगा और जस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- 16. पते में परिवर्तन: उम्मीववार को इस बात की ध्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके धावेदन पत्र में विये पते पर भेजे जाने वाले पत्र धादि धावध्यक होने पर उनके मये पते पर भिजवा विये जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ धायोग को यथासीझ सुचित कर देमा चाहिये।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुभासित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम बोधित हो जाते ही अपना नाम पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिकृटिंग, 16 (एस० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना मुख्यालय (पी० ओ० 3) नई विल्ली-110011 को सूचित कर देना चाहिये। जो उम्मीदवार इन आवेगों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चरान बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन दक्ष न मिलने पर अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से बंधित हो आयेगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह प्रपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य जम्मीववारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ—जिन जम्मीववारों के नाम सेना चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये धनुशंसित हैं, जनको प्रपर्श साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ भीर धनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिकूटिंग, ६ (एस० पी०) (ई) (ii) बेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकुष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना जम्मीदवारों के लिए वायु सेना मुख्यालय (पी० भो०) नई धिल्ली-110011 के पते पर लिखने चाहिएं।

उम्मीदक्षारों को साक्षात्कार के लिये मेजे गये सम्मन-पत्न द्वारा सूजित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेषु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध भनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में भौर प्रशासनिक सुविधा को ज्यान में रखकर ही विचार किया आविगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/बायु सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षा-स्कार हेतु बुलाये गए जम्मीदवार भ्रपने साथ निम्नलिखिस वस्तुएं लाएंगे:---

- (क) सफेट कमीज में पासपोर्ट शाकार फोटो की 8 प्रतिया।
- (ख) बिस्तर धीर कम्बल (मी अर्ध के अनुसार)।
- (ग) सफेद कमीजों भौर हाफ / बेंटों के हो जोड़ें।

- (घ) एक जोड़ी, पी० टी० के सफेद जूते घीर दो जोड़े सफेद मौजे।
- (क) पैंटों भौर कमीओं के दो जोड़े।
- (च) फाउनटेन पेन, स्याही भीर पेंसिल ।
- (छ) बुट पालिश भीर सफेद म्लैंकों।
- (ज) एक मच्छरवानी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, मन्तिम परिणाम की घोषणा भौर श्रन्तिम रूप से योग्य पाये गये उम्मीदवारों का, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश:—

संघ लोक सेवा ग्रायोग, ग्रपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम श्रहेंक श्रंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिये जिन के लिये उन्होंने ग्रहंता प्राप्त की है बौदिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाश्रों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीववार माई० एम० ए० (डी० ई०) कोर्स मौर/या नौसेना (एस० ई०) धौर/या वायु सेना धकावमी कोर्स की लिखित परीक्षा में घहुँता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये घहुँता प्राप्त करें या नहीं, उनको मार्च/धप्रेंल 1982 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा धौर जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिये ग्रहुंता प्राप्त करते हैं, उनको जून/जुलाई 1982 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर प्रपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे थ्रौर सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनके दौरान या उसके फलस्वरूप भगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की थ्रोर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति को लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को भ्रावेदन पल के साथ संलग्न प्रपत्न में इस श्रागय के एक प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेनु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेया चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्रलग-प्रलग न्यूनतम प्रार्ह्क ग्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा से० घ० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल ग्रंकों के प्राधार पर उम्मीद-बारों को योग्यता कम में रखा जायेंगा। धलग-प्रलग उम्मीद-बारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में भौर किस प्रकार सूचित किये जायें, इस बात का निर्णय धायोग अपने धाप करेगा भीर परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई प्राप्त करेगा भीर परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई प्राप्त करवार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना श्रकादमी, नौसेना श्रकादमी, बायु सेना श्रकादमी था घधिकारी श्रशिक्षणशाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई प्रधिकार नहीं मिलेगा। प्रन्तिम चयन शारीरिक क्षमता भीर घन्य सभी वातों में उपयुक्तता के धितरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जायेगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यकम में प्रवेश के लिये धनहुंताएं जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा भकादमी, भारतीय सेना धकादमी, वायुसेना उड्डयन महाविद्यालय, नौसेना धकादमी, कोचीन धौर धिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक धाधार पर वहां से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना धकादमी, नौसेना धकादमी, वायु सेना धकादमी या थलसेना में प्रस्थालिक सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया आयेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक ग्रधिकारी में प्रपेक्षित लक्षणों के ग्रभाव के कारण पहले भारतीय सेना ग्रकादमी में वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना ग्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदनारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कडेट्स के रूप में पहल चुन लिया गया हो पर बाद में एक प्रधिकारी में प्रपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो, वे भारतीय मौसेना में प्रवेश के पाल नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक प्रधिकारी में भपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना धकावमी, प्रधिकारी प्रशिक्षण-शाला, एन जसी जसी है तथा स्नातक पाठ्यकम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेकित लक्षणों के प्रभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यकम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेण नहीं दिया आयगा।

20 भारतीय सेना अकादमी या मौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रणिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :— भारतीय सेना अकादमी भीर नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे भादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद भादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिय चुना नहीं जायेगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली जिसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण, जाल में भादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जायेगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल जिया जायेगा। अल्पकालक सेवा कमीणन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार:

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शावी की हो या शावी के लिय संविदा **घर ली हो जिसकी पहले** से कोई जीवित पति है या था
- (ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, भिसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

ग्रधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/ग्रस्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पान्न नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे ध्यक्तियों के लिये धौर शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कामून के धनुसार धनुमोदनीय है धौर ऐसा करने के धन्य ठोस कारण है तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के धनुपालन में छूट वे सकती है।

21. भारतीय सेना सकादमी या नौ सेना सकादमी या वायु सेना सकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्त प्रतिबन्ध:— भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकावमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से उसका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षारकार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमित नहीं दी जायेगी।

22. बौजिक परीक्षण सम्बन्धी सूचना, रक्षा मंत्राल्य (मनोवेज्ञानिक प्रनुसंघात निवेशालय) ने "सेवा चयन बोर्डों में जम्मीदवारों की बौजिक परीक्षण उपलब्धियों का प्रध्ययन" (ए स्टडी आफ इंटेलिजन्स टेस्ट कौर्स पाफ केंडीबेट्स एट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शोर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौजिक परीक्षणों के स्वरूप भीर स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह समूल्य पुस्तक प्रकाशन है और बिकी के लिये प्रकाशन नियंत्रण, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां मिल सक्ती है। डाक द्वारा थादेश देकर या नक्षव भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नक्षव भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोर्यम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़कासिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) उद्योग मवन की प्रकाशन शासा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिकी केन्द्र पर तथा, (iii) मारत सरकार पुस्तकालय, 8 के० एस० राय रोड, कलकता-700001 पर भी मिल सकती है।

विनय क्षा, उप सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यविवरण)

क. परीक्षा की योजना

- 1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा--
- (क) नीचे के पैरा 2 में निविध्ट रीति से लिखित परीक्षा.
- (ख) उन उम्मीववारों का बुद्धि भौर व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिणिष्ट के भाग ख के भनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुखाया जाये।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये विया जाने बाला समय और प्रस्थेक विषय के लिये नियत धिकतम अंक निम्नलिखित होगा:---

(क) भारतीय सेना धकावमी में प्रवेश के लिये

विषय	द्मविध	भक्षिकतम भंक
1. घंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
 प्रारम्भिक गणित 	2 घंटे	100
(ख) नौसेना प्रकावमी में	प्रवेश के लिये	
विषय	नियत समय	ग्रधिकतम स्रंक
प्रनिवार्य		
1. पंग्रेजी	2 षंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वैकल्पिक		
*3. प्रारम्भिक गणित या प्रार	(म्भिक	
भौतिकी	2 षंटे	100
 4. गणित या भौतिकी 	2 षंटे	150

*जो उम्भीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न परु में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में गणित विषय सेना होगा।

(ग) प्रधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	ग्रधिकतम ग्रंक
1. भंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
(घ) बायु सेना प्रकादः	ी में प्रवेश के लि	ये
विषय	भवधि	मधिकसम
1417	WIN	माध्यक्त श्रंक
1. मंग्रेजी	2 घंटे	
		ग्रंफ
1. ग्रंपेजी	2 घंटे	मंक 100

लिखित परीक्षा श्रीर साक्षात्कार के लिये जो श्रक्षिकतम शंक नियत किये गए हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे श्रणात् भारतीय सेना श्रकादमी, नौ सेना श्रकादमी, श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल श्रीर वायु सेना श्रकावमी में भर्ती के लिये लिखित परीक्षा श्रीर साक्षात्कार के लिये नियत श्रिष्ठकतम शंक क्रमण: 300, 450 श्रीर 200 श्रीर 450 होंगे।

 समस्त विषयों के प्रश्नपत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण क्रुपया परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका में देखिये।

- 4. प्रश्न पत्नों में जहां भी श्रावस्थक होगा केवल तोल श्रीर माप की मीटरी पदाति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।
- 5. उम्मीधवारों को प्रश्न पत्नों के उत्तर भ्रपने हाथ से जिखने चाहिये। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।
- परीक्षा के एक या सभी विषयों के म्रर्हक भंकों का निर्धारण भायोग की विवक्षा पर है।

ख. परीक्षा का स्तर भ्रौर पाठ्य विवरण

स्तर:

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्नों का स्तर मैद्रिकुलेकन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्नों का स्तर उक्ततर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

श्रन्य विषयों में प्रश्न-पत्नों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेका की जा सकसी है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विधरण श्रंग्रेजी

प्रश्न पत्न इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की शांग्रेणी भीर भाग्रेजी के एक्टों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से प्रपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष प्रध्ययन न किया हो प्रश्न पत्न में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष प्रध्ययन किये बिना देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणित

श्रंक गणित

संख्या पद्धितया:—धनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय श्रीर वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना, गुणम, श्रीर विभाजन, वर्ग मूल दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में प्रनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, धनुपात और समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त:—विभाजन की कलन विधि, प्रभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9, भीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण प्रपवर्त्य भीर गुणन खण्ड/गणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक, स्वा लघुत्तम समापवर्तक, युक्तिक की कलन विधि।

श्राधार 10 तक लघुगुणक, लघु गुणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

प्राधारभूत संक्रियायें: साधारण युणम खण्ड 1 शेव फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्त्य सिद्धान्त । द्विघत समीकरणों का हल इसके मूलों धौर गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाये)। दो भज्ञात राशियों में युगपत रेखिक समीकरण—विश्लेषण भौर ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपात रेखिक असिमकायें भौर उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो घरों में दो युगपत रेखिक समीकरण या असिमकायें बनती हैं या एक घर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्नय भाषा तथा समुच्यय भंकन पद्धति, परिसेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक धातांक नियम। विकोणिमिति:

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X **गय** $90^{\circ} < X$ < 90 ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श लेखा X **शा माम न्योंकि** $X=0^{\circ}$, 30° ,

45°, 60°, श्रौर 90° सरल विकोणमितीय तस्समकः । विकोणमित्तीय सारणियों का प्रयोगः। अंचाइयों ग्रौर दूरियों के सरल कोणः।

ण्योमिति:

रेखा भौर कोण, समतल भीर समतल भाकृति: निम्निलिखित पर प्रमेय:——(i) किसी बिन्तु पर कोणों के गुण
धर्म, (ii) समानांसर रेखायें, (iii) किसी तिभुज की भुजायें
भीर कोण, (iv) त्रिभुजों की समवागसमत्ता, (v) समस्प
तिभुज, (vi) माध्यिकाओं भीर भीषें, लम्बों का संगमन,
(vii) समानांतर चतुर्भुजों, भायस भीर वर्ग के कोणों, भुजाओं
के विकणों के गुण धर्म, (viii) वृक्त और उनके गुण धर्म
जिसमें, स्पर्श रेखा तथा भ्रभिलम्ब भी भामिल है, (ix)
स्यानिक संघक।

विस्तार कलनः

वर्गों, धायतों, समानांतर चतुर्पुजों, विमुणों भौर पृत्तों के क्षेत्रफल । एम आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन धाकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा धायतन/लम्ब वृत्तीय शंकृषों भौर बेलनों का पार्थ-पुठाय तथा धायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा धायतन।

संस्थिकी :

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। धालेखी निरुपण-बारम्बारता बहुभुण धायत चित्र मलाका चाट पाई चार्ट धावि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कीण।

प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार कलन: मापन के मातक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मातक। आदेश और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानस्वरण। एक समानत्वरण के प्रधीम ऋजुरेखीय गति। न्यूटम का गति नियम। बल की संकल्पनः बल के मालका माता मौर भार।

- (ख) पिंड का वल विज्ञान:—गुरुत्व के अधीन/सभा-नान्तरण बल । गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मणीन/वेग धनुपात झानत समतल/पेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मणीनें/वर्षण, घर्षणकोण, घर्षण, गुणांक कार्य, शविस और कर्जा/स्थितिण और गतिज कर्जा।
- (ग) सरल गुणधर्मः—दाव धौर प्रणोव/पास्कल का नियम। धार्कमिडीज का नियम। घनत्व धौर विशिष्ट गुरुत्व पिडों धौर द्वव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये धार्किमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन। बोली नियम/वायु पम्प।
- (घ) ताप:—पिंडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का धनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रवार्ल्स नियम परमशूत्य वायल और चार्ल्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कलो-रीमित/ताप का संचरण, धातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्यन की गुप्त ऊष्मा। एस० पी० वी० पी० नमी (ग्राव्रैता ग्रोसांक ग्रीर ग्रापेक्षिक ग्राव्रैता)।
- (क) प्रमाशः—ऋजुरेखीय संचरण । परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, ग्रुपवर्तन, ग्रुपवर्तन के नियम, लैन्स, प्रमाशित यंत्र केमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी वूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, वाइनीक्यूलर तथा परिवर्शी। प्रिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से श्रुपवर्तन।
- (च) ध्वनि:-ध्वित संचरण, ध्विन परावर्तन, धनुनाद/ ध्विन दामीफोन का ग्राभिलेखन।
- (छ) चुम्बक्तस्य तथा विद्युतः—चुम्बक्तस्य के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र चुम्बकीय बल रेखायें, पार्थिक चुम्बक्तस्य। चालक और रोधी। ग्रोमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्श्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत घारा का चुम्बकीय प्रभाव, चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फलमिंग का बाम हस्तिनियम। मापक यंत्र—धारामापी एमीटर, बोल्ट/मीटर, वाटमीटर, विद्युत घारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत, लपन, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० प्रनिद्य।

भौतिकी

1. पदार्थ के सामान्य गुण धौर यांत्रिकी

यूनिटें श्रौर विभाएं, स्केलर भीर वेक्टर, नाजायें, जड़स्ब, श्राद्यूर्ण, कार्य कर्जा श्रौर संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, घूर्णों गति; गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और श्रमरल लोलम, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, इव की शयानता, रोटरी पम्प।

2. ध्वनि

प्रत्रमंदित, प्रणोदित और मुक्त सम्पन, तरंग-गति, हाण्लर प्रमान, ध्यनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के बेग पर वाव, तापमान भौर/प्राव्रता का प्रभाव, डोरियों, हिल्लियों भौर गैस स्तम्भों का कम्पन, प्रनुनाद विस्पंद, स्थिर तरंगें। ध्वनि का प्रावृत्ति वेग तथा तीवता। पराश्रव्य के मूल तत्व। प्रामो-फोन, टाकीज ग्रौर लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धांत। 3. ऊष्मा ग्रौर ऊष्मा गतिविज्ञान

तापमान भीर उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा स्वोद्म परिवर्तन । विशिष्ट ऊष्मा भीर कष्मा बालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तत्व; वोल्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का अवस्था समीकरण, जूल बाम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा ईंजन; कार्नोटप्रेमेय, उष्मागति-विज्ञान के नियम भौर उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विश्वरण।

4. अनाश

ज्यामिसीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल धौर गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन धौर धपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय धौर विणक बोध धौर छनका निवारण। नेत्र धौर अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त. व्यतिकरण।

विद्युत भीर चुम्बकत्व

विद्युत क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत और चुम्बकीय
गुण धर्म, हिस्टेरिसस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृति;
विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूर्विंग मेग्नेट एण्ड
मूर्विंग क्षायल गलवेनोमीटर; द्वारा धौर प्रतिरोध का मापन;
रिएक्टिय सर्किट एलिमेंट्स के गुण औरधर्म और उनका निर्धारण;
ताप विद्युत प्रभाव, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराधों
का उत्पादन। ट्रांसफार्मर और मोटर; इलैक्ट्रानिक बाल्व
और उनके सरल अनुप्रयोग।

6. ग्राधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु सिद्धान्त के तत्व, इलैक्ट्रास, गैसों द्वारा विद्युत का विसर्जन, कथोडर । रेडियोएनिटवता, कृत्निम रेडियो एक्टिवता, श्राइसोरोप विखंडण श्रीर संलयन की प्रारम्भिक द्वारणा।

गणित

1. बीजगणित:

समुज्जयों का बीजगणित, सम्बन्ध धौर फलन, फलन का प्रतिनोभ, युक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसूचकाक के लिये व-मौयवर का प्रमेय धौर उसका सरल धनुप्रयोग।

2. मैटिसेसः

मैद्रिसेस की बीजिकिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, सहखण्डजग्राध्यूह; मद्रिसेसों का प्रतिलोभन, मैद्रिक्स की जाति। रैखिक समीकरण के हल निकालन क लिये मैद्रिसेसों का श्रनुप्रयोग तीन भ्रजात संख्याभों में):

3. विश्लेषिक ज्यामिति:

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति: सरल रेखाएं, सरल रेखामों की जोड़ी, वृत, वृत निकाय, परक्लय, दीर्घवृत्त अतिपरिचलय (मुख्य बंतों के सन्दर्भ में) द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लचुकरण। स्पर्ग-रेखायें और अभिलम्ब।

विविम की विश्लेषिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं भौर गोलक (केवल कार्तीय निवेशांक)
4. कलन (केलकुलस) भौर विभिन्न समीकरण:

श्रवकल गणितः सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक वर फलन का सांतल श्रीर श्रवकलियता, मानक फलन का श्रवकलन, उत्तरोत्तर श्रवकलन रोल का प्रमेय। मध्याभान प्रमेय; मैक्ला-रिन श्रीर टेलर सीरिज (प्रमाण श्रावक्ष्यक नहीं है) श्रीर उनका श्रनुप्रयोग परिमेव। सूचकांकों के लिए द्विपदप्रसरण चर-धावांकी प्रसरण, लघुगणकीय विकोण-वित्तीयश्रीर श्रति परक्लियक फलन। श्रनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट श्रीर धिल्पच्ठ, स्पर्णरेखा, धिमलम्ब, धवः स्पर्शी श्रवीलम्ब, श्रनन्तस्पर्शी बक्रका (केवल कार्तीय निर्वेशांक) जैसे ज्यामितीय श्रनप्रयोग। एनक्लेप, धोशिक धवफलन। समांगी फलनों के सम्बन्धित धायलर श्रम्य।

समाकलन-गणितः—समाकलन की मानक प्रणाली । सतत फलन के निश्चित समाकलन की रीमान-परिभाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धान्त । परिशोधन, क्षेत्रकलन, श्रायतन भौर परिश्रमण बनाइति का पृष्ठीय क्षेत्रफल । संख्यारमक समाकनल के बारे में सिम्प्समन का नियम ।

मनकल समीकरण: प्रथम कोटि के मानक प्रवक्तल समीकरण का हल निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय भौर उच्चतर कोटि के रैं खिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि भौर क्षय की समस्याभी का सरल भनुप्रयोग, सरल हारमोनिक क्पान्तरण। साधारण पेन्डलम भौर समीविश। 5. यांकिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति विकान: समतलीय तथा सगामी बलों की साम्यवस्था की स्थिति । साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र । स्थितिक भर्षण, साम्यवर्षण और सीमान्त वर्षणावर्षण कोण। कक्ष भानत समतल पर के कण की साम्यावस्था कित्यत कार्य (दो भाषामों में)।

गति विकान : शुद्ध गति विकान-कण का स्वरण, वेग, चाल गौर विस्थापन, प्रापेक्षित, वेग। निरन्तर स्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति संबंधी सिद्धांत । केन्द्र कक्षा। सरल प्रसक्वा गति; (निवात में) गुरस्वावस्था में गति। आयेग कार्य भौर ऊर्जा, रैखिक संवेग भौर ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तुल गति।

6. सांक्यिकी-प्राथिकता : प्राथिकता की शास्त्रीय धौर सांक्यकीय परिमाषा, संच्यात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, सप्रतिबंध प्रायिकता । यादृष्ठिक चर (विविक्त धौर धविरत), धनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याशा।

मानक वितरण: व्रिपद वितरण, परिभाषा, माध्य धौर प्रसरण, वेषम्य सीमानत रूप सरल प्रनुप्रयोग। प्वासों वितरण परिमाषामध्य भौर प्रसरण योज्यता, उपलब्ध धांकड़ों में प्वासों बटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानु-पात धौर सरल धनुप्रयोग, उपलब्ध धांकड़ों में सामन्य में घसामान्य बंदन का समंजन।

विचर वितरण: यह संबध, दो घरों का रैखिक समा-बबज, सीधी रेखा का समंजन, परवलयिक भौर चलघातांकी; बक, सह संबंधित गुणांक के गुण।

मरल प्रतिवर्ण वितरण ग्रौर परिकल्पनाथों का सरल परीक्षण, यावृष्टिक प्रतिवर्ण (सांख्यिकी, प्रतिवर्णी बंटन ग्रौर मानक तृटि) मध्य पदों के ग्रन्तर की ग्रयंबसा के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० ग्राई० (CHI 2) ग्रौर एफ० का सरल वितरण।

दिप्पणी : उम्मीदवारों की वो विषयों—सं० 5 मानिकी बीर सं० 6 सांक्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रक्रों के उत्तर कि को का विकल्प होगा।

बुद्धि सद्या व्यक्तित्व परीक्षण

खम्मीदवारों की बुनियावी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के प्रतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा की जाएगी। उनके पूप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे पूप परिचर्ची, पूप योजना, बहिरंग पूप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विवयों पर संक्षिप्त क्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेघागक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण बास्तव में म केबल उसके बौद्धिक गुणों को जांच के लिए है अपित इससे उनकी सामाजिक विश्वेचताओं तथा मामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिणिष्ट 🔟
सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीद्रवारों के शारीरिक
मानक
टिचच्णी:उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक भानकों
के धनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना ग्रावश्यक है।
क्वस्थाता सम्बन्धी मानक नीचे दिए जाते हैं।
बहुत से महैताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के
बाधार पर बस्वीकृत कर दिए जाते हैं। बतः उम्मीदवारों को

धवस्त्रा पर निराशा से बचने के लिए गावेदन-पत प्रेजने

छनके भपने हित में सलाह दी जाती है कि वे

है पहले धपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

- 1. सेवा प्यन बोर्ड द्वारा प्रनुशंसित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा प्रशिक्षारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। प्रकावमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश विया जाएगा जो कि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ बोषित कर विए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/ प्रस्थायी रूप से प्रयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परि-णाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के प्रध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से प्रपील का प्रमुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के जिए नीचे संक्षिप्त रूप में विए गए निर्घारित भारीरिक भामतों के प्रमुसार स्वस्थ होना प्रावस्थक है:—
 - (क) उम्मीदनार का भारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना वाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/मानस्तता

- से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुक्त असापूर्वक कार्य करने में बाधा पढ़ सकती हो।
- (ख) जनमें कमजोर शारीरिक गठन/दैहिक दोष मा स्युलता महीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० का हो (नौसेना के लिए 157 सें० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 में० मी०)। गोरखा धौर मास्त के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद धौर वखन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद भीर बखन के मानक

सेंटीमीटरों में कव	किलोग्राम	ा में यजन	
(बिमा जूता)	18 वर्षे	20 वर्ष	22 वर्ष
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	85
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपर्युक्त सारणी में विए गए घौसत वजन से 10 कम-ज्यादा (नौसना के लिए 6 कि० ग्रा० कम-ज्यादा) वजन साम्रान्य सीमा के ग्रन्तर माना जाएगा; किन्तु भारी हृद्खियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पत्तले पर ग्रन्यथा स्वस्य व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के ग्राधार पर इसमें कुछ छूट पी जा सकती है।

(भ) छाती मली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निकला किनारा सामने सूचक से लगा रहे और फीते का ऊपरी माग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्म कोण (लोधर एन्गिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्सरे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।

- (क) शरीर में हिड्डियों श्रीर ओड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। कहीं रीढ़ की हड्डी का विकास ठीक न हुआ हो इसके लिए मेर का एक्स-रे किया जाएगा। ऐसे अम्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्लब्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।
- (च) जम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति था दौरा पड़ने का पूर्वेद्रुत नहीं होना चाहिए।
- (छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रस्पेक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफुसी सुन सके। कर्ण नासिका-कंठ की पिछली या धवकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (फ) हुवय या रक्त वाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई क्रियारमक या भ्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त वाब सामान्य हो।
- (क्ष) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के धांतरिक धंग की कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार भ्रस्थीकृत कर दिया जाएगा।
- (ज) यदि किसी उम्मीदवार को हुनिया है भीर उसकी शह्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीद-बार धनुपयुक्त होगा। यदि हुनिया की शह्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीका से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जन्म भी पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
- (ट) हाइड्रोसील वेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूल की परीक्षा की जाएगी धौर यदि इसमें कोई इससामान्यता मिलती हैं तो इससे छम्मीदवार इससीकृत हो जाएगा।
- (ब) उम्मीदवार को दूर दृष्टि धार्ट में प्रत्येक ग्रांख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौसेना तथा वायू सेमा के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 की तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 की (एस्टिंगमेटियम सहित) से ग्रीक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि ग्रांख में कोई रोग तो नहीं है आंख की ग्रांत-रिक परीक्षा ग्रीपथलमोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेन्नों की दृष्टि प्रच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी० पी०-3 होगा। उम्मीदवार में लाख व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौसेना के उम्मीदवारों की दाहिए नौसेना के उम्मीदवारों की साहिए। नौसेना के उम्मीदवारों की साहिए। नौसेना के उम्मीदवारों की साहिए विश्वेष्ट दीक्षणता सामान्य होनी चाहिए

तथा उनको इस झाशय का प्रमाणपत्न वेना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रतौँझी झामे का रोग नहीं हुआ है।

- (ड) उम्मीववार के पर्याप्त संख्या में कृतरती व मजबृत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत
 बिन्दु बाला उम्मीववार स्वीकार्य है। जब 32
 दांत होते हैं तब कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं।
 उम्मीववार की तीव्र पायरिया का रोग महीं
 होना चाहिए।
- (ण) सब मामलों में निम्नलिखित एक्स-रे परीक्षा की जाएगी:---
 - (i) छाती का एक्स-रे पी०ए० 38.1 सें० मी०अ
 30.5 सें० मी० (पी० वी०-26120) एक फिल्म।
 - (ii) एक्स-रे लम्बो केल्सपाइन ए० पी० भीर एल० ए० टी० 38.1 सें० मी०×3.5 सें० मी० (पी० वी०-26120)-2 फिल्म।

छाती की एक्स-रे परीक्षा में ग्रेव पशुंका की उपस्थिति हेतु ग्रेव मेरदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोडं द्वारा अरूरी समझने पर मेर-दण्ड के ग्रन्थ भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

- केवल वायु सेमा के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे:—
 - (क) बायुसेना के लिए स्वीकार्य मानव वेह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है:---

कव :

162. 5 सें० मी०

टोग की सम्बाई

कम से कम 99 सें० मी० पौर धिक से घिक 120 सें० मी०

यक की सम्बाई बैठकर ऊंचाई ध्यधिक से ध्रधिक 64 सें०मी० कम से कम 81.5 सें० मी० धीर ध्रधिक से घ्रधिक 96 सें० मी०

- (बा) निम्निलिखित धापसामान्यतामीं का पता लगाने के लिए सभी उम्मीदवारों के मेघदण्ड का एक्स-रे करना अकरी हैं:---
 - (i) काव की पदाति द्वारा 7 से मधिक का स्कालियों-सिस ।
 - (ii) एस० वी०-1 की छोड़ कर स्पाइना बाइ-फिडा।
 - (iii) एल० बी०-5 का एक पार्श्व का सेकेलाइ-जेशन।
 - (iv) श्लैरमेन रोग: श्वेरमैन नोड्स, स्पोंडिलो-सिस या स्पोंडिलोसिसथियोसिस।
 - (v) मेरदण्ड का कोई धन्य प्रमुख्य रोग।
- (म) छाती का एक्स-रे जरूरी हैं..!

(ष) दृष्टि दूर की दृष्टि: 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9 पास की दृष्टि: प्रत्येक मांख की एन-5 वर्ण दृष्टि: सी० पी०-I (एम० माई० एस०) मेनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया—2.00 डी० से भ्रधिक न हो।

नेत पेशी सन्तुलन

मेडोक्स रोड टैस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से सिक न हो:--

- (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस ऐसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (ii) 33 सेंटीमीटर पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म झायोप्ट्रेस ऐसीफोरिया 6 प्रिज्म झायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म झायोप्ट्रेस मायोपिया, कुछ नहीं ऐस्टिगमेंटिज्म + 0.75 डी॰

द्विनेत्री दृष्टि— अच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना मनिवार्ये है (क्यूजन तथा स्टरवोप्सिस तथा साथ में प्रच्छा प्रामाय व गहनता)।

(ङ) मानक

- (i) वाक्परीक्षण: प्रत्येक कान से 610 सें० मी० से कामाफूसी सुनाई वे।
- (ii) श्रव्यतामितिक

परीक्षण :

250 एष०एक्स० तथा 4000 एच० जैंड० के बीच की झावतियों में अञ्यतामितिक कमी 10 डी० बी० से झिंधक न हो।

- (ख) रुटीन ईं०सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में हो।
- नौसेनिक विमानन शाखा के उम्मीदवार हेत् स्वास्थ्य मामक वही होंगे जी वायुसेना के उड़ान क्यृटी हेत् उम्मीदवारों के हैं।

परिकाल्ट III

सेवा मादि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं:--मारतीय सेना भकादमी देहरादृन में प्रवेग लेने वाले जम्मीदवारों के लिए:---

- 1. मारतीय सेना धकादमी में भर्ती करने से पूर्व ---
- (क) उसे इस झाणय का प्रमाण पल देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रणिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चीट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा धावश्यक किसी सिंजकल धापरेशन या संवेदनाहरण दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक मशक्सता था जाने या उसकी मृह्यू हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधि-

- कारी को सरकार के विक्य किसी मुझावजे या घम्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस भाषय के बन्ध-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदबार पाठ्यकम पुरा होने से पहले बापस धामा चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुरूक, मोजन, बस्क पर किए गए ब्याय तथा दिए गए बेतन और भत्ते की कृत राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करें उसे बापस करनी होगी।
- 2. मंतिम रूप से चुने गए जम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण विद्या जाएगा। इन्हीं जम्मीदवारों के नाम सेना मधिनियम के मधीन "जेंटलमैन कैडेट" के रूप में वर्ज किए जाएंगे। "जेंटलमैन कैडेट" पर साधारण ममु-शासनात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना भ्रकावमी के नियम और विमियम लागू होंगे।
- 3. यद्यपि, झावास, पुस्तकों, वदीं, बोर्डिंग और विकित्सा सिंहत, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह झाणा की जाती है कि उम्मीदवार झपना खर्च खुद बर्दाग्त करेंगे। भारतीय सेना झकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 ए० से झिक होने की संभावना महीं है)। यदि किसी कैडट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या झंशिक रूप में बर्दाग्त करने में झसमर्च हों तो सरकार द्वारा उन्हें विश्वीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक झाय 500.00 ए० या इससे झिक हो, वे इस विश्वीय सहायता के पाल नहीं होंगे विश्वीय सहायता की पालता निर्धारित करने के लिए भवल सम्पत्तियों झौर सभी साझनों से होने वाली झाय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की विलीय सहायदा प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पृत्र/ संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम क्य से बृने जाने के तुरन्त बाद अपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्न देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुशन्सा सहित भारतीय सेना अकादमी देहराद्म के कमाण्डेंट को अग्रंपित कर देगा।

4. भारतीय सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए भंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को भाने पर, कमाण्डेंट के पास निम्नलिखित राणि जमा करानी होगी:—

(क) प्रतिमास व॰ 55.00 के हिसाब से पांच महीने का जेव खर्च 275.00

(ख) बस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए . . 800.00

ब्रोग , . . 1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राणि में से नीचे लिखी राणि वापिस कर दी जाएगी:—

55.00 ६० प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च . . . 275.00६०

- भारतीय सेना भकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलक्ष्य हैं:---
 - (1) परशाराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्तिः --- यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी आती है। इस छात्रवृत्ति की राशि प्रधिक से प्रधिक 500.00 द० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना प्रकादमी में रहने की धविध के दौरान दी आती है बगर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्र-वृत्ति मिलती है वे किसी प्रस्य सरकारी वित्तीय महायता के हकदार न होंगे।
 - (2) कर्नल कैंडल फेंक मेनोरियल छात्रवृत्ति:--इस छात्रवृत्ति की राणि 360/- इपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैंडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी विसीय सहायता के श्रांतिरक्त होती है।
- 6. भारतीय सेना प्रकादमी के प्रत्येक कैंडेट के लिए सामान्य शतौं के भन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के प्रनुसार परिधान भत्ता धकादमी के कमांडेंट को सींग दिया जाएगा। इस भक्ते की जो रकम खर्च होगी बह:
 - (क) कैंडेट को कमीशन दिए जाने पर दे दी जाएगी।
 - (ख) यदि कैंडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो मत्ते की यह रकम राज्य को दापस कर दी आएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भन्ते से खरीदे गए बस्त्र तथा प्रन्य धावश्यक चीजें कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएंगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडेट स्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे बापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टि-गत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्यागपत देने की अनुमति नहीं दी आएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान स्यागपत देने वाले जेंटिलमैंन कैंडेट को यल सेना मुख्यालय द्वारा उनका स्यागपत स्वीकार होने तक घर जाने की प्राप्ता दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, मोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना भ्रकादमी में उम्मीदवारों की भर्ती किए जाने से पूर्व उनके माता-पिता/भ्रभिम्मावकों को इस भ्राष्य के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैंडेट की प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाट्यक्रम

पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक सम्मीदबार की अपनी रेजिमेक्ट या कोर में बापिस भेज दिया जायेगा।

- 8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से धगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।
- 9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित धफ-सरों के समान वेतन और भसे, पेंशन और छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की धन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित धफसरों पर समय-समय पर लागु होंगी।

प्रशिक्षण:---

10. भारतीय सेना धकावमी में धार्मी कॅडेट को "जेंटल-मैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है नाकि वे इन्केंट्री के उप यूनिटों का नेतृस्त्र करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को सैकिन्ड लेफिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बगर्से कि एस० एच० ए० पी० ई० एम० शारीरिक रूप से स्बस्य हीं।

सेवा की शर्ते:---

(i) वेतन :

रेंक			वेतनमान
सैकिष्ड लेपिटनेंट		,	750-790
लेपिटर्नेट			830-950
कैप्टन			1100-1550
मे जर			1450-1800
लंपिटनेंट कर्नल (च	यन द्वारा)	i	1750-1950
लेफिटनेंट धर्नल (स	मिय वेतन	मान)	1900 नियत
कर्नेल			1950-2175
क्रिगेडियर			2200-2400
मेजर जनरल			2500-125/2-2750
ले फ्टिनेस्ट जनरल			3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता, वेतन भौर धनुदान:

लेपिटनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले प्रधिकारी ध्रपनी योग्यताओं के प्राधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० प्रथवा 6000 रु० के एक मुक्त धनुदान के हुकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग खा) रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के प्रधिकारी होंगे।

(iii) मत्ते :---

वेतन के भितिरिक्त श्रफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:---

(क) सिविलियन राजपश्चित धक्तमरों पर समय-समय पर लागू दरो और गता के अनुसार इन्हें भी

मगर	प्रतिकर	तया	महंगाई	भत	विए	जाते
हैं।						

- (स) 50 ४० प्रतिमास की धर से किट धनुरसंजं भता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भक्ता मिलेगा। यह निदेश भक्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।
- (भ) नियुक्ति भत्ता जब विवाहित श्रफसरों की ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, सब वे श्रफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (ट) सज्जा भत्ता:—प्रारंभिक सज्जा भत्ता ६० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रस्थेक सात धर्ष के बाद एक नए सज्जे भत्ते का दावा किया जा सकता है।

(iv) तैनासी

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(v) पदोन्नति :

(क) स्थायी पदोश्वति :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित

सेवा	सीमाएं	₹	:
		_	

समय वेतनमान से

लेफ्टिनेन्ट		2. वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	•	6 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
मे जर	•	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफ्ट	नेन्ट कर्नल	
यदि घयन द्वार	ा पदोन्नति	

म हुई हो

25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लेफ्टिनेन्ट कर्नल			16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल			20 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर			23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल			25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेपिटनेन्ट जनर	ल	•	28 वर्ष कमीशम प्राप्त सेवा
जनरल			कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति :

निम्नलिखित न्यूनसम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पाद होंगे बसर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों:—

क ैप्टन		3 वर्ष
मेजर	•	5 वर्ष
लेपिटनेन्ट कर्नल		6-1/2 वर्ष

कर्मेल .	8-1/2 वर्षे
त्रिगेडियर .	12 वर्ष
मेजार जनरल .	20 वर्ष
लेपिटनेन्ट जनरल	25 वर्ष

(ख) नौसेना प्रकादमी कीचीन में भर्ती होने वाले उम्मी-

वारों के लिए:---

- 1. (क) जो उम्मीदवार श्रकादमी में प्रशिक्षणं कें लिए श्रंतिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना की कार्य-कारी शाखा में कैंडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा । उन उम्मीदवारों को नौसेना श्रकादमी कोचीन के प्रभारी श्रफसर के पास निम्नलिखित राशी जमा करानी होगी ।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए श्रावेदन-पत्न नहीं दिया हो :---
 - (i) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जेब खर्च

225.00 ₹○

(ii) कपड़ों श्रौर सज्जा-सामग्री के लिए

460.00 ₹0

जोड

685. 00 ই০

- (2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए भ्रावेदन-पत्र दिया हो :---
 - (i) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दी सास के लिए जेंब खर्च . .

90.00

(ii) कपड़ों ग्रौर सज्जा-सामग्री के लिए

460.00

जोड़

550.00

- (ख) (i) चुने हुए जम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा जन्हें नौसेना जहाजों मौर प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रणिक्षण प्राप्त करना होगा :—
 - (क) कैंडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकार्य प्रशिक्षण ——1 वर्ष
 - (ख) मिडशिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण

--- 6 मास

(ग) कार्यकारी सब-लेफ्टिनेन्ट सकनीकी पाठ्यक्रम . . .

12 मास

(घ) सब-लेफ्टिनेन्ट :

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, श्रिष्ठिकारियों को नौबहुत निगरानी सम्बन्धी पूर्ण प्रमाण पत्न लेने के लिए भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम से कमें 6 मास की श्रविध श्रावश्यक है।

(ii) नौ-सेना प्रकादमी में कैडेटों के शिक्षण, प्रायास घौर संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/प्रभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/प्रभिभावकों की मासिक

भाग 450 ६० से कम हो और वह कैडेट का जोब क्षाचं पूर्णसया भ्रथवा श्रांशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैंडट के लिए 55 २० प्रतिमास विसीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीद-बार प्रपने चुने जाने के बाद शीध ही प्रपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से ग्रावेधन-पन्न **दे** सकता है । जिला मजिस्ट्रेट उस भावेदन-पत्न को धपनी धनुशंसा के साथ निदेशक, कार्मिक धेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास मेज देगा । यदि किसी माता-पिता/प्रभिभावक के दो प्रयवा उससे प्रधिक पुत्र या प्राश्चित नौसेना जहाजों/ प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की प्रवधि के लिए उपर्युक्त विलीय सहायता दी जा सकती है बणर्ते कि माता-पिता/प्रभिभावक की मासिक ग्राय 600/- २० से ग्रधिक न हो।

- (iii) बाव का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों धौर स्थापनाभों में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। भ्रकावभी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार भ्रकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली विसीय सहायता के समान सहायता वी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों भौर उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैंडेटों की मिडिशापमैन के रैंक में पदोन्नित कर दी जाएगी भौर वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।
- (iv) केडेटों को सरकार से नि:शुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके धलावा कुछ भौर कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने धौर उनकी एक रूपता को मुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना धकादमी में लैगर किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/प्रक्रिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए ध्रावेदन-पन्न देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेसन और वही भलें मिलेंगे जो कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रैंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे । यदि उन्हें उस रैंक में वेसन वृद्धि वी जानी हो तो वे उस वेसन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भलें सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायसा से कम हों तथा वे उस

- सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के श्रन्तर की राशि भी मिक्षेगी ।
- (٧١) सामान्यतः किसी कैंडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पन्न देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । जिस कैंडेट को भारतीय नौसेना जहाजों मौर प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा आएगा उसे सरकार के धनुमोदन से प्रशिक्षण से बापस भूलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से इटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियाँ में किसी सर्विस कैंडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा । जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या भूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में दुबारा दाखिल होने का पान्न नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ करूणाजन्य कारणों के ग्राधार पर त्यागपत्र देने की ग्रनुमित दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के प्राघार पर विचार किया जाता है।
- 1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/श्रभिभावक को :
- (क) इस प्राणय के प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली मांति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या श्राश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक हुर्वेलता हो जाए या उपयुंक्त कारणों या प्रन्य कारणों से चोट लगने पर किए गए श्रापरेशन से या श्रापरेशन के दौरान मृष्टित करने की प्रौषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या श्राश्रित को सरकार से मुग्नावजा मांगने के दोवे का या सरकार से श्रन्थ सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
- (ख) इस ग्राश्रय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के प्रधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भर्से, जो कंडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मृल्य या उनका वह ग्रंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3. वेतन भौर भत्ते

(क) वेतन

		वेतनमान
रैक		धामान्य सेवा
1	<u></u>	2
मिडशिपमेन .	•	. 500.00 वपए
एक्टिंग सब-लेपिटनेन्ट		. 750.00 स्पए

1		2
सब-लेपिटनेन्ट		830-870 रुपए
लेफ्टिनेन्ट , .		1100-1450 रुपए
लेफ्टिनेन्ट-कमोडोर .		1450-1800 रुपए
कमाण्डर (चयन मान द्वारा)		1750-1950 स्पए
कमांडर (समय वेतनमान द्वारा)	,	1900.00 रुपए
,		(नियतं)
फैप्टन		1950-2400 चपए
		(कमोडोर वह वेतन
		प्राप्त करता है जिसके
		लिए वह कैप्टन के रूप
		में वरिष्ठता के साधार
		पर हकवार होता
		₹ 1)
रियर एडमिरल .		2500-125/2
•	_	2750 रुपए
वाइस एडमिरल		3000 रुपए

(ख) मसे

वेतन के मितिरिक्स भफसरों को निम्नलिखित भर्ते मिलते हैं:---

- (i) सिविलियन राजपत्नित धफसरों पर समय-समय पर लागू धरों भौर शतौं के धनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भरता मिलता है।
- (ii) 50/- ६० प्रतिमास की दर से किट मनुरक्षण भत्ता (कमंडोर रैंक के सथा उनसे नीचे के रैंक के श्रफसरों को)।
- (iii) जब ध्रफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के धनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रवास भता।
- (iv) 70/- ६० प्रति मास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित अता मिलेगा :--
 - (i) जिन विवाहित भ्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ii) जिन विवाहित ध्रफसरों को धाई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा ध्रथवा जितनी श्रविध के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
 - (iii) जिलनी ग्रविध के लिए बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी ग्रविध के लिए उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा ।

टिप्पणी I:—जपर्युक्त के ग्रलावा संकट के समय काम करने की राशि पनडुक्षी भता, पमडुक्बी वेतन, सर्वेक्षण श्रानुतोषिक/श्रर्हता वेतन/ श्रनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी श्रफसरों को क्षी जा सकती है।

टिप्पणी II: — अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाधों के लिए प्रपनी सेवाएं प्रिप्ति कर सकते हैं। इन सेवाधों में सेवा के लिए चुने गए अफसर बढ़े हुए बेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा मिडिशिपमैन से एक्टिंग सब-शैपिटनेन्ट तक 1/2 वर्षे ऐक्टिंग सब-लेफ्टिमेंट से सब-लेपिटनेन्ट तक 1 वर्ष सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेन्ट ऐक्टिंग श्रीर स्थायी तक . सब-लेफ्टिनेंट (वरि-ष्ठता के लाभ/समप-के प्रधीन) रूप में 3 वर्ष लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमो-डोर तक लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता लेपिटनेंट कमोडोर से कमो-डोर तक। 24 वर्ष की संगणीय (यदि चयन द्वारा पदोन्नति कमीणन प्राप्त सेवा न हुई हो) (ख) चयन द्वारा लेफ्टिनेन्ट कमोडोर से कमो-लेफ्टिनेन्ट कमोडोर के कोर सक रूप में 2--- 8 वर्ष की वरिष्ठता । कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्षकी वरिष्ठता फैप्टन से रियर एडमिरल मोर उससे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं ।

5. सैनाती

प्रफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—यदि किसी ग्रीर सूचना की ग्रावश्यकता हो तो वह निदेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती हैं।

- (ग) भ्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने वाले उम्मीद-वारों के लिए:—
- इसमें पूर्व कि उम्मीदवार श्रकसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में भर्ती हों:—
 - (क) उसे ध्रस श्राशय से प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि उसे या उसके वैध वारिसों को सरकार से मुखावजे या धन्य किसी सहायता के दावे का कोई हुक नहीं

होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या श्रापरेणन के दौरान मूर्छित करने की श्रीषधि के श्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

- (ख) उसके माता-पिता या श्रिभभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के श्रधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोसे पूरा करने से पूर्व वापिस जामा चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे शिक्षा, जाना, वस्त्र धौर वेतन तथा भन्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनको लागत या उनका वह धंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।
- 2. जो उम्मीदवार श्रंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण फोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना श्रिवियम के श्रन्तगैत जैन्टलमैन कैडेट" के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य श्रनुशासन की दृष्टि से ये जैन्टलमैन कैडेट श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के श्रन्तगैत रहेंगे।
- 3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें भावास, पुस्तकों, वर्दी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी भीर उम्मीदवारों को भ्रपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 र० प्रतिमास से प्रधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यावि का शौक रखता हो, तब उसे श्रतिरिक्त धन की भावस्यकता होगी। यदि कोई कैंडेट यह न्युनतम अयय भी पूर्ण या शांशिक रूप में वहुन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेत वित्तीय सहायता थी जा सकती है बशर्ते कि कैंडेट श्रीर उसके माता-पिता/श्रभिभावक की भाय 500 द० प्रति मास से कम हो। वर्तमान भादेशों के प्रनुसार विसीय सहायता की दर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए ग्रंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपन्न पर एक ग्रावेदन श्रपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो भ्रपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ भावेदन-पत्न को कमाउँट. म्रफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा ।
- 4. ग्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में श्रंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राणि जमा करनी होगी:—
 - (क) 55.00 रु० प्रति मास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च. 550.00 स्पए
 - (ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए . 500.00 **रपए**

योग . , 1050.00**व**०

यदि कैंडटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती हैतो जपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

समय-समय पर जारी किए गए भावेशों के भन्तगंत
 परिभाग भता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा ग्रन्य ग्रावश्यक चीर्जे कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जार्येगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन ग्रवधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुश्रों को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुश्रों का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्थाग-पन्न देने की धनुमित नहीं दी जायेगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारंभ होने के बाद स्थाग-पन्न देने वाले जैन्टिलमैन कैडेटों को यल सेना मुख्यालय द्वारा उनका स्थाग-पन्न स्वीकृत होने तक घर जाने की घाजा वी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाघों पर होने वाला खर्च वसूल किया जायेगा। घफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को धर्सी किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/ सिभावकों को इस माश्य का एक बांड भरना होगा।
- 7. जिस/जेंटलमैन कैबेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की प्रनुपति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।
- 8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा
 भत्ते पेंशन छुट्टी तथा भन्य सेवा शर्तेनिम्न प्रकार होंगी।
 - 9. प्रशिक्षण
- 1. शुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के प्रन्तगंत जैंटलमैन कैंडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा वे प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक करने के उपरान्त जैंटलमैन कैंडेट की प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की सारीख से सैकेंड लैंपिटनेंट के पद पर ग्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।
 - 10. सेवा की शर्तें:---
 - (क) परिवीक्षा की भवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से ग्रफसर 6 मास की प्रविध तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की भविष्ठ के दौरान कमीशन धारण करने के श्रमुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा श्रविध के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(च) तैनाती

ग्रल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा ध∉ता है। (ग) नियुक्ति की भ्रवधि तथा पदोन्नति

नियमित यल सेना में श्राल्पकालिक सेवा कामीशन पांच वर्ष की श्रविध के लिए प्रदान किया जायेगा जो श्राफ्सर सेना में पांच वर्ष के श्राल्पकालिक सेवा कमीशन की श्रविध के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पान तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के श्रनुसार उनके श्राल्पकालिक सेवा कमीशन के श्रंतिम वर्ष में श्रनको स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया श्राएगा। जो पांच वर्ष की श्रविध के दौरान स्थायी कमीशन श्रवान किए जाने की श्रव्हता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की श्रविध पूरी होने पर निर्मृक्त कर दिया जायेगा।

(च) वेतन ग्रीर भत्ते

माल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त धफसर वही वितव भीर शक्त प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित धफसरों की आफ्त होता है।

सैकिण्ड लेपिटमेंट धौर लेपिटमेंट के वेतन की दर इस प्रकार है:---

सैकेन्ड लेफ्टिनेन्ट—750-790 रु० प्राँत मास। लेफ्टिनेंट-—830-950 रु० प्रति मास। तथा भ्रन्य भर्से जो नियमित भ्रफसरों की मिलते हैं।

(**≋**) छुट्टी

खुट्टी के संबंध में ये प्रफसर धल्पकालिक सेवा कनीका प्रफलरों के लिए, लागू नियमों से सासित होंगे जो सेवा अवकाम नियमावली खण्ड-1 थल सेना, के प्रध्याय प्रांच में उल्लिखित हैं। वे श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग कांडट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में बी गई ब्यवस्थाओं के श्रनसार भी खुट्टी के हकदार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

श्रत्यकालिक सेवा कमीशन प्राप्त ग्रफसर को पांच वर्ष केवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्निविश्वत कारकों के किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है —

- (i) ग्रपचार करने या असंतोषजनक रूप से का सेवा करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की धौर धिक **बादश्यकतान हो**से पर या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में शहंता प्राप्त करने में ग्रसफल रहने पर।

तीत महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की क्रकणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देवे की अनुमित दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणाजन्य कारणों के आआर पर कमीशन से त्यागपन्न देने की अनुमित प्राप्त कर खेने पर कोई अफसर सेवांत उपवान पाने का पान नहीं होगा।

(छ) पेंशन लाभ

(i) ये अभी विचाराधीन है।

(ii) भ्रत्पकालिक सेवा कमीगन भफ्सर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 का सेवात उपदान पाने के हकवार होंगे।

(ग) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की ग्रल्पकालिक सेवा कमीशम सेवा या बढाई मई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाव से 5 वर्ष की धविध के लिए या 40 वर्ष की श्रायुतक, जो भी पहले हो, रिजर्ब में रहेंगे।

(धा) विविध:---

सेवा संबंधी भ्रन्य सभी शतें, जब तक उनका उपयुक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, वही होंगी जो नियमित भ्रफसरों के लिए लागू हैं।

(भ) तायु सेना प्रकादमी में प्रवेश जेने वाले उम्मीद-वारों के लिए

1. चयम:---

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में को प्रकार से भर्ती की जाती है। प्रयात संघ लोक सेवा मायीत के माड्यम से डायरेक्ट एक्ट्री ग्रीर वायु स्कंध वरिस्ट प्रथान के बाड्यम से एन० सी० सी०।

- (क) बायरेक्ट एन्ट्री—आयोग लिखित परीक्षा, के बाधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः वर्ष में दो बार धीर मई सीर नवस्थर में ली जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को काचू सेका चयन बोर्ब के सामने परीक्षण और साझारकार के लिए भेजा जाता है।
- (ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश:—राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक द्वारा विधिन्न एन० सी० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से धावेदन-पतों को धामांक्षित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को ध्रासारित कर किला जाता है। पात उम्मीदवारों को परीक्षण ध्रोह साक्षात्कार के लिए वायु सेना वयन बोर्च हो सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।
- 2. प्रसिक्षण पर भेजना: वायु सेना वयन बोर्ड द्वारा अपूर्णितन और उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा आरोरिक लग ने स्वस्थ पाय जाने वाल उम्मोदवारों की वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के प्राधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। बाइरेक्ट एन्ट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूचि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की काती है बौर एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता सूची अलग है तैयार की जाती है। बाइरक्ट एन्ट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची संग वाय होता सिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों सथा बाय सेना वक्षन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़ कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैंडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची कनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के साधार पर तंबार की जाती है।

- 3. प्रशिक्षण: वाथ् सेना ग्रकादमी में उड़ान शाखा (पाइसट) के लिए प्रशिक्षण की ग्रवधि व लगमग 75 सप्ताह होगी।
- 4 भिंदित्य में पदीवाति की संभावनाएं: प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट भिंपसर का रैंक दिया जाता है मीर वे उसी रैंक के वेतन तथा भन्ने प्राप्त करने के इकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के माधार पर, उड़ान शाखा के मिंदिकारियों को लगभग दें। 1575/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान बेतन रु० 375/- प्रति माह भी सम्मिलत है। वायु सेना का भविष्य बहुत उण्जवल होता है यदापि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएं मलग-मलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना, में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यं कारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके प्रतिरिक्त परिलक्षियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर प्राधारित हर एक को उच्च कार्यं कारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के प्रच्छे अवसर मिलते हैं। स्ववेड्न लीडर और विंग कर्मांडर के रैंक में समय जेतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाम्या में कम्मा: 11 वर्षं की तथा 14 वर्षं की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। बिंग कर्मांडर ग्रीर उससे ऊपर के उच्चतर पदो में पदोन्नति विधिवत गठित पदोन्नति बोडों द्वारा चयन के प्राधार पर की जाती है। उदीयमान प्रधिकारियों के लिए पदोन्नति के प्रच्छे धवसर होते हैं।

5. वेतन तथा भने:---

मूल रैक			उड़ान शास्त्रा
- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		_	₹0
पाइलट मफसर	•	•	825-865
पलाइट मफसर	•		910-1030
पलाइंग लेपिटनेंट			1150-1550
स्क्वेड्न लीडर			1450-1800
विंग कमोडर	_	1	1550-1950
पुप कैप्टन		•	1950-2175
एमर कमोडोर		,	2200-2400
एधर वाइस मार्शल			2500-2750
एभर मार्शल		,	3000-

मंहगाई तथा प्रतिकर भते: -- प्रधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने बाली शती के अंतैगत की गई दरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भत्ता:--दि० 50/-; प्रति माह; उड़ान वेतन; उड़ान गोखा के श्रधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकबार होते हैं।

विंग कर्मां इर ग्रीर उससे नीचे ह० 375.00 प्रति माह भूग कप्टन ग्रीर एयर कमोडोर द० 333.33 प्रति माह एमर वाइस मार्गल ग्रीर उससे

ৰ ১৪০০.০০ প্ৰতি মাছ

वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैंक के श्रीवकारियों को विशिष्ट योग्यसाओं के लिए निर्धारित वरों पर योग्यसा वेसन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यसा वेसन की दर ६० 70/- और ६० 100/- है और अनुदान ६० 6000/- २०, 4500/- ६०, 2400/- और ६० 1600/- है।

योग्यता वेतन:--कमीशन सेवा के दो या हो से झिछक

प्रवास भता:—जहां वायु सेना ग्रिंधिकारियों को टुक-दियों के रूप में रखा जाना ग्रिपेक्षित होता है। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचित्र, द्वितीय सचित्र, प्रथम सचित्र कन्सूलर को दिये आने वाले विदेश भले का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैंक के ग्रनुसार) प्रवास भला देय होता है।

नियुक्ति मसा: -- ऐन विकाहित प्रश्चिकारो जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान जहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें रु० 70/- प्रतिमास की दर से नियुक्ति भसा दिया जाएगा।

परिधान भत्ता:—वर्दी/उपस्कर जो कि प्रस्पेक अधिकारी मिया रखनी पड़ती है उसके मृह्य के बदले में दिया जाने बाला प्रारंभिक परिधान भत्ता द० 1400/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर सात साल के बाव द० 1200/- दिए जाएंगे। कैम्प-किट, कमीशन प्रदान करते समय मुफ्त दी जाती है।

6. खुट्टी घोर भवकाश यात्रा रियायत मत्ता

वार्षिक भ्रवकाश : वर्ष में 60 विन भ्राकस्मिक भ्रवकाश : वर्ष में 20 विन: एक बार में 10 विन से भ्रधिक नहीं।

कमीशम प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद जब भी प्रिष्ठिकारी वार्षिक, आकस्मिक अवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सदस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे चाहे अवकाश की अविधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी, 1971 से प्रारंभ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक में एक बार प्रधिकारी प्रपने ह्यूटी स्थान (यूनिट) से घर तक आने के लिए नि:शुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे परनी सहित 965 कि पि के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों तरफ की एविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके प्रतिरिक्त उड़ान गाखा के प्रधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तैनात होते हैं, प्रवकाण लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर 1600 कि० मी० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुक्त याज्ञा करने की सुविधा होगी इसमें ग्राने श्रीर जाने की याज्ञा सम्मिलत होगी।

जो प्रधिकारी छुट्टी लेकर प्रपने खर्च से पाला कुछो के इच्छुक हैं वे कर्लण्डर वर्ष में तीन गर पत्नी तथा अच्छों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराए का 60 प्रतिशत भृगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमे एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविद्या दी आएगी। परिवार में पत्मी तथा बच्चों के झलावा श्रधिकारी पर पूर्णतया आधित माता, पिता, वहनें और नाबालिंग भाई शामिल होंगे।
7. पेंशन लाभ:—

सेवा निवृत्ति के समय	ग्रहंक सेवा	निवृत्ति पेंशन	की मानक	
रैंक (स्थायी)	की न्यूनतम श्रवधि	ै दर		
		२० प्रतिम	 गह	
पाइलट अफ सर पलाईंग			-	
मफसर .	20 वर्ष	525	"	
पाइलट लेपिटनेंट .	20 वर्ष	750	17	
स्क्वैड्रन लीडर .	22 वर्ग	875	7.5	
बिंग-कमांडर (समय				
वेतनमाम) .	26 वर्ष	925	27	
विंग कर्मांडर सलैक्टिव	24 ধর্ষ	950	17	
ग्रुप कैंप्टेम .	26 वर्ष	1175) /	
एयर कमोडोर	28 वर्ष	1125	7)	
एयर बाइस मार्शल .	30 वर्ष	1275	,,	
एयर मार्शल	30 वर्ष	1375	,,	
एयर चीफ भार्शल .	30 वर्ष	1700	,1	

8. से**वा** निवृक्ति उपदान

राष्ट्रपति की विविक्षा पर सेवा निवृत्ति उपदान निम्न-लिखित है:—

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिए—क० 12,000/-जिसमें से पिछले रैंक के डेढ़ महीने का वेतन घटाकर।
- (ख) प्रत्येक धारितिक्त वर्ष के लिए——६० 1200/-जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का बेतन घटाकर।

भेंगन या उपधान के मितिरिक्त प्रत्येक छ: महीने की भविष की महीक सेवा के लिए कुल परिलब्धियों के चौथाई के बराबर मृत्यु धौर सेवा निवृत्ति उपदान देय हैं जो कि परिलब्धियों का 16 1/2 गुणा होगा भौर रु० 30,000 से भिक्षिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे:---

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का बेतन;
- (खा) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए तो छः महीने का वेतन; ग्रीर
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद भृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का बेतन।

विकलांगता वेंशन धीर बच्चों धीर धाश्रितों (माता-पिता, बहिन तथा भाई) को विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी ोर्जाटेक होता के जन्मार क के

परिशिष्ट-🛚 🗸

भारत सरकार के छाधीन पतों पर नियुक्ति हेस् माथेदन करने वाले प्रनुस्चित जातियों ग्रौर प्रनुस्चित जन जातियों के उम्मीदयारों द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म:—

संविधान (धनसूचित जातियां) मादेश, 1950*
संविधान (म्रन्सूचित जनजातियां) मादेश, 1950*
संविधान (म्रन्सूचित जातियां), (संघ राज्य क्षेत्र) मादेश,
1951*

संविधान (ग्रनुस्चित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रावेण, 1951

[ग्रनुसूचित जातियां श्रौर श्रनुसूचित जनजातियां सूचियां (संशोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई पुनगंठन प्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनगंठन-प्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रिधिनियम, 1970 श्रौर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनगंठन) प्रधिनियम, 1971, श्रौर श्रनुसूचित जातियां तथा धनुसूचित जनजातियां श्रादेश (संशोधन) श्रीधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित

संविधान (जम्मू ग्रीर काश्मीर) ग्रनुसूचित जातियां भावेश, 1956।

संविधान (भंडमान भौर निकोबार द्वीप समूह) मनु-सूचित जनजातियां भ्रादेश, 1959* मनुसूचित जातियां सथा श्रनुसूचित जनजातियां भ्रादेश (संशोधन) भ्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा भौर नागर हवेली) धनुसूचित जातियां भादेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जन-जातियाँ आवेश 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां मादेश, 1964* संविधान (प्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), भादश, 1967*

संविधान (गोग्ना, दमन और दीव) भ्रनुसूचित जातियां भादेश, 1968*

संविधान (ोम्रा, वमन मौर दीयु) अनुसूचित जन-जातियो मावेश, 1968*

संविधान (नागालैंण्ड) अनुसूचित जन जातियां धादेश,

संविधान (सिक्किम) ग्रनुसूचित जाति ग्रादेश, 1978।*
संविधान (सिक्किम) ग्रन्स्चित जन जाति श्रादेश, 1978
2. স্বা
भीर/या उनका परिवार भ्राम तौर से गांव/कस्था*
जिला/मण्डल 🔭
राज्य/संघ* राज्य क्षंत्रमें रहता है
हस्साक्षर
**पदनाम ,
(कार्यालय की मोहर के सा
राज्य /संघ* राज्य क्षेत्र
स्यान
तारीच
*जो शब्द लागृन हों छन्हें भ्रुपया काट दें।

नोट: -- यहां "प्राप्त तौर से रहता है" का प्रर्थ वहीं होगा जो "रिप्रेजेंटणन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**जाति/जनजानि प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम भ्राधकारी।

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/मितिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/मलक्टर/ डिप्टी समिश्नर/एडिशनल डिप्टी समिश्नर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपॅडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट* सब डिबीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजि-स्ट्रेट/एकजीक्यृटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रसिस्टेंट कमि-श्नर।
- *(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम झोहदे का नहीं)।
 - (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मिलस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसी-डेंसी मिलस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मिलस्ट्रेट।
 - (iii) रेवन्यू श्रफसर जिनका ग्रोहवा तहसीलदार से कम न हो।
 - (iv) उस इलाके का सब-डिबीजनल श्रफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमलौर से रहता हो।
 - (v) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट भक्तर (लक्षडीप) ।

परिशिष्ट-V

उम्मीदवारों को सूचनायं विवरणिका

(क) बस्तुपरक परीकाण --

प्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में प्रापको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसको प्रागे प्रकाश कहा जाएगा) के लिए कई सुक्षाए गए उत्तर (जिसको प्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रकाश के लिए प्रापको एक उत्तर चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य मापको इस परीक्षा के बारे मे कुछ बानकारी देमा है जिससे कि परीका के स्वरूप से परिचित म होने के कारज भापको कोई हामि ल हो ।

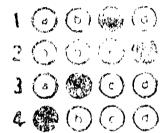
(च) परीक्षण का स्वरूप

प्रथम पक 'परीक्षण पुस्तिका के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संक्या 1, 2, 3—मावि के कम से प्रश्नाय होंगे। हर प्रश्नाय के नीचे ए, बी, सी, बी, बिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्यूत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यवि आपका एक से अधिक प्रत्यूत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में विष् गए नमृते के प्रश्नाय वेख हों)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नाय के लिए आपको एक सही प्रत्यूत्तर का चुनाव करना होगा। यवि आप एक से अधिक चुन नेते हैं तो आपका प्रस्यूत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में भापको भाग एक उत्तर पश्चक विया जाएगा। भापको भापने प्रत्युत्तर इस उत्तर पश्चक में लिखने होगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर धन्य किसी कागज पर खिलो गए जत्तर नहीं जीने जाएंगे।

उत्तर पक्षक (जिसकी एक नमूना प्रति मापको प्रवेश प्रमाण-पक्ष के साथ भेजी जाएगी) में प्रश्नाकों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांक से सामने ए, बी, सी, बी चिल्ल वाले शृताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांक को पढ़ लेने भीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युक्तर सही या सर्वोक्तम है भापको जस प्रत्युक्तर के मक्षर वाले भृत को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे संकित कर देना है, जैसा कि (धायका उत्तर वसनि के लिए) नीचे विखाया गया है। उत्तर पक्षक के बृत्त को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि---

- प्रश्नाकों के उत्तरों के लिए केवल घन्छी किस्म की एव की क् पेंसिल (पेंसिकों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- गलत नियाम को बदलने के लिए उसे पूरा मिदाकर फिर से सही उत्तर पर नियान लगा दें। इसके लिए भाप भ्रपने साथ एक रबाइ भी खाएं।
- 3. उत्तर पक्षक का उपयोग करते समय कोई ऐसी प्रसावधानी न हो जिससे वह फड जाए या उसमें मोड़ व सिलवट प्रावि पड़ जाए या वह बराव हो चाए।

(च) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- धापको परीका भारंम करने के लिए निर्धारित समय से शीस मिनट पहले परीका भवन मैं पहुंचना होगा भौर पहुंचने ही भपना स्थास शहण करना होगा।
- परीक्षण शुक्क होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनड तक किसी की परीक्षा भवन छोड़ने की भनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षां समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका भीर उत्तर पक्ष निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। धापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा श्रवत से बाहर ने जाने की धनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कहा वंश दिया जाएगा।

- 5. भ्रापको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। भ्रापको कुछ विवरण उत्तर-पक्षक पर कूटबद्ध पी करना होगा। इसके बारे में भ्रापके पास धनुदेश प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। धनर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविष्य है, तो उस प्रकांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेशक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेशक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. घाप घपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, प्रापको अपने साथ एक एक बी० पेंसिल, एक रवड़, एक पेंसिल गार्पनर और नीजी या काली स्याधी बाली कलम भी लानी होगी। घापको सलाह दी जाती है कि धाप धपने साथ एक एक किलप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ जिखा नहों। घापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए धापको एक धलग कागज दिया जाएगा। घाप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, घपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें धौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे धपने उत्तर प्रक्षक के साथ पर्यवेशक को वापस कर दें।

४० विशेष धनुवेश

परीक्षा भवन में ग्रपने स्थान पर बैंड जाने के बाद निरीक्षक ग्रापको उत्तर पक्षक देंगे। उत्तर पत्तक पर भ्रपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भ्रापको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका भेलने पर ग्राप यह भ्रवण्य देख सें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है भ्रन्थया, उसे बदलवा लें। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की ग्रनुमित नहीं है जब तक पर्यवेशक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य झापकी गति की झपेक्षा शुद्धता की क्षेत्रां है, फिर भी यह जरूरी है कि झाप झपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ झाप जितनी जरूरी काम कर सकते हैं, करें पर सापरवाही न हो। झाप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो जिंता न करें। धापकों जो प्रश्न भत्यन्त कठिन सालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। इसरे प्रश्नों की झोर बढ़ें झौर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर हैं। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक विए । आएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक महीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन 🚦

जैसे ही पर्यवेक्षक प्रापको लिखना बंद करने को कहें, धाप लिखना बंद कर दें। प्राप धपने स्थान पर तब तक वैठे रहें जब तक निरीक्षक भापके पास भाकर भापसे सभी भावत्रयक वस्तुएं ने जाएं भीर भापको हाल छोड़ने को अनुमति दे। भापको परीक्षण-पुस्तिका भीर उत्तर पक्षक तथा कच्चे कार्य का कानज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की मनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

- मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरवायी नहीं है।
 - (a) प्रमोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजीर थे।
 - (b) मशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रमावशाली सुरक्षा की श्यवस्था नहीं हुई।
 - (d) प्रशोकोत्तर पुग में प्राधिक रिक्तता थी।
 - 2. संसवीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विधायिका न्यायापालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (b) विधायका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरवायी है।
 - (e) कार्यपालिका स्वायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - 3. पाठभाला के छाज के लिए पाठ्येत्तर कार्यकलाप का मुक्य प्रयोजन
 - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
 - (b) धनुशासन की समस्याओं की रोकवाम है।
 - (c) निगत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
 - (d) शिक्ता के कार्येकम में विकल्प देना है।
 - 4. सूर्य से सबसे निकट ग्रह है:
 - (a) 啊零
- (c) **बृह**स्पति
- (b) मंगल
- (d) **बुद**

5. वन भीर बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्निशिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है।

- (a) पेड़ पौधे जितने मधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना मधिक होता है जिससे बाड़ होती हैं। ३० ००३३५ ∰क्षेत्र अंद्रिश्च ब्रेड्डी
- (b) पेड़ भौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाद से भरी होती है जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौघे जितने भाषिक होते हैं, नवियां उतनी ही कम गाव से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौछे जिसने कम होते हैं उतनी ही घीमी गति से अर्फ पिकल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th February 1981

No. A32014/3/80-Admn.-II.—In Partial modification of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 23rd May, 1980 and 12th November, 1980, Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoint the following officers to officiate as Superintendent (Data Processing) on a regular basis from the date indicated against their names until further orders.

S. No.	Name	Date of appoint- ment	Remarks
2. Shri	S. P. Bansal B. R. Gupta . S. C . Mastana	9-1-80 9-1-80 . 9-1-80	Shri S. P. Bansal will, however, continue to officiate as Asstt. Controller (D P) on ad-hoc basis w.e.f. 23-10-80 vide Notification No. A-32014/2/80-Admn. II dated 24-10-1980.

2. Ad-hoc appointments in respect of other six Officers as in the N otifications under reference remain unchanged.

> P. S. RANA Section Officer. for Secretary, Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 31st March 1981

No. P/21-Admn.l.—The President is pleased to Shri R. S. Goela, a permanent Grade I Officer of Secretariat Service cadre and officiating as Joint Secretary (Rs. 2000-125/2-2250) in the office of Union Public Service Secretary the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st March, 1981.

The 3rd April 1981

No. A-12024/2/80-Admn.I(i).—The President is pleased to appoint Shri Hardayal Singh, IRS(IT)as Dy. Secy. in the ollice of Union Public Service Commission with effect from 17-2-1981 to 15-1-1983, or until further orders, whichever is earlier

No. A-12024/2/80-Admn.I(ii).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Das, IRS (IT) as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 17-2-81 to 22-4-1983, or until further orders, whichever is carlier.

The 14th April 1981

No. A.19014/7/80-Admn.I.—Consequent on his appointment as Director (Gr. I) (AEE) in Small Scale Industry Development Organisation under Development Commissioner, Small Scale Industries vide Deptt. of Personnel & ARs D.O. Letter No. 13/31/80-EO(MM) dated 8th April, 1981, Shri H. V. Lalringa an officer of Indian Administrative Service (M&T) 1972) and Under Secretary in the office of Union Public Service Commission, relinquished charge of the post of Union Secretary in the office of the post of Under Secretary in this office with effect from the afternoon of 14th April, 1981.

The Services of Shri H V. Lalringa are placed at the disposal of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.

S. BALACHANDRAN, Dy. Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 26th March 1981

No. 20 PST 3.—'The Central Vigilance Commissioner is pleased to appoint Shri M. K. Vasudevan (the then) an

Officer of the Selection Grade of Central Secretariat Service as Director in the Central Vigilance Commission in an offi-ciating capacity from 5-11-79 (FN) to 31-7-80 (AN). After attaining the age of superannuation, Shri Vusudevan retired from Govi. service on 31-7-80 (AN).

> K. L. MALHOTRA, Under Secy. (Admn.)
> for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st April 1981

No. A-19021/2/81-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Bauerjee, IPS (UP-1972) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 10-4-1981.

The 22nd April 1981

No. PF/S-7/70-Ad.V.—The President is pleased to appoint Sri S. P. Nigam, Public Prosecutor, CBI, CIU(NC) on promotion as Senior Public Prosecutor CBI on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 7-2-1981 or till a regular appointee become available, whichever is earlier.

No. A-8/71/Ad-V.—The services of Shri Abnash Chander, Dy. Superintendent of Police, on deputation to Central Bureau of Investigation from Punjab Police, were placed back at the disposal of State Government with effect from the afternoon of 31-3-1981.

No. A/19036/6/77/Ad.V.—On attaining the age of super-annuation, the services of Shri J. N. Mahapatra, Dy. Superin-tendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Orissa Police, were placed back at the disposal of Orissa State with effect from 31-3-1981 (after-

No. A-19036/10/78/Ad.V.—The services of Shri S. N. Swain, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Orissa Police, were placed back at the disposal of Orissa State with effect from 31-3-1981 (afternoon).

The 25th April 1981

No. G-3/69-Ad-V.—The President is pleased to appoint Sh. G. Vittal, Public Prosecutor, CBI/SPE on promotion as Senior Public Prosecutor CBI/SPE on ad-hoc basis for a period of 3 months w.e.f. the forenoon of 9-4-81 or till a regular appointee becomes available whichever is earlier.

No. P-7/74-Ad.V.—The services of Shri P. G. J. Nampoothiri, IPS (GJ-1964) Superintendent of Police, CBI, Special Police Establishment Ahmedabad Branch are placed back at the disposal of the Govt. of Gujarat, on repatriation with effect from 15-4-1981 (A. N.).

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110022, the 22nd April 1981

No. F.2/22/81-Estt (CRPF).—The President is pleased to confirm the following Doctors as General Duty Officer Grade-II in the Central Reserve Police Force:—

- . Dr. M. I. Baig
- Dr. P. K. Das
 Dr. Narayana Bhat P.
 Dr. S. C. Pradhan

S. C. VIDYARTHI, Dy. Director (Estt.)

New Delhi-110022, the 24th April 1981

No. F.2/11/80-Estt(CRPF).—In continuation to this Dte Notification of even No. dated 17/3/81, Shri B. Varma consequent on his taking over charge as IGP(HQrs), Dte, General is permitted to hold additional charge of Director, ISA, CRPF, Mount Abu w.c.f. 3-4-81 till the appointment of a regular incumbent.

2. He will exercise all administrative, supervisory, and financial control over this institution.

A. K. SURI, Assistant Director (Est.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 23rd April 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri R. S. Samanta assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, CPT Calcutta with effect from the foremon of 18th March. 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer to Mathurn, Shri S. K. Jaiman relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, D.S.P. Durgapur, with effect from the afternoon of 23rd March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion Shri B. C. Mahapatra assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, MPT Madras with effect from the forenoon of 20th March. 1981.

No. F-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri Lakhbir Singh assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BHFL Hardwar with effect from the afternoon of 23rd March, 1981 from which date Shri Inder Mohan relinquished the charge of the said post, on his transfer to CISF Unit, H.I.L., Rasayani.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri T. S. Chand assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit HEC Ranchi with effect from the forenoon of 27th March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—One his promotion, Shri P. Shukla assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BIL Bhilai with effect from the foreneon of 17th March, 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.--On his promotion. Shri M. Aravindakshan assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia, with effect from the forenoon of 18th March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri B. P. Prabhakaran assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, Southern Zone Training Reserve, CISF, Madras with effect from the forenoon of 20th March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri Tilak Raj assumed the charge of the post of Assit. Commdt., CISF Unit, D.S.P. Durgapur with effect from the forenoon of 18th March, 1981.

No. F-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri Mangal Singh assumed the charge of the post of Asstt. Commdt., CISF Gp. HQrs, Patna with effect from the forenoon of 27th March, 1981 vice Shri S. P. Dwivedi Asstt. Comdt, who on transfer to Bilpasilka relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer from Durgapur, Shri S. K. Jaiman assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, IOC Mathura Refinery Project, Mathura with effect from the forenoon of 29th March, 1981 vice Shri B. S. Rana, Assit. Comdt, who on transfer to Singrauli relinquished the charge of the said post on the same date.

No. E-58015(4)/5/81-PERS.—on his promotion, Shri M. P. S. Seckery assumed the charge of the post of Assistant Communicant, CISP, 1st Reserve Battalion, Deeli with effect from the forenoon of 24th March, 1981.

No. E-38013(4), 5/81-PERS.—On his promotion, Shri N. M. Marini assumed the charge of the post of Asstt. Commandian, CISF Unit, SIAR Centre with effect from the foreacon of 18th March 1981.

No. L-38013(3)/9/80-PERS.—On his transfer from Iharia, Shri G. S. Dhillon, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, 1st Reserve Battalion CISF, Deoli (RAJ) with effect from the forenoon of 23rd March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri U. S. Pattanaik assumed the charge of the post of Assttl Comdt. CISF Unit, B.S.L. Bokaro with effect from the foremoon of 23rd March, 1981.

Sd./- ILLEGIBLE Director General, CISF.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 22nd April 1981

No. 11/3/81-Ad.1.—The President is pleased to appoint, on re-employment basis, Shri V. M. Deole, an officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director Census Operations, Maharashtra, Bombay, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 1st April, 1981 upto the 31st March, 1982.

- 2. The headquarters of Shri Deole will be at Thane.
- 3. The services of Shri Deole may be terminated any time before 31-3-1982 at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

No. 11/96/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shii I. S. Borkar, Research Assistant in the Central Institute of Indian Languages, Mysore as Research Officer (Language) in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 18th March, 1981, until further orders.

The headquarters of Shri Borkar will be at Calcutta.

No. 11/12/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri T. V. Srinivasan, Deputy Secretary to the Government of Tamil Nadu in the Public (Census) Department and exofficio Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, as Joint Director of Census Operations in an ex-officio capacity in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, on a purely temporary and ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 3rd April, 1981, for a period not exceeding one year or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Srinivasan will be at Madras.

No. 11/15/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion, Shri R. Narayanan, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 3rd April, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the official concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered, on ad-hoc basis, by the official concerned shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE,

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILI

Hoshangabad-461 005, the

April 1981

No. of 7(49)/843.—In continuation of this Office Notification No. 7(49)/790 dated 15-4-80, Shri K. N. Domble is hereby promoted as Sores Officer on regular ha is w.e.f. 28-2-1981, until further orders. He will be on probation for a period of 2 years which will include the period during which he worked on ad-hoc basis i.e. from 15-4-1980.

S. R. PATHAK, General Manager.

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HORS CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 15th April 1981

No. 10/81/A/F-1(NG).--The DGOF is pleased to promote Shri Hiendra Nath Ghosh, Asstt. Staff Officer (Adhoc), as Offg. Asstt. Staff Officer, in an existing vacancy, without effect on seniority, from 1-4-81 until further orders.

Shri Ghosh will be on probation for two years from the date of his promotion.

> D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/ADMIN. for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th April 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1198/77-ADMN(G)/2342.—On attaining the age of superannuation, Shri I S. Kundnani, a permanent Grade IV officer of CSS and officiating Controller of Imports and Exports in this office, has been permitted to retire from Government service on the afternoon of the 31st December,

> A. N. KAUL, Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st April 1981

No. 12(19)/61-Admn(G).--The President is pleased permit Shri H. C. Tandon. Deputy Director (Met.). Small Industries Service Institute. Ludhiana to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-3-1981.

No. 12/212/61-Admn(G) — The President is pleased to appoint Shri J N. Bhekta, Deputy Director in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. II), (Metallurgy) in the same office with effect from the forenoon of 9th April, 1981 until fur-

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

GENERAL OF DIRECTORATE SUPPLIES. AND DISPOSALS

(Administration Section A-1)

Neve Delhi-1, the 22nd April 1981

No. A-1/1(1158).—The Director General of Supplies and Disnosals hereby appoints Shti H. N. Samadder, Superintendent in DS&D. Calcutta to officiate as Assistant Director

(Admn.) (Grade II) on regular basis in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 19-3-81 vice Shri D. C. Roychoudhury, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) retired on 1-2-81 (AN). He is placed on probation for a period of two years from 19 3-81.

The 25th April 1981

No. A-1/1(1171).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri B. R. Das, Superintendent in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 2-4-81 vice Shri A. K. Mitra, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) retired on 28-2-81 (AN). He is placed on probation for a period of 2 years from 2-4-81.

M. G. MENON Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Sec. A-6)

New Delhi, the 22th April 1981

No. A-6/76(9)/66-V.—The President has been pleased to appoint the under-mentioned officers—as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.)(Grade III of Indian Inspection Service) on regular basis from the dates shown against their names :--

S. No. Name			Date of appoint- ment as ADI/IO (E) on regular basis	Office where working
S/Shri				
 V. Subramanian 			10-3-71	Retired
2. G. Sahadevan	•		10-3-71	On deputation to Richardson and Cruddas Ltd.
3. N. N. Bhaduri			10-3-71	DI Calcutta
4. M. C. Aich			10-3-71	Retired
5. H. C. Verma			10-3-71	Retired
6. R. P. Schgal			7-12-73	HQrs.
Roshan Lal			4-10-71	NI Circle
8. S. Basu			15-1-72	Retired
9. G. N. P. Rau		,	1-10-74	Retired
10. J. N. Va7 .			10-3-71	Retired
11. K. N. Srivastava			10-3-71	NI Circle
12. D. Gopalacharlu	l		9 - 3-73	Retired
13. S. K. Sarkar			6-11-74	Retired
14. A. K. Bose			9-3-73	Retired
15. J. S. Passi			9 - 3-73	NI Circle
16. A. Chakravorty			15-1-80	DICalcutta
17. S. P. Chaterjee			30-12-74	DI Calcutta
18, S. C. Sengupta			(A.N.) 27-9-76	Retired
19. H. C. Malhotra			9-3-73	Retired
20. B. G. Jangiani			9-3-73	Retired
** ' *			6-11-73	DI Calcutta
22. S. Adhikari			9-3-73	Retired
23. Z. A. Saiyed			9-3-73	Retired
24. O. D. Sangar			9-3-73	HQrs.

M. G. MENON Deputy Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

Calcutta-700015, the 18th April 1981

No. 2085B/A-19012 (3-HKP)/80-19B.—Shri Hemanta Kr. Purchit is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of

Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-\$10-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 28-2-81 until further orders.

No. 2098-B/A-30011/2/80.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade and with effect from the date shown against each:—

S. No. Name & Design	Date from which declared Quasi- Permanent	
1	2	3
1. Shrì Anwar Hakim	. Asstt. Geophysicist	9-10-1978
2. Shri Jagdish Prasad	. Asstt. Geophy. (Insttn.)	3-12-19 7 9
 Shri Narayan Ch. Sarkar 	. Do.	2-5-1980

V. S. KRISHNASWAMY Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 21st April 1981

No. 5(16)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. J. Rao, Transmission Executive, All India Radio, Panaji as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 1st April, 1981 and until further orders.

The 22nd April 1981

No. 5(54)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. A. Indira Joseph, Transmission Executive, CBS, AIR Trivandrum as Programme Executive, AIR, Trivandrum in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from 2nd April, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 22nd April 1981

No. A-20012/8/73-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri M. P. Sinha, Offg. Asstt. Newsreol Officer, Films Division, Jaipur to officiate as Cameraman in Films Division, New Delhi on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 13th March, 1981 until further orders.

S. N. SINGH Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th April 1981

No. A.12025/10/80(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint S/Shri Gian Inder and Ram Nath Kapur to the posts of Assistant Architect in the Dte. General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from 19-3-81 (Afternoon) and 1-4-81 (Forenoon) respectively and until further orders.

SANGAT SINGH Deputy Director Administration(E)

New Delhi, the 24th April 1981

No. 6-43/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. N. Das, to the post of Junior Scientific Officer (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of the 9th December 1980 until further orders.

Shri C. L. Choudhury, relinquished the charge of the post of Junior Scientific Officer (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta on the same day.

No. A.12025/3/80-St.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Apurba Kumar Mukhopadhyay to the post of Chemist at Government Medical Store Depot, Calcutta with effect from the forenoon of the 1st April, 1981, on a temporary basis and until further orders.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th April 1981

No. A.19023/4/81-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Sh. D. K. Ghosh, Assistant Marketing Officer, Bikaner, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Jaipur on regular basis with effect from 30-3-81 (FN), until further orders.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Ghosh relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Bikaner in the forenoon of 25-3-81.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

PRE-INVESTMENT SURVEY OF FISHING HARBOURS

Bangalore 560052, the 7th April 1981

No. A.12(25)/79-FH.Admn.—Shri P. C. Sharma, Accountant, Central Cattle Breeding Farm, Hessarghatta, Bangalore is appointed as Administrative Officer in the Pre-Investment Survey of Fishing Harbours, Bangalore in a purely temporary capacity on the terms and conditions mentioned in the offer of appointment of even no. dated 26th November, 1980 with effect from 1st April, 1981 (A/N) until further orders.

N. P. BHAKTA Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 30th March 1981

No. DPS/2/15/80-Est.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. N. Prabhu. a permanent Storekceper to officiate as Assistant Stores Officer in an ad hoc capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from January 3, 1981 to March 6, 1981 (AN) and in a regular capacity with effect from March 7, 1981 (FN) in the same grade and scale of pay in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

Bombay-400 001, the 7th April 1981

No. DPS/23/5/80-Est/7516.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri R. S. Sharma, a permanent storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 550—30—740—35—810—EB—35—880—40—1100—

EB-40—1200 with effect from the forenoon of April 28, 1980 to August 16, 1980 Vice Shri B. D. Kandpal Assistant Stores Officer promoted to Stores Officer.

The 8th April 1981

No. DPS/23/6/77/Fst./7561.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri E. A. Rajan, permanent Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB— 35— 880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from July 3, 1980 (FN) to March 6, 1981 (AN).

C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

NUCLFAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 8th March 1981

No. NFC:PAR:0704:1098.—In continuation of this Office Notification No. NFC:PAR:0704:219 dated 16-1-81, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) as Assistant Personnel Officer from 18-2-1981 to 28-2-1981 against Leave Vacancy.

No. NFC:PAR:0704:1107.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. S. Chhibber, permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer, on od hoc basis in Nuclear Fuel Complex. from 9-3-1981 to 25-4-1981, or until further orders whichever is earlier, against Leave Vacancy.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 24th April 1981

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby Shri Chandrasekhar Gajanan Udas as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 13, 1981 until further orders.

The 25th April 1981

No. AMD-3/1/75-Adm.—Shri P. K. Vijayakrishnan, a permanent officer in the grade of Assistant Administrative Officer of the Centralised Administrative Cadre of the Department of Atomic Energy assumed charge as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division, Hyderabad, with effect from the forenoon of April 6, 1981 on transfer from the Bhabha Atomic Research Centre, Bombay.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO: TAPP, the 15th April 1981

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri J. M. Pareek, a temporary Assistant Accountant in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960, in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of March 26, 1981, until further orders.

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent. Tarapur Atomic Power Station appoints Shri P. K. Sreedharan, a nermanent Assistant Accountant in this Power Station to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960, in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of March 13, 1981 until further orders, 18—66GI/81

No. TAPS/1/18(3)/77-R—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri J. L. Jain, a temporary Senior Stenographer in Heavy Water Project (Kota) to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960), in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of March 12, 1981 until further orders.

P. UNNIKRISHNAN Chief Administrative Officer

(DEPARTMENT OF SPACE)

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 24th March 1981

No. 10/3(46)/79-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint Shri N. Narendra as Engineer SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 5, 1979.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-I

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd April 1981

No. A.12025/3/71-E.I.(VOI.II).—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the *ad hoc* appointment of Shri K. K. Sharma to the post of Hindi Officer in the Civil Aviation Department on *ad hoc* basis upto 31-3-1981.

The 20th April 1981

No. A-32013/8/76-EI.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/8/76-EI dated the 9th January 1981, the President is pleased to appoint/continue Shri B. Hajra, Deputy Director to the post of Regional Director in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis beyond 31-1-81 and upto 30-6-81 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 21st April 1981

No. A,32013/7/79-FI.—The President has been pleased to the continuance of the ad-hoc appointment of S/Shri B. K. Gandhi and J. S. Chauhan in the grade of Scientific Officer beyond 31-12-80 and upto 30-4-81 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier.

The 24th April 1981

No. A.32013/3/79.E.I.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/3/79-E.I.. dated the 29th December 1980 the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following two officers in the grade of Senior Scientific Officer for the period mentioned against their names or till the regular appointments are made, whichever is earlier.

Shri F. C. Sharma beyond 31-12-80 and upto 30-3-81
 Shri B. K. Joshi beyond 31-12-80 and upto 29-3-81

S. GUPTA

Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 9th April 1981

No. A.32013/2/79-EW.—The President is pleased to appoint Shri N. Gopal, Assistant Director (Equipment) to the grade of Deputy Director (Equipment) in the scale of Rs. 1500-60-1800 on an ad-hoc basis with effect from the the 2nd April, 1981 for a period of six months or till the regular appointment to the grade is made whichever is earlier.

2. The ad-hoc appointment of Shri N. Gopal shall not bestow on him a claim for appointment to the post of Deputy Director (Equipment) on a regular basis, and service so rendered by him on ad-hoc will neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the pext higher grade.

3. Shri N. Gopal is posted at Director General of Civil Aviation Headquarters, New Delhi.

E. L. TRESSLOR Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 28th April, 1981

No. A-19012/902/81-E-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

S.	No. Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE	Where posted
1.	S/Shri R. B. Soni Supervisor	9-3-1981 (F.N.)	Deputy Chief Engineer's Office, G. B. W. R. O. New Delhi.
2.	S. L. Jain Design, Assistant	10-3-1981 (F.N.)	E. R. D. D. I Directorate.
3.	Jai Parkash Supervisor	25-3-1981 (F.N.)	F. A. III Dte.

A. BHATTACHARYA
Under Secretary
Central Water Commission.

MINISTRY OF LAW

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rural Saving and Investment Private Limited.

Cuttack, 20th April 1981

No. SO/755/80/394.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Rural Savings and Investment Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd./- JLLEGIBLE Registrar of Companies, Orissa, Cuttack

In the matter of the Companies Act, 1956 and of "Baby Finance Chit Fund Private Limited".

Ponicherry, the 21st April 1981

Co. No. 102/81.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "Baby Finance Chit Private Limited" has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of "Thirumalai Trading Company Private Limited"

Pondicherry, 21st April 1981

Co. No. 115/81.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "Thirumalai Trading Company Private Limited" has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO Registrar of Companies Pondicherry

In the matter of the Companies Act, 1956 Amalgamated Builders Private Ltd.

Bangalore-9, the 22nd April 1981

No. 2788/560/8081.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Amalgamated Builders Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

PATNA, the 15th April 1981

Ref. No. III-482/Acq/81-82—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 240, Thana No. 7 Khata No. 201, Plot No. 75 situated at Nauratanpur Nandlalpur, District Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna, on 30-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Bipta Kuer W/o Julumdhari Rai, R/o Mohalla—Moharampur Goriatoli, P. S. Kotwali, District Patna. P. O. G.P.O.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi W/o Shri Manoharlai Sharma of Bari Badelpura, P. S. Khagaul, District Patna.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas situated at Mouza Nauratanpur Nandlalpur, P. S. Kankarbagh, District Patna morefully described in deed No. 6552 dated 30-8-80 registered with D.S.R., Patna

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 15-4-81.
Seal:

FORM I.T.N.S.-

Sh. Hukum Chand Bhatia, s/o Shri Shore Ram Bhatia, r/o Mohalla: Ramdaspura, Jullunder City, Punjab.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1981

Ref. No. Acq/3461-A/KNP/80-81:—Whereas I, BIBEK BANERJI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S PER SCHEDULE situated AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AKanpur on 9-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

s/o Shri Ali Hussain, r/o 92/67, Purwa Hiraman, Kanpur.

(2) Mohd, Asghar,

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural plots Nos. 265, 264, 296, 299, 300 & 301 situated in Gajjoopurwa, Jajmau, Kanpur measuring 3167.97 sq. mtrs. fair market value of which exceeds more than 25% of the apparent consideration of Rs. 2 lacs.

BIBEK BANERJI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KANPUR.

Date: 18-4-81.

Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th April 1981

Ref. No. BGR/33/80-81—Whereas J, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop plot No. 17-A Type measuring 150 sq. yard Situated at Nehru Park, NIT, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Aug., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Narain Mehra S/o Shri Chhanu Lal, R/o Greater Kailash, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Veena Kumari D/o Sh. Brijender Singh R/o, V. & P. O. Sahi, Distt, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being shop plot No. 17-A situated in Nehru Park, NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6017 dated 20-8-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 20-4-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th April 1981

Ref. No. GRG/33/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 587/17-A, Shivaji Nagar, Situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Aug. 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh, Mohammad Idrish S/o
Sh, Buldkha R/o
Alimade Teh, Hathin Distt., Faridabad,

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar, Jawahar Singh sons of Shri Munshi Ram, Vil. Sikohpur Teh. & Distt., Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 587/17-A, situated in Shivaji Nagar, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2606 dated 8-8-1980 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date -20-4-1981. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1981

Ref. No. KNL/61/80-81:—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 240 B/L, Model Town, Situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Aug., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (i) Smt. Kushalya Devi Modi Wd/o
 - (ii) Sh. Basant Kumar Modi, R/O 240 B/L, Karnal.
 - (iii) Smt. Janak Dulari Sachdeva,
 - (iv) Smt. Kamlesh Nagpal D/o Sh. Bhim Sen, Karnal.
 - (v) Smt. Indra Kumari, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Mohan Jain S/O Shri Mool Chand Jain C/O Special Machin, Karnal.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 240 B/L, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2742 dated 8-8-80 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Rohtak

Dated; 15-4-1981.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1981

Ref. No. KNL/54/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 260, Braham Nagar situated at Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Charanjit Singh, Kuljit Singh, Kirpal Singh sons of Sh. Harbehl Singh and Ajit Kaur D/o Shri Harbehl Singh R/o House No. 260, Braham Nagar, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lai S/o Sh. Sital Dass, R/o House No. 260, Braham Nagar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 260, Braham Nagar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2684 dated 5-8-80 with the Sub-Registrar, Karnal,

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-4-1981.

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ishwar Devi W/o Sh. Hukam Chand, R/o Banson Gate,

R/o 1099, Gulabi Bagh, Dolhi.

(1) Shri Lal Chand S/o Sh. Thakar Dass Arora,

(Transferor)

Karnal present 1/23 M. C. XIV 349, Subhash Gate, Karnal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1981

Ref. No. KNL/62/80-81:--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 12/3 (M. C. No. XIV-349) situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :→

19--66GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 12/3, M. C. XIV, 349, Subhash Gate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2776, dated 18-8-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

> G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st April 1981

Ref. No. BGR/39/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 700, Sector 15-A, Faridabad situated at Paridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Lubhaya Dogra, H. No. 2036/Sec. 27-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Ahuja S/o Sh. J. L. Ahuja, Addl. Director (F & A) Oil, Natural Gas Commission, & Makarpura Road, Baroda (Gujarat).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 700, Sector 15-A, Faridabad, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6275 dated 27-8-80 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date; 21-4-1981,

(1) Shri Jeet Singh Alias Ajit Singh, R/o Sihi, Teh, Ballabgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Niranjan Singh, Sheodan Singh, Jagbir Singh, Dhan Singh, Dharam Singh, Ranbir Singh, Satbir Singh ss/o Shri Mangal Singh, R/o Village Sihi, Teh. Ballabgarh.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PROHTAK

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Rohtak, the 21st April 1981

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. BGR/41/80-81:—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

House situated at Village Sihi Teh. Ballabgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Aug. 1980

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being a residential house situated in Village Sini, Teh. Ballabgarh and as more municiped in the sale doed registered at No. 6280 doted 28-8-30 with the Sun-Registrat, Ballabgarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Hispating A. Islant Commissioner of Income-tax.
Aconisition Range, Robtak

Date: 23-4-1981.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd April 1981

Ref. No. JDR/45/80-81:--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot & building measuring 3544 sq. yards, Industrial Area situated at Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Yamunanagar in Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/S Parkash Electricals, Yamunanagar through Shri K. C. Uppal S/o Sh. Kishan, Smt. Kailash Ran W/o Sh. K. C. Uppal, R/o Yamunanagar.
 (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Chand S/o Sh. Nanak Chand, R/o Vill Tigri, Teh. Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot with building measuring 3544 sq. yards situated in Industrial Area, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3194 dated 21-8-80 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 23-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th April 1981

Ref. No. AMB/68/80-81--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 6383-84-W.-3/996-997-B-III Situated at Sarafa Bazar, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in Aug. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Vijay Kumar Jain S/o Sh. Banarsi Dass Jain, H. No. 1469/1, Ambala City.

(Transferor)

(2) M/S. Lachhmi Chand Tara Chand, Sarafa Bazar, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No. 6383-84-W-3/996/997-B-III situated in Sarafa Bazar, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2904 dated 2-8-80 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak-

Date: 20-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April, 1981

Ref. No. BGR/37/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 1528/7E measuring 153:33 sq. yards Situated at Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in Aug. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mal Chand Somani S/O Sh, Suraj Mal Somani R/O 1528/7, Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Gupta W/o Sh. Vinod Bharat, Gupta House No. 1528/7E, Faridabad.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1528/E measuring 153 33 sq. yards situated in Sector 7, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 22-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th April, 1981

Ref. No. JDR/68/80-81:—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, House measuring 61'-6"+30' Situated at Narain Colony, Yamunanagar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in Aug. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Amar Singh S/o Sh. Kartar Singh, R/O Narainpuri, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Sh. Dharamvir Madan S/o Sh. Ram Kishan, R/O Model Town, Yamunanagar.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House situated at Narain Colony, Yamuna-Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3733 dated 29-8-80 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 20-4-1981.

Seal;

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April, 1981

Ref. No. BGR/26/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 124 NH 3-A, NIT, Situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jamman Dass S/O Sh. Dasu Ram, 14/85, New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferer)

(2) Shri Satya Dev S/o Sh. Om Parkash, House No. 3A/124, NIT, Faridabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 124, NH, 3A, NIT, Faridabad and as more discussed in the sale deed registered at No. 5567 dated 4-8-80 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 22-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April, 1981

Ref. No. PNP/41/80-81;—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kotha with land Situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Aug. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-66GI/81

- (1) Shri Shankar Lal Faqir Chand s/o Shri Shri Chhanu Ram, Panipat.
- (Transferor)
- (2) M/S P. K. Interprises, Panchranga Bazar, Panipat.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kotha with land situated at Krishanpura Gohana Road, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2834 dated 20-8-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 22-4-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April 1981

Ref. No. HSR/17/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, Land measuring 83 kanal 13 marla Situated at Hissar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Aug. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lachhman Dass S/O Parma Nand Ram Lal S/O Chanan Dass,
 R/O 40-N, Model Town, Hissar,

(Transferor)

- (2) 1) Shri Sham Sunder S/O Sh. Lachhman Dass C/O Shenai Brand Oil Gobindgarh Bazar, Hissar.
 - Shri Ram Sarup S/O Sh. Sankur Lai C/o M/S Ram Sarup Ruli Ram, New Mandi, Hissar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 83 kanal 13 marla situated at Hissar Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2235 dated 12-8-80 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 22-4-1981.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Balwan Singh S/O Sh. Lalu R/O Kunjpura Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) M/S Durga Rice Mills, Kunjpura, Teh. Karnal.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April 1981

Ref. No. KNL/70/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 16 kanal Situated at Kunjpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

at Karnal in Aug. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

1908) in the office of the Registering Officer

transfer with the object of:-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanal situated at Kunjpura and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2879 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-4-1981.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April 1981

Ref. No. RWR/28/80-81:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Residential house No. 256-R, Model Town, Situated at Rewarl, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewarl in Aug. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbans Lal S/O Shri Ganpat Ram S/O Sh. Kanshi Ram R/O Model Town, Rewari.

(Transferor)

(2) Shri Vidya Sagar Prem Sagar, Amrit Sagar sons of Shri Ishwar Chand, House No. 256-R, Model Town, Rewarl.

(Transferere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being residential house No. 256-R situated in Model Town, Rewari, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1756 dated 27-8-80 with the Sub Registrar, Rewari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 22-4-1981.

object of :-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd April 1981

Ref. No. RWR/27/80-81:-Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7262 Situated at Gur Bazar, Rewari. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rewari in Aug. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (I) Shri Abhi Nandan Kumar S/O Shri Bulla Smt, Chalti Devi W/O Shri Nand Ram R/O Rewari. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi W/O Sh. Balwant Rai, Smt. Parvati Devi W/O Sh. Naresh Kumar, Devinder Kumar, Vijay Kumar, Sudhir Kumar, ss/o Shri Balwant Ram R/O Rewari.

(Transferere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being shop No. 7262 situated at Gur Bazar, Rewarl and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 1774 dated 25-8-1980 with the Sub Registrar, Rewari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incoemt-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 22-4-1981.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1981

Ref. No. 924:--Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-89, C-42 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. J. R. S. Engineering Works, Industrial Estate, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s U. P. Electrical Ltd., Ring Road, Lajpat Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-89, C-41, C-42, Industrial Area, Jaipur South and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 1761 dated 6-8-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecing Assistant Commissioner of Income Tax,
PAcquisition Range, Jaipur.

Date: 22-4-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1981

Ref. No...... Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

B-125 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 25-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Chand Jain, S/o Gappulal Jain, Chokri Ghat Gate, Jaipur,

(Transferor)

(2) Shri Radhey Shyam,S/O Kishorilal,B-125, Sethi Colony,Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. B-125, Arjunlal Sethi Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 2115 dated 25-8-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 22-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1981

Ref. No./926:—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Meena Devi W/o Shri Hardeo Vyas, and Murlidhar S/o Hardeo Vyas, Shri Shantilal Vyas S/o Hardeo Vyas, Smt. Koshalya, Smt. Hariya Kumarl and Smt. Santosh D's/o Hardeo Vyas GPA Shri Hariram Vyas, Laxmi Timber Mart, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s Panch Ratua Pvt. Ltd., Balaji Ka Rasta, Ramganj Anaj Mandi, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Hathroi Scheme, Gopal Bari, Ajmer Read, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 1725 dated 6-8-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 22-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th April 1981

Ref. No. 911 —Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
21—66GI/81

Shri Chandmal,
 S/o Shri Fateh Raj Singh,
 R/o Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chawar Singh, S/o Shri Jaman Singh Parihar, Mahamandir, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Dharam Narainji Ka Hatha, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide No. 2295 dated 4-11-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-4-81.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1981

Ref. No./918:—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 11 situated at Bharatpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registration Officer

at Bharatpur on 16th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exerces the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gir Raj Singh,
 S/o Shri Abhay Singh Jat Kumher Gate,
 Bharatpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath Prashad S/o Shri Narain Lal, Bhikchand S/o Jagannath Prashad & Madan Mohan S/o Bhikchand Vaish Niwasi, Bharatpur.

(Transferree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, New Mandi, Bharatpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Bharatpur vide No. 2212, dated 16-8-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 18-4-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1981

Ref. No./919:—Whereas, I.M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 11 situated at Bharatput.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bharatpur on 16-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gir Raj Singh, S/o Shri Abhay Singh, Jat Kumher Gate, Bharatpur.

(Transferor)

(2) Shri Khem Chand, S/o Shri Bhik Chand, R/o Bharatpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 New Mandi, Bharatpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Bharatpur vide No. 2213 dated 16-8-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 18-4-8.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 31st March, 1981

C. R. No. 62/27932/70-71/Acq./B:—Whereas, I, R THOTHATHRI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 546, situated at 20th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar Bangalore Doc. No. 2636/80-81 on 25-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiven per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri H. S. Raghavendra Rao, S/o. Sri H. S. Srinivasa Rao, No. 2/49, Bhuta Nivas, Matunga, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. K. Vishalakshi Raju, W/o, Sri K. V. P. Raju, No. 67/30, 41st Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No'. 2636/80-81 Dated 25-8-80.

Property bearing No. 546, situated at 20th Main Road, 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore measuring a site area of 60'×40' with 12-1/2 squares building thereon.

Bounded on:

North by site No. 545 South by site No. 547 East by site No. 583 West by Road.

R. T. HOTHATHRI,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant CCommissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28240/80-81/Acq./B:—Whereas,I. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33 (New No 53) situated at Govindappa Road,

Basavanagudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavangudi Bangalore, Doc. No. 2541/80-81 on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K S. Vishwanath, S/o Late K Srinivasamurthy, Residing at NDOLA—Zambia, Camp C/o Sri Srinarasimhaiah, No 31, Shankar Park, Shankarapuram, Bangalore-4

(Transferor)

(2) Shri A Mahabale Hobbar, S/o Sri Late A Puttanna Hebbar, No 53, Govindappa Road, Bangalore-560004

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2541/80-81 Dated 12-9-1908)

Property bearing No. 33-45/I, New No. 53, situated at Govindappa Road, Basavangudi, Bangalore-4, measuring 182 26 Square meters and building thereon:

Bounded on:

North by private property
South by Govindappa Road,
East by Private property
West by Red cross Society

R THOTHATHRI,
Competent Authority.
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore,

Date : 3-4-1981

g cal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd April 1981 CR No. 62/28371/80-81/Acq/B:—Whereas, J, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1 (old No. 140/2) situated at IV Cross, Chinnayanapalya, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore-DOC. No. 3205/80-81 on 25-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri V. L. Vidya Shankar B-1, Shankarapark, Ranga Rao Road, Shankarapuram, Bangalore.

(Transferor)

 Shri T. H. Mushtaq Ahmed, No. 9, Laxmi Road, Shanthinagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3205/80-81 Dated 25-9-1980. Property bearing No. 1 (old No. 140/2) situated at IV Cross, Chinnayanapalya, Bangalore, measuring 2160 square feet Site area with building thereon.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th April, 1981

Ref No SRD/43/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Land measuring 40 kanals situated at V. Nabipur, Teh. Sirhind Distt Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Pritmoninder Singh S/o Major Mohinder Singh, V. Nabipur, now at House No. 158, Sec. 33, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Puran Singh S/o Sh. Lal Singh & S/Shri Mangal Singh, Gurmukh Singh & Bhupinder Singh sons of Shri Puran Singh, R/o Mugal Majra, Teh. Amloh, Distt. Patiala. P. O. Gobindgar

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals at V. Nabipur, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2191 of August, 80 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incoem-tax,
Acquisiton Range, Ludhiana

Date: 9th April, 1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April, 1981

Ref. No. LDH/160/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property No B-1II-1555/I—1555/2 (B-II-1554 New) situated at Kucha Seth Sant Dass, near Clock Tower, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sukhdev Pal Bhakoo & Sh. Ramesh Pal Bhakoo, sons of Sh. Lal Chand S/o Sh. Kundan Lal, R/o 99 C, Udham Singh Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- Smt. Surinder Kaur W/o S. Manjit Singh R/o Haji Ganj, Patna City.
 - Smt. Kamaljit Kaur W/o Sh. Darshan Singh &
 Smt. Harjit Kaur W/o S. Kuldip Singh, residents of Kachi Ghat, Patna City.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-II-1555/1-1555/2 (B-II-1554) Kucha Seth Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2754 of August, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No. LDH/167/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Booth No. 61, situated at Bhadaur House, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—
22—66GI/81

(1) Shri Ajit Singh S/o Shri Harbhajan Singh, R/o Chaminda, Teh & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Nath S/o Shri Kishori Lal, R/o House No. B-III-461, Raja Street, Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 61, Bhadaur House, Ludhlana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2851 of Aug., 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-4-1981 .

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No.LDH/142/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 217Sq. yds. situated at Cemetry Road, Civil Lines, Ludhlana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gunwant Kaur D/o S. Jeewan Singh, now W/o S. Ranbdhir Singh S/o S. Mehar Singh, R/o House No. 161, Sec. 9B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal Jain S/o Sh. Sohan Lal S/o Shri Vaishuoo Dass, R/o B-V-490, Hazuri Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 217 1/2sq. yds. at Cometry Road Civil Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 2528 of August, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incoeme-Tex, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-4-1981,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No. LDH/154/80-81:--Whereas f, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot measuring 217 1/2 Sq. yds. situated at Cemetry Road, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gunwant Kaur D/o Sh. Jeewan Singh, now W/o Sh. Randhir Singh S/o Dr. Mehar Singh, R/O 161, Sector 9B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Yashpal Jain S/o Sh. Sohan Lal S/o Shri Vaishnoo Dass, R/o B-V-490, Hazur Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 217 1/2 sq. yds. at Cemetry Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2675 of August, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiann

Date: 9-4-1981.

 Smt. Gunwant Kaur D/o S. Jeewan Singh, now W/o Sh. Randhir Singh R/o 161, Sect. 9B, Chandlgarh.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal Jain S/o Shri Sohan Lal S/o Shri Valshnoo Dass R/o B-V-490, Hazuri Road, Ludhiana.

(Transferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No. LDH/168/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, Plot measuring 217 1/2 sq. yds. situated at Cemetry Road, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 217 1/2 sq. yds. at Cemetry Road, Civil Lines. Ludhiana.

(The property as mentioned in the safe deed No. 2858 of August, 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, 9th April 1981

Ref. No. LDH/210/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 217 1/2 sq. yds. situated at Cemetry Road, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gunwant Kaur D/o S. Jeewan Singh, now W/o Sh. Randhir Singh S/o Dr. Mehar Singh, R/o 161, Sector 9B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Yashpal Jain S/o Sh. Sohan Lal S/o Sh. Vaishnoo Dass, R/o B-V-490, Hazuri Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 217 1/2 sq. yds. at Cemetry Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3303 of August, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND:
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No. CHD-183/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3, Sector 4. situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (i) Mr. Justice Satish Chander Mittal, Judge, Pb. Hr. High Court, r/o 29, Sector 4, Chandigarh.
 - (ii) Sh. Kailash Chander Mittal, r/o H. No. 347, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (i) Sh. Bhupinder Singh s/o Sh. Devinder Singh, rfo 321, Sec. 9 Chandigarh,
 - (ii) M/s Key Investments and Finance Pvt. Ltd.34 Indl. Area Rajpurathrough Smt. Sita Devi Director Chandigarh.
 - (iii) M/s. Bhupindera Welfare Trust through Sh. Devinder Singh,
 Trustee r/o 321, Sec. 9,
 Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3, Sector 4, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1072, of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 9 April, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No. LDH/153/80-81:—Whereas I, SUKHDEV, CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Shop No. B-IV-1944, situated at Chaura Bazar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons namely:—

(1) S/Shri Ram Rachhpal Batta,
Ram Gopal Batta, Rai Chand Batta,
Hukuam Chand Batta & Chiranji Lal Batta,
C/o Ram Rachhpal Batta,
Commission Agent,
Anaj Mandi Ahmedgarh,
Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shrì Ved Parkash S/o Sh. Lakhmi Chand C/o M/s Lahkmi Chand Ved Parkash, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s. Inder Singh & Sons, Tailors, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-IV-1994, Chaura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2662 of Aug. 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1981

Ref. No. LDH/116/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House Property No. B-XIX-1123 (B-XIX-2113 New) situated at Islam Ganj, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Satwant Kaur Wd/o Sh. Ram Singh, House No. B-XIX-2113, Islam Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Tehal Singh S/o Shri Buta Singh & Smt. Sumitra Kaur, R/o B-19-1108, Islam Ganj, Ludhjana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-19-1125 (B-19-2113 New), Islam Ganj, Ludhiana Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 2575 of August, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April, 1981

Ref. No. DHR/5/80-81:—Whdereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

1/3rd share of Land 4 Bigha 6 Biswas situated in Dhuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—66GI/81

 Sh. Sarup Singh s/o Puran Singh, r/o Dhuri.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Kumar s/o Sh. Sarup Chand, Smt. Bhagwanti w/o Sh. Sarup Chand, Sh. Mohan Chandra, Sh. Hans Raj, Kaka Ram, ss/o Sh. Lala Kirpal Mal and Janak Dulari, r/o Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this πotice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of land measuring 4 Bighas 6 Biswas situated Dhuri.

The property as mentioned in the registered deed No. 2937 of August, 80 of the Registering Authority Dhuri.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20 April, 1981.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. DHR/6/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 1 Bigha 15 Biswas situated at Dhuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Maghar Singh s/o Sh. Modhu s/o Sh. Warya m Singh, r/o Dhuri.

(Transferor)

(2) Sh. Subash Chand s/o Sh. Lala Sarup Chand, r/o Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1B, 15B, situated in Dhuri. (The property as mentioned in the Registered deed No. 2956 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. DHR/7/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 1B, 15B situated at Dhuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Dhuri in August, 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh, Gurdev Singh s/o Modhu Singh s/o Waryam Singh,
 r/o Dhuri.
 - (Fransferor)
- Smt. Bhagwanti Wd/o Lala Sarup Chand, r/o Dhuri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1Bigha 15 Biswas situated in Dhuri.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2957 of August, 1980 of the Registering Authority, Dhuri.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authirtoy,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-1981.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 20th April 1981

Ref. No. DHR/8/80-81;—Whreras I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1B 15B situated at Dhuri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Modhu s/o Sh. Waryam Singh,
- r/o Dhuri.

(Transferor)

 Sh. Sunil Kumar s/o Lala Sarup Chand, r/o Dhuri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1B 15B situated in Dhuri. (The property as mentioned in the Registered deed No. 2958 of 8/80 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 20-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUD HIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. AML/71/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 3 Bigha 8 Biswas situated at Mandi Gobindgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 80

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sh. Bikramjit Singh, Amrik Singh s/o Sh. Mehar Singh through Sh. Mehar Singh r/o Ward No. 1, Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) Sh. Rajeshwar Parshad s/o Shri Mithuan Lal r/o Ward No. 12, Mandi Gobindgarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bigha 8 Biswas situated in Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1210 of 8/80 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV, CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhians, the 20th April 1981

Ref. No LDH/151/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Factory Building No. B.XXI.260 situated at Indl. Area B, Ludhjana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhjana in August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Nand Lal Baldev Raj sons of Shri Karam Narain, R/o 1046, Jannat Manjil, Hazurl Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Pal, S/o Sh. Walaiti Ram, R/o 47B, shastri Nagar, Ludhlana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of factory Building No. B. 21,260, Indl. Area B, Ludhjana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2621 of Aug, 80 of the Registering Authority, Ludhjana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhjana

Date: 20-4-1981

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 20th April 1981.

Ref. No CHD/209/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

1596, sector 18-D,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh R.S. Sodhi and Sq. Ldr. J.S. Sodhi, s/o Late Sh. Jagat Singh

r/o 16/438, Lodhi Colony, New Delni.

(2) Sh. Sanjiv Beri s/o Sh. B. K. Beri, R/o H. No. 27, Sector 7, Chandigarh,

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No.1596, situated in Sector 18-D, Chandigarh, (The property as mentioned in the registered deed No. 1164, of August 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD/173/80-81/--Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 221

situated at Sector 11A, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1980.

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Devinder Kaur w/o Sh. Iqbal Singh through her Attorney Shri Kewal Singh s/o Sh. Balwant Singh,

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Mittal W/o Sh. Kedar nath Mittal, House No.1522, Sector 11D, Chandigarh.

r/o V. Dosanjh Kalan, Juliundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 221, Sector 11A, Chandigarh. (The property mentioned in the sale deed No. 1038 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE, LUDHIANA.

Ludniana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD/192/80-81/--Wheresas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Semi built residential plot No. 250, situated at Sector 19-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
24—66GI/81

 Smt. Savitri Birj Mohan w/o Sh. Birj Mohan r/o Showroom 25, Madhaya Marg, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Siri Kirshan s/o Sh. Joyti Parshad, r/o 163, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Semi built residential Plot No. 250 situated in Sector 19-A, Chandigarh. (The property as montioned in the registered deed No. 1099, of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authorlry
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhlana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD/202/80 81/ Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H.No. 1083, Sector 19-B,

situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Arjan Dass s/o Sh. Chunna Ram r/o 1083, Sector 19-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Kalyan Dass Tutlani s/o Sh.Harumat Tutlani r/o H.No.1083, Sector 20-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1083 situated in Sector 19-B, Chandigarh. (the property as mentioned in the registered deed No. 1124 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA. Ludhiana, the 20th April 1981.

Ref. No. AML/65/80—81-~Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing:

No. 1/2 share of Land 5 Bigha 2 Biswas

situated at V. Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in August, 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jagar Singh, S/o Sh. Kehar Singh, r/o Vill. Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) M/s Diwan Chand Dhanpat Rai, Mill Owners, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share of Land measuring 5 bigha 2 biswas situated in Kukkar Majra S. Teh. Amioh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1115 of August, 80 of the Registering Authority, Amloh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 20th April 1981

Rcf. No AML/66/80-81-Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land 5 Bigha

situated at V. Jassran Sub-Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Amarjit Kaur w/o Sh. Gurnam Singh, r/o V. Jassran P.O. Mandigobindgarh.
 (Transferor)
- (2) Sh.Madan Lal and Murarilal 65/0 Sh. Vir Bhan r/o Ward No.11, Mandigobindgarh.

(Ttansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bigha situated in V. Jassran S. Teh. Amloh. The property as mentioned in the registered deed No. 1146 of August, 80 of the Registering Authority, Amloh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No.LDH/157/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 253 3/4 sq. Yds.

situated at Tarf Gahlewal, Dr Shan Singh Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Harnam Singh, S/o Shri Dalip Singh, R/o B-X1X-482, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Rattan Chand, S/o Sh. Basheshar Dass, R/o B-IX-723, Gulchaman Gali, Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 253 3/4 Yds.at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2728 of August, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. LDH/158/80-81.--Whoreas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 253 3/4 sq. yds.

situated at Dr. Sham Singh Road, (Tarf Gahlewal) Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Ajit Kaur W/o Sh. Daljit Singh through Sh. Harnam Singh, R/o B-19-482, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar S/o Sh. Rattan Chand R/o House B-IX-723, Gulchaman Gali, Ludhlana, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 253 3/4 sq. yds. at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

The property as mentioned in the sale deed No. 2729 of August, 80 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKNDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD/204/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1366, Sector 33-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely te-

- Lt. Col. B. M. Singh s/o Sh. Nanak Singh,
 r/o E-30, Defence Colony,
 New Delhi through,
 Sh. Dr. Amarjit Singh s/o Sh. Gurcharan Singh,
 r/o Ropar.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Kuldip Kaur w/o Sh. Mohan Singh Sh. Pritmohan Singh s/o Sh. Mohan Singh, r/o 1366, Sector 33-C. Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1366 situated in Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1138 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD/184/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1876, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Comm. Darshan Singh (Retd) s/o Sh. Partap Singh, D-27, Second floor, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Govind Saroop Aggarwal s/o Sh. Balwant Rai Aggarwal & Mrs. Raksha Aggarwal w/o Sh. Govind Saroop Aggarwal, r/o 808, Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1876, Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 1073, of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 20-4-1981.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. LDH/156/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 533 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
25—66GI/81

 Smt. Baljinder Kaur D/o S. Jagjit Singh, H. No. 12, New Grain Market, Sirhind Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Harbeant Kaur W/o Sh. Darshan Singh, Assistant Professor, Deptt. of Pathology, Punjab Agricultural University, Ludhlana-141004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 533 sq. yds. at Gurdev Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2714, of Aug., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 20-4-1981,

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD /201/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 178, situated at Sector 33A, Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. C. Dhawan S/o Sh. Bindra Ban Dhawan, CI Kalka Ji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sharwan Dhawan W/o Sh. J. C. Dhawan, R/o 1919, Sec. 22B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 178, Sec. 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1123 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Eudhiana

Date: 20-4-1981.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April, 1981

Ref. No. CHD/206/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/2 share in Plot No. 178 situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Major R. C. Dhawan, C-I, Kalka Ji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sharwan Dhawan,1919, Sector 22B,Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. 178, Sec. 33A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1142 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April, 1981

Ref. No. CHD/194/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 662 situated at Sector 33B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Air Commdr. Rajinder Singh S/o Dr. M. S. Bajaj, 50A, H. Q. Eastern Command IAF, Shillong.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh S/o Sh. Piara Singh & Mrs. Jaswinder Kaur W/o Sh. Kuldip Singh, T/o House No. 353, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No . 662, Sector 33B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1107 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-1981.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April, 1981

Ref. No. CHD/210/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃, 25,000/-and bearing

Residential Plot No. 1810 situated at Sector 33D, Chandigarh. (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifturen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Amrik Singh Gill S'o Sh. Deva Singh, through General Power of Attorney Shri Hukam Singh, S/o Shri Tara Singh, R/o 1810, Sec. 33D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur W/o Sh. Hukam Singh, R/o House No. 1810, Sec. 33D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1810, Sector 33D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of Aug/Sept. 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-1981.

Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April, 1981

Rcf. No. CHD/216/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 3314, situated at Sector 35D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagjit Rai Badhwar,
 V & P O Fatehgarh Churian,
 (Gurdaspur) through general power of attorney,
 Shri Gurdev Singh,
 R/o 108, Sec., 35A,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh, R/o 3314, Sec. 35D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3314, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1234 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April, 1981

Ref. No. LDH/147/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 750 sq. yds. situated at New Janta Nagar, Ludhiana.

more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belieze that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Gurcharan Singh s/o Sh. Teja Singh through his attorney Shri Dilbagh Singh S/o Sh. Iqbal R/o Indra Nagar, Ludhiana,

(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur W/o Shri Piara Singh, R/o House No. 448, Gali No. 1, Janta Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 750 sq. yds. at New Janta Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2578 of August, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 20-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th April 1981

Ref. No. CHD/193/80-81:—Whereas I, SUKHDEV, CHAND,

Plot No. 217 (constructed upto roof level) situated at Chandigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charanjit Singh s/o Sh. Jagjit Singh, r/o 1029, Sector 15B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri J. P. Yadav s/o Sh. Asa Ram Yadav of Health Service, Haryana, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 217 (constructed upto roof level) Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1106 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20-4-1981.

Scal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th March 1981

Ref. No. RAC No. 514/80-81:—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

18-2-230 situated at Bhavani Nagar Tirupathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Tirupathi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaki exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—66GI/81

 Shri Yeturi Krishna Reddy s/o Narayan Rao, Contractor, 230, Bhavani Nagar, Tirupathi,

(Transferor)

 Shri Rahimutunnisa w/o Sayyad Ghouse, Old pet Chandragiri, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18-2-230 Bhavani Nagar Tirupathi registered with Sub-Registrar Tirupathi vide Document No.: 3524/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-3-1981.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th March 1981

Ref. No. RAC No. 515'80-81:—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Pedda kapu veedhi, Tirupathi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Hariprkash s/o P. Guruva Reddy, 165, Pedda Kapu Street, Tirupathi.

(Transferor)

(2) Smt. K. Venkata Subba MMa, w/o K. Rama Subbayya, Tilak Road, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land (House Site) 345 sq. yrds at Peddakapu Veedhi 13th ward in T. S. No. 12/1 at Tirupathi registered with Sub-Registrar Tirupathi vide Document No. : 3305/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-3-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th march 1981

Ref. No. RAC 516/80-81,—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and Bldg. situated at Tirupathi Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thirupathi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wellth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the adjustion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (i) M. S. Raja S/o M. Srinivasa chari, No. 8 Usman Road, Padmanabha Chetty St, T. Nagar, Madras-17.
 - (ii) M. S. Ramu alias Ramanujam S/o M. Srinivasachari No. 5 Sardar Manickam St., West Mambalam Madras-33.
 - (iii) M. S. Anantha Padmanabhan S/o M. Srinivasachari
 No. 8 Usman Road, Padmanabha Chetty St.,
 T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. P. Jayalakshmamma W/o P. Kumaraswamy, 16 A. G. Car Street, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at 49 Govindaraja Car Street, Tirupathi Town, Ward No. 15 Chandragiri Taluk Total area 12,580 sq. ft. Registered with Sub-Registrar Tirupathi vide Document No. 4643/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th May 1981

Ref. No. RAC No. 517/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-597/24 situated at Lower Tank Bund Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Govindu Narahari alias, G. N. Hari, S/o G. Rangaiah, 1-2-597/24/1, Domalguda, Lower Tank Bund Road, Hyderabad-29.

(Transferor)

(2) Mrs. Kalindi Chintawar, W/o Dr. Sudhakar Chintawar, 4-8-749, Gowlinguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor M. No. 1-2-597/24 plinth area 1,700 sq. ft. at Lower Tank Bund Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabd vide Document 8900/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 19-3-1981.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th March 1981

Ref. No. RAC 518/80-81:—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot 2/A situated at Kachiguda St. Road, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally Hdy. on Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Sri Mareddy Shankar Reddy S/o Sri Narayan Reddy, H. No. 16. 11. 19/4/2/2, Saleem Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bhavana Theatres Ltd., Reg. No. 2527 Rep. By Director Sri M. R., Kondal Reddy S/o Sri Narayan Reddy, 16-11-20/27 Salcemnagar, Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2/A situated at Kachiguda Station Road, Survey No. 100 M. No. 3-2-870/3 area 200 sq. yards registered with Sub-Registrar Chikadpally Hyderabad vide Document No. : 94/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-3-1981.

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th May 1981

Ref. No. RAC 519/80-81:--Whereas, 1 S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. I/A situated at Kachiguda, St. Road, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikadpally, Hyd. on August, 80

for an apparent consideration which is less than the fluir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Mareddy Ramsiva Reddy, S/o Narayan Reddy 3-5-19039 Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bhavana Theatres Ltd. Reg. No. 2527, Rep. by Director Sri M. R. Kondal, Reddy S/o Narayanreddy, 16-11-20/27 Saleemnagar, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1/A situated at Kachiguda Station Road, Hyderabad Survey No. 100 M. No. 3-2-870/3 area 200 sq. yares registered with Sub-Registrar Chikadpally, Hyderabad vide Document No. : 92/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-5-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th March 1981

Ref. No. RAC 520/80-81:—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 2/B situated at Kachiguda Station Road, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikadpally-Hyd, on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exects which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Mareddy Shankar Reddy S/o Narayan Reddy H. No. 16-11-19/4-/2/2 at Salcemnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bhavana Theartres Ltd. Reg. No. 2527 Rep. By Director Sri M. R. Kondal Reddy S/o Narayan Reddy, 16-11-20/27 Salcemnagar, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2/B, situated at Kachiguda station Road, Hyderabad Survey No. 100 M. No. 3-2-870/3 area 219 335 sq. yards registered with Sub-Registrar Chikadpally Hyderabad vide Doc. No. 89/90.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hydrabad

Date: 27-3-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th March 1981

Ref. No. RAC No. 521/80-81:—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Plot No. 1/B situated a Kachiguda, St. Road, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikadpally Hyd. on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Marcddy Ramsiva Reddy, S/o Sri Narayan Reddy, 3-5-1039, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bhavana Theatres Ltd., Reg. No. 2527 Rep. By Director Sri M. R. Kondal Reddy S/o Narayan Reddy 16-11-20/27 Saleemnagar, Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1/B situated at Kachiguda Station Road, Hydorabad survey No. 100 M. No. 3-2-870/3 area 219 335 sq. yards registered with Sub-Registrar Chikadpally Hyderabad vide Document No: 88/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad the 27th March, 1981.

Ref No. RAC No 522/80---81----Whereas I, S.GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Scotion 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said rice'), have waren to believe that the immovable property having a law market value expending Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-2-876/3 situated at Kelligudast Road, Hyderabad. (and more fully described in the schedule tamened hereto), has been transfered under the Registeration Act, 190°) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally, Hyd on August 80.

for an apparent coardination which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by toore than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—66GI/81

 Shri Nemikonda Madhusudhan Rao S/o Krishnagopal Rao 3-4-7- Bhumana Marg Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bhavana Theatres Ltd. Reg. No 2527 Rep. By Director Sri M.R. Kondal Ready S/o Narayan Readdy 16-11-20/27 Saleemnagar Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it say, to θ ; acquisition of the said property may be made in writing to the under-igned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The tear, and expressions used horself in the chapter MMA of the social Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 situated at Kachiguda Station Road, Hyderabad Survey No. 100 M.No. 3-2-870/3 area 419.335 sq yards, registered with Sub-Registrar Chikadpally Hyderabad vide Doc. No. 84/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 27-3-1981. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 2nd April, 1981,

Ref. No. RAC 1/1981-82—Whereas, I S.GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 22-8-290.291 situated at Nayapul hayderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Amatul Kareem W/o Mir Jafa Ali Khan 10-1-123/B Masab Talab Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ahmed Bin Saleh Bin Mahfooz 132-H Maker Towers Cuffe Parade, Colaba Bombay 5 (R/o 20-3--717 Shah gunj Hyderabad)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed Building Shop No. 22-8-290,291 Nayapul Hyderabad area 490 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Document No: 8366/80.

S.GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date :2-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad the 2nd April 1981.

Ref.No.RAC No. 2/81-82—Whereas J. S. GOVINDA-RAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

22-8-292,1,2 situ ated at. Nayarul Hyderalis d (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Amatul Kareem B/o Mir Jafa Ali Khan 10-1-123/B Masab Talab Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ahmed Bin Saleh Bin Mahfooz
 132-H Marker Towers
 Cuffe Parade Coloba
 Bombay-5
 (R/o 20-3-717 Shahgunj, Hyderabad)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied bldg Shop No 22-8-292, 22-8-292/1 22-8-292/2 area 440 sq. yards Nayapul Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No: 8367/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date :2-4-1981. Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad the, 2nd April 1981.

Ref. No.RAC No 3/81-82—Whereas, I S.GOVINDARA-IAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the vable property, having a fe'r market value exceeding and bearing

A situated at Said bad.

tully described in the second hereto), has serred under the Regis ..., 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Gastar

at Azampura, Hyderabad. August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or market with the officer of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Shanti Devi Asthama W/o Sh. Omkar Prasad Asthama 20-7-592 Fatehdarwaja Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd Shamsuddin
 S/o Late Mohd Kareemuddin
 16-1-486/A Saidabad
 Hyderabad
 (R/o 5-6-631 Azampura Hyderabad)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) Ly any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazene.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg 16-1-486/A Saidabad Hyderabad area 1460.54 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad (Azampura) vide Document No: 2055/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Adutority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 18-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the, 3rd April, 1981.

Ref. No RAC No 4/81-82—Wheras, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-2-367/3 situated at Gaganmahal Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Nawab Abid Jah
 S/o Late Nawab Osman Ali Khan Bhadur King Kothi, Hyderabad.

(Trzansferor)

(2) Mrs Inayath Khatoon W/o M, Yousuf Khan 6-2-985 Khairatabad Hyderabad A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied Bldg 1-2-367/3 at Gaganmahal Road, Domalguda Hyderabad are 418:05 sq mts or 500 sq yards registered with Sub Registrar Hyderabad vide Doe No. 9200/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date :3-4-1931. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd April 1981

Ref. No. RAC 5/1981-82--Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No.5-9-246 situated at Abid Road Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Ashrafunisa Begum W/o K. Shakir Hussain
 - (2) Khaja Mustafa Hussain S/o Khaja Shahir Hussain
 - (3) Khaja Farhath Hussain

---do---

(4) Khaja Rashed Hussain

--do---

(5) Khaja Altaf Hussain 5-9-246 Abid Road, Hyderabad.

(2) M/s Sharma Enterprises Per Partner Vijaykumar Baldawa 20-4-232/6 Motigalli Hyderabad,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 5-9-246 abid road, Hyderabad area 1363 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc.No 9069/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 3-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April, 1981

Ref. No. RAC No. 6/81-82:—Whereas, I.S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

3-6-465 situated at Himayathnagar Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sri K. Krishna Sarma,
 S/o Late K. Kotajah
 R/o 18, Radhakrishna Street,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri Ramkumar Gupta, S/o Kedaruath, 3-6-286/2 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-465 Himayath nagar Hyderabad area 1577 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 8437/80,

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-4-1981.

FORESE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1981

Ref. No. RAC No. 7/8i-Si:--Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ag. Land situated at Marscorabed Hayathragar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 80

for an apparent consideration which is less than the fair modes to after aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more that therefore in a of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri M. V. S. Chowdary S/o M. V-nkateswara Reo (2) Sri M. Sethaamayya S/o M. Venkateswara Rao, (3) Sri M. Rodhakris'up Murthy (4) Sri M. Suresh S/o M. Venkateswara Reo 10-3-7 East Maredpally Sec'bad (5) Smt Suceddy Venkata Rathamma W/o Late Sri Sharemeyyo Soblemaperam village, Nuzivid Tolak, Krisina District By G. P. A. Sunddy Suryamotion S/o Lite China Josealah (6) Sri Vennam Roo S/o Raghaviich Peddaga-Nageswar delayaren Terali Telak G.P.A. Pilletio Nerasimhe Rao S/o Lakshmi Nagsimham Nezer Pet, Terali, (7) Survelly Serve Motion S/o Late Chie. Arjoich Morris but Totali (3) Vannum Styaman Roo S/o Raghavainh peddagadolovaeru Toroli 791 . G.P.A. Pilluda Narasimha Res 1/o Laksleni Micliahem Nazar Pet. Tenali,

(Transferors)

(2) M/S Vijiyasnia Gosperi, in Hamber Codery 11d. Mansoordina J. C. Lu, 19d, 24-2-30, Physician for Tatak, R. R. Di 11-5 By thi C. V. Krishna & Sri M. V. R. Hamberthe Pro.

(Iressforec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unactsigned :--

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 core 96 cents in Survey No. 39 & 40 Mansoorabad village, Hayathnegar, R. R. Dt registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 9551/80.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1981

Ref. No. RAC-8/81-82:—Whereas, J. S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. Land situated at Mansoorabad Hayathnagar, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

28--66GI/81

(1) Sri M. V. S. Chosary, (2) Sri M. Sitharamayya, (3) Sri M. Radhakrishna Murthy, (4) M. Suresh all sons of M. Venkateswara Rao, 10-3-7, East Maredpally Secunderabad, (5) Smt. Sureddy Venkata Ratnamma W/o Late Sri Sitaramayya Sobhanapuram village, Nuzivid Taluk Krishna Dt. By G.P.A. Sureddy Suryamohan S/o Late China Auraiah (6) Srl Vennam Nageswara Rao S/o Raghavajah Peddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutla Narasimha Rao s/o Lakshminarasimham Nazar pet Tenali (7) Sureddy Suryamohan S/o Late China Anjaiah Morrispet, Tenali (8) Vennam Shyamala Rao S/o Raghavaiah Peddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutla Narasimha Rao S/o Lakshmi Narsimham Nazarpet. Tenali.

(Transferors)

(2) M/s. Vijaya Sree Co-operative Housing Society Ltd. Mansoorabad T. B. No. 206, 24-3-80, Hayathnagar Taluk R.R. Dt. Rep. By Sri C. V. Krishna & NVR Hanumanth Rao,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agl. land admeasuring 1 acre 90 cents in Survey No. 39 and 40 Mansoorabad village, Hayathnagar R. R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc, No. 9531/80.

> S. GOVINDARAJAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 4-4-1981.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1981

Ref. No. RAC-9/81-82:—Whreas, J S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. Land situated at Mansoorabad Hayathnagar, R. R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on August 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. V. S. Chowdary (2) Sri M. Sitharamayya (3) Sri M. Radhakrishna Murthy (4) Sri M. Surosh all sons of M. Venkateswara Rao 10-3-7 East Maredpally Secund-orabad (5) Smt. Sureddy Venkata Ratnamma S/o Late Sri Sitaramayya Sobhanapuram village Nuzivid Taluk Krishna Dt. By G.P.A. Sureddy Surya Mohan S/o late China Aurajah (6) Sri Vennam Nageswar Rao S/o Raghavajah Peddagadelavarru Tenali taluk G.P.A. Pillutla Narasimha Rao S/o Lakshminarasimham Nazar pet Tenali (7) Sureddy Suryamohan S/o Late China Anjajah Morris pet Tnenali (8) Vennam Shyamaja Rao S/o Raghavajah Peddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutla Narsimha Rao S/o Lakshmi Narsimhan Nazerpet Tenali.

(Transferor)

(2) M/s Veijaya Sree Co-operative Housing Society Ltd., Mansoorabad T.B. 206, 24-3-80, Hayathnagar Taluk R.R. Dt, Rep. by Sri C. V. Krishna & N. V. R. Hanumanhta Rao

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 acro 90 cents in Sy. No. 39 & 40 Mansoorabad village, Hayathnagar R. R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No.; 9509/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tazz,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1981,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April, 1981

Ref. No. RAC No. 10/81-82:-- Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land situated at Mansoorabad village, Hayathnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. V. S. Chowdary (2) Sri M. Sitharamayya (3) Sri M. Radhakrishna Murthy (4) Sri M. Suresh all sons of M. Venkateswara Rao 10-3-7 East Marcdpally Secunderabad (5) Sri Sureddy Venkara Ratnamma W/o late Sri Sitararamayya Sobhanapuram village Nuzivid Taluk Krishna Dt. By G. P. A. Sureddy Suryamohan S/o Late China Auraiah (6) Sri Vennam Nageswar Rao S/o Raghapeddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutta Narsimha Rao S/o Lakshminarsimham Nazarpet Tenali (7) Sureddy Suryamohan S/o Late China Aniaiah Morrispet Tenali (8) Vennam Shyamala Rao S/o Raghavajah peddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutla Narasimha Rao S/o Lakshmi narsimham Nazerpet Tenali.

(Transferor)

- (2) M/s Vijaya Sree Co-operative Housing Society Ltd. Mansoorabad TB 206, 24-3-80, Haya(hnagar Taluk,
 - R. R. Dt Rep. by Sri C. V. Krishna & N. V. R. Hanumanth Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 acre 90 cents in Survey No. 38 & 39 Mansoorabad village, Hayath Nagar R. R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 9444/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 4-4-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1981

Ref. No. RAC 11/81-82—Whoreas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agl. land situated at Mansoorabad Hayathnagar, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. V. S. Chowdary (2) Sri M. Sitharamayya (3) Sri Radhakrishna Murthy (4) Sri M. Suresh S/o M. Venkateswara Rao 10-3-7 East Maredpally Secunderabad, (5) Smt. Sureddy Venkata Ratnamma W/o Late Sri Sitaramayya Sobhanapuram village Nuzvid Taluk Krishna Dt. By G.P.A. Sureddy Suryamohan S/o Late China Auraiah (6) Sri Vennam Nageswar Rao S/o Raghavaiah Peddagadellavarru Tenali Taluk G.P.A. pillutla Narasimha Rao S/o Lakshminarsimham Nazar pet Tenali (7) Sureddy Suryamohan S/o Late China Anjaiah Morrispet Tenali (8) Vennam Shyamala Rao S/o Raghavaiah Peddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutla Narsimha Rao S/o Lakshminarsimham Nazarpet Tenali.

(Transferors)

 (2) M/s Vijayasree Co-operative Housing Society Ltd., Mansoorabad TB 206 24-3-80
 Hayathnagar Talu R.R. Dt.
 Rep. By Sri C.V. Krishna & N.V.R. Hanumanth Rao.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 acre 90 cents in Survey No. 38 & 39 Mansoorabad village Hayathnagar R. R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 9427/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. 1RAC-12/81-82---Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agl. land situated at Lalapet village Tirumalgiry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally, Sec'bad, on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Rami Reddy & 2 others, S/o S. Ram Reddy, Bownepally Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Jupiter Co-operative Housing Society Ltd., T.A.B. 234, C/o E.I.D. Parry & Co., Opp: Patney Kings Way, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 113 situated at Lalapet village near Gunrock Tirumalgiry Secunderabad area 6 acres registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No. 1978/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-4-1981.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. RAC 13/1981-82-Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agl. land Sy. No. 199 situated at Thokatta village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sec'bad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B. V. Suresh Reddy S/o B. M. Rama Reddy, R/o H. No. 200 (10-2-320), Road No. 7, West Maredpally Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Sanjivaiah Nagar Co-operative Housing Society, Reg. No . T.B.C., 55, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Agricultural land in Survey No. 199 area 1 acresituated at Thokatta village Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No. 2017/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistan Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-4-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April 1981

Ref. No. RAC 14/1981-82-Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4th floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o. Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzii", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Waheedullah, 23-1-291, Kotala Alija, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 4th Floor in the Minar/Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No.: 8317/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. RAC 15/1981-82—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 9th floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (ā) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Faizan Lateef, Osmania University Building, Taranaka, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 9th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 8316/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 6-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April 1981

Ref. No. RAC 16/1981-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2nd floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purquance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29-66GI/81

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Salahuddin Qureshi, 20-3-634, Hussaini Alam, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 2nd Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1530 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 8315/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Srì G. Krishna Rao S/o Satya Rao, R/o Satdhana Village, Medak Taluk.

(Transferor)

(2) Miss. K. Sailaja D/o Sangameswar Reddy, 10-3-14/A/1/1/ Hamayun Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April 1981

Rof. No. RAC No. 17/1981-82.--Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot situated at Banjara Hills, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that.

Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land Sy. No. 129/45 in plot No. 3 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad, area 1000 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 8272/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-4-1981.

 Miss T. S. Radha Lakshmi Sudha, D/o T. S. Shanmuga Sundaram Mudaliar, Sathyanivas 7-1-27, Ameerpct, Hyderabad.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*COFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April 1981

Ref. No. RAC 18/1981-82:—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 7-1-27 situated at Ameerpet, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ((a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the Act, I here aftered in pursuance of Section 269°C of the said Act, I here after sub-section (4) of Section 269°D of the said Act, to the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of the said Act, to the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of the said Act, to the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of the said Act, to the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of the said Act, to the following property by the issue of the said Act, to the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of the said Act, to the following property by the issue of this notice under the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by the issue of the said Act, the following property by th

 (1) Sri M. Janardhan Reddy S/o M. Raghava Reddy, G.P.A. Father Shri Raghava Ready, 295-B New Malakpet, Hyderabad.

(2) Smt. M. Ramalakshmi W/o M. Raghava Ready, 295-B New Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House named Sathya Nivas 7-1-27 Ameerpet Hyderabad area 573 sq., yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc.No. 9115/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4 April 1981

Ref. No. RAC No. 19/81-82.—Whereas, I, S.GOVINDARA-JAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agl. Land Sy. No. 38&39, Mansoorabad Hayathnagar Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Hyderabad on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Sri M.V.S. Chowdary
 - (2) Srl M. Seetharamayya
 - (3) Sri M. Radhakrishna Multhy
 - (4) Sri M. Suresh all sons of Sri M. Venkateswar Rao 10-3-7 East Maredpally, Secunderabad.
 - (5) Smt. Sureddy Veukata Rathnamma W/o Late Shri Sitharamayya Sobhana Puram village, Nuzvid Taluk Krishna Dt. G.P.A. Sri Sureddy Suryamohan S/o Late China Auraiah.
 - (6) Sri Vennam Nageswar Rao S/o Raghavaiah pedda gadelavarru Tenali Tq, G.P.A. Pillutle Narasimha Rao S/o Lakshmi Narasimham Nazarpet Tenali.
 - Sureddy Surya Mohan S/o Late China Anjaiah Morrispet Tenali.
 - (8) Sri Vennam Shayamala Rao S/o Raghavalah peddagadelavarru Tenali Taluk G.P.A. Pillutle Narasimha Rao S/o Laxmi Narasimham Nazarpet Tenali.

(Transferors)

M/s. Vijaya Sree Co-operative Housing Society
 Ltd. Mansoorabad T.B. No 206 Hayathnagar Taluk
 R.R. Dt Represented by Sri C.V. Krishna & N.V.R.
 Hanumanth Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land 1 acre 85 cents in Survey No. 38 & 39 at Mansoorabad village Hayathnagar R.R.Dt registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 9494/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Rang, Hyderabad.

Date: 4-4-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th April 1981

Ref. No. RAC-20/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl Land sy. No 145 situated at Hydernagar villageR.R.Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vilayat Jhan Dargahi Begum W/o Late Himayat Nawaz Jung
 - (2) Mohd Asaduddin Khan
 - (3) Sri Mohd Fareeduddin Khan both Sons of Late Himayat Nawaz Jung
 - (4) Nafeez Sultana Begum
 - D/o Late Himayat Nawaz Jung Chirag Ali lane Hyderabad.

(Transferor)

 The I.D.P.L. Employees Co-operative House building Society TBC 230 C/o Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd.P.O. Balanagar Town Ship Hyderabad 500037 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No 145 at Hydernagar village, Rajendra nagar Taluk Ranga Reddy Dt area 90 acres registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No: 8486/80

SGOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th April 1981

Ref. No. RAC-21/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-8-669 situated at Azamabad Indl. area Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Suresh Chander Agarwal S/o Gulab rai Pro M/s Hyderabad Silk Mills, 1-8-669 Azamabad Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri M/s Agarwal Industries (Pheel Khana Osmangunj)/Afzal Gunj Managing partner Sri Arirud pershad Agarwal S/o Seth Jagadish pershadji. 13-1-52/1 pheel khana Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold land area 1.168 acres bearing plot No 24/1 with all structures buildings hutments factories store rooms, and other amenities M.No. 1-8-669 Azamabad Insdustrial area Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No 8368/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-4-1981.

FORM I.T.N.S.-

(1) Shoutinagar, Housing Society Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Jagadish Ramnagar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

CALCUTTA, the 7th April, 1981

Ref. No. AC-9/R-IV/61/81-82: —Whereas, J. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 C situated at Noetaji Subhas Road, Riloo at, Howrah (and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 7-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 469.75 sq. ft. situated at Apartment No. 6, ground floor at 2C, Netaji Subhas Road, Lilooah, Howrah, move particularly as per Deed No. 4736 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, No. IV, Calcuatta.

Date: 7-4-1981,

(1) Shri Rabindra Nath, Dutta & Ors.

(Trainsferor)

(3) Smt. Archana Mitra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

CALCUTTA, the 7th April, 1981

Ref. No. AC-10/R-IV/69/81-82;—Whereas, I, K. SINIHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. 125, Dag No. 542 situated at Sonarpure, Mouja-Gobindapure.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registeirng Officer at Alipur on 12-8-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 80 Dec. with building situated at gobindapur monga squarpur more particularly describing as per Deed No. 6298 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range No. 1V, Calcutta,

Date: 7-4-1981.

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Haridas Basu,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Mira Ganguli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April, 1981

Ref. No. AC-13/R-IV/Cal/81-82:—Whreas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 313 situated at Mouza Sonamukhi, Kharagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharagpur on 7-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring ·08 Decimals of land situated at R. S. 313, Mouza –Sonakukhi, Kharagpur more particularly described as per Deed No. 2160 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—66GI/81

Date: 16-4-1981.

(1) Shri Sushil Kanti Sanayal,

(Transfeorr)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manindra Chandra Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA Calcutta, the 20th April, 1981

Ref. No. AC-5/R-II/Cal/81-82:-Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 256, Dag. No. 646, situated at Mouza Haridebpur, P. S. Thakurpukur Dist. 24-Parganas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore, on 24-Pargs, on 4-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 3 Ks. only at Mouza-Haridebpur, P. S. Thakurpukur, Dist, 24-Parganas, Touzi No. 40, J. L. No. 25, Kh. No. 256 Dag No. 646, More particularly described in deed No. 3788. of 1980,

> K. SINHA. Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 20-4-981.

(1) Sunceta Somany.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maheswari Seva Trust,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd April 1981

Ref. No. 900/Acq. R-III/81-82:—Whreas, I, I, V, S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 34 B situated at Ratu Sarkar Lanc, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the premises No. 34 B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta containing an area 10K 3Ch, 19 sft.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commssioner of Income-Tax,
Acquistion Range-III, Calcutta.

Date: 22-4-1981,

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

No request for alteration in the order of preferences for the Services for which he is competing, would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written part of the examination in the Employment News.

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

NOVEMBER, 1981

New Delhi, the 16th May 1981

No. F.8/2/81-E.1(B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 1st November, 1981 for admission to the undermentioned courses:—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

(1) Indian Military Academy, Dehra Dun (73rd Course commencing in July, 1982). 120

[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].

(2) Naval Academy, Cochin (Course commencing in July, 1982)

51

50

[20 for Naval Avlation including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders].

(3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore [Pre-Course Training for 132nd F(P) Course commencing in July, 1982].

[includes 15 reserved for NCC 'C' Certificate (Air Wing) holders].

(4) Officers' Training School Madras (36th course commencing in October 1982). 270

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8(b) of the Application Form tht Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders may also compete for the vacancles in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination to reach the Army HQ/ Rtg 6 (SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/ SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/ R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3. Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 30th June, 1982.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of application in the Commission's Office.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC

'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air
Wing) holders not becoming available on the results
of the examination to fill all the vacancies reserved
for them in the Indian Military Academy Course/
Air Force Academy Course the unfilled reserved
vacancies shall be treated as unreserved and filled
by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawi, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras. Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinkgar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 1st October, 1981 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or

- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zairc and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of cligibility will not however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal).

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

- (b) Age limits, sex and markal status :--
 - (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1960 and not later than 1st July, 1963 are only eligible.
 - (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1959 and not later than 1st July, 1963 are only eligible.

Note: —Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June 1982, to Army HQ-Rtg. 6(SP) (e)/Naval HQ—Dte of Personnel Services (R&R Scction (Air HQ-P03(A) respectively.

- (c) Educational qualifications :-
 - For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School:—Degree of a recognised University or equivalent.
 - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subject(s).

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)]/NHQ (R&R Section)/Air HQ-P03A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- For admission to I.M.A., Naval and Air Force Academy—on or before the 30th June, 1982.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before 15th September 1982.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.
- Note II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- o. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination November 1981 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dhoipur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
 - (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
 - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change

any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission lated the application, even if submitted to the employer before the closing dated will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 13th July 1981 (27th July 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 13th July 1981) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 13th July, 1981.

NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates ;---

(i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/ Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an

attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Cortificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the atternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE,

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications pres-

cribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in para 3(c)(ii) must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of airs approximately 11.5 cms, × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Schdeuled Tribe.

- (C) By candidates claiming remission of fee: -
 - (i) An attested/certified copy of a certificate form a District Officer or a Gazetted Officer or a Member

of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/ Senior Division Air Wing) examination.

- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriat:—
- NOTE:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICA-TION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriate from Burma:

Embassy of India, Rangcon or District Magistrate of the area in which he may be resident,

- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/Senior Division Air WingQ holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. and Air Force Academy Course.
- An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing 31—6GI/81

- 9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, no refund of fee will be made to that candidate.
 - (if) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination May, 1981, and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combind Defence Services Examination November, 1981 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1982.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS— Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Roll No. has been issued to the candidate does not, *lpso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11, RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidats are warned that they should not furnsh any particulars that are false or suppress any material information in finding in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regtrding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means.
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abelting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or

- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after.

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1982. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.
- 15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (I) —COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communication sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP) (e)(ii), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022, AND AIR HQ(PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011, FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account or such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters. AG's Branch, RTG 6(SP)(e)(ii), West Block 3. Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3), Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt--6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to session).

- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blance,
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES. ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April, 1982 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1982.

Caudidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Porce Academy or the Officers' Training School as the case

may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy,

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY:—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government,

No candidate for the Short Service Commission (N.T.)

 (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY:—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy.

22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.—
The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiaries themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

VINAY JHA, Deputy Secretary

APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises :—
 - (a) Written examination as shown in para 2 below:
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
- (a) For admission to Indian Military Academy:

Subject		 Duration	Maximum Marks
1. English	•	2 Hours	100
2. General Knowledge .		2 Hours	100
3. Elementary Mathematics		2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum marks
COMPULSORY		
1. English .	2 Hrs.	100
2. General Knowledge OPTIONAL	2 Hrs.	100
•3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs	100
•4. Mathematics or Physics	ing El will ta	Elementary

(c) For Admission to Officers Training School:

Subject		Time allowed	Maximum Marks
1. English	 	2 Hours	100
General Knowledge		2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	 2 Hours	100
2. General Knowledge .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100
4. Mathematics or Physics	2 Hours	150

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 450 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

- 4. In the question papers, herever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set,
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmatic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} \le x \le 90^{\circ}$

Values of sin x, cos x and tan x, for $x=0^{\circ}$, 30°, 45°, 60° and 90°,

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, leteral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

(a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalers and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of frictions, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Law Archimedes printiple. Density and Specific gravity, Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.
- (e) Light.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidlascope, telescope, Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current: A conductor in a magnetic field, Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

PHYSICS

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws a mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum, Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance.

beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; vander wall's equation of State; Joule Thompson effect; lique-faction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Lows of themodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrial optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving manet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Movire's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

Analytical Geometry of two dimensions

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyporbola (referred to principa axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity, and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarrithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate terms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, subtangent subnormal, asympotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration Reimann definition of definite intergral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmenic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gavity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given date Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, chi2 and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidate must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
 - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which

- is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

Height & Weight Standards

Height			FC4	Weight in Kgs		
(witho	ut sho	igā)		18 years	20 years	22 years
152				44	46	47
155				46	48	49
157				47	49	50
160	•			48	50	51
162	-			50	52	53
165				52	53	55
168				. 53	55	57
170				55	57	58
173	-			5 7	59	60
175				59	61	62
178				61	62	63
180	-			63	64	65
183				65	67	67
185	4			67	69	70
188				7 0	71	72
190	•		•	72	73	74
193				74	76	77
195	,			77	78	78

A+10% (±6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

(d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-Ray of the spine will be taken to exclude any maldevelopment of the backbone. Minor congenial defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (j) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (k) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is complete.
- (1) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (m) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (n) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (o) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have normal night vision acuity and will be required to give a certificate that neither be nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

- (p) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (q) The following X-Ray examination will be conducted in all cases:—
 - (i) X-Ray of the chest PA 38.1 cm × 30.5 cm (PV-26120)—one film.
 - (ii) X-Ray Lumbo cralspine AP and LAT 38.1 cm

 × 3.5 cm (PV-26120)—2 films.

X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—
 - (a) Antropmetric measurements acceptable for Air Force are as follows:—

Height : 162.57cms

Leg length: Min 99 cms & Max 120 cms

Thigh Length: Max 64 cms

Sitting

Height: Min 81.5 cms & Max 96 cms.

- (b) X-Ray Spine of all candidates is to be taken to exclude the following abnormalities:—
 - (i) Scoliosis of more than 7 by Cobb's method,
 - (ii) Spina bifida except at SV-I.
 - (iii) Unilateral Sacralisation of LV-5.
 - (iv) Scheuermann's disease: Scheuermann's nodes spondylosis or Spondylolistheosis.
 - (v) Any other significant spinal discuse.
- (c) X-Ray Chest is compulsory.

(a) Vision

Distance Vision :

6/6 6/9 Correctable to 6/6.

Near Vision

N-5 cach eye

Colour Vision : CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropis ... must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exced:

(i) at 6 motres	Exophoria	6 prism
	Esophoria	dioptres. 6 prism
		dipoptres
	Hyperphoria	1 prism
		dioptres
(ii) at 33 cms	Exophoria	16 prism
		dioptres
	Esophoria	6 prism
		dioptres
	Hyperphoria	1 prism
		dioptres
	Myopia	Nil
	Astigmatism	+0.75 D only

Binocular Vision-Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards

(i) Speech test:

Whispered hearing

610 cms each ear

(ii) Audiometric:

test

Adiometric loss should not exceed +10 db in frequencies

between 250 Hz and 4000 Hz

- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.
- 1. Before candidate joints the tbe Indian Military academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia

administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military, Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500,00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance should immediately after his son ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, for ward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :---
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month-Rs. 275.00
 - (b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00

Total : Ra. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs 55.00 per month—Rs, 275.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:---
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN SCHOLAR-SHIP.—This scholarship is awarded to cadets from MAHA-RASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL SCHOLARSHIP.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
 - (b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable

to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent,
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Treining:

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd l.t. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale		
	Rs.		Rs.		
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed		
Lleut .	830—950	Colonel	1950-2175		
Captain	1100—1550	Bragadier	2200-2400		
Major .	1450—1800	Maj General	2500—125/2 2750		
Lt. Colonel (By selection)	1750—1950]	Lt. General	3000 p.m.		

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

(a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same

conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.

- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance: —Initial outfit allowance is Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(v) PROMOTION

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt.		•	•		2 years of Commissioned Service
Capt.					6 years of Commissioned Service
Major					13 years of Commissioned Service
Lt. Co	prom			٠	25 years of Commissioned Service

by selection

Lt Col.	•	. 16 years of Commissioned Service
Col	•	. 20 years of Commissioned Service
Brigadier		. 23 years of Commissioned Service
Major Gen	•	. 25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	•	. 28 years of Commissioned Service
Gen.		. No restriction

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:

Captain .	. 3 years	
Major .	. 5 years	
Lt. Colonel ,	. 6-1/2 yes	ITS
Colonel .	8-1/2 yea	KB
Brigadier .	, 12 years	
Major General	. 20 years	
Lt. General	. 25½years	

- (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.
- 1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid 1

(i)	Pocket allowance for five months	
	@Rs. 45 ·00 per month	Rs. 225 ·00

(ii) For items of clothing and equipment Rs. 460 ·00

Total . . . Rs. 685 .00

- (2) Candidates applying for Governmental financial aid:
 - (i) Pocket allowance for two months, @45.00 per month . . . Rs. 90.00
- (b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under:—
- (a) Cadets Training including affoat training for 6 months 1 year
- (b) Midshipmen affoat Training . . 6 months
- (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Courses 12 months

(d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificate for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will how-

ever, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters. New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substance rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided

they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign.—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tultion, food clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	,		Pay Scale	
			General Service	
(1)			(2)	
Midshipman .	•	•	. Rs. 560	
Ag. Sub Lleut.	•	•	. Rs. 750	

	(1)			(2)		
Sub. Lleut.	•			. Rs. 830—870		
Liout.				. Rs. 1100—1450		
Lleut. Cdr.		•		. Rs. 1450—1800		
Commander	(Ву	Select	ion)	. Rs. 1750—1950		
Commander	(Ву	time S	cale)	. Rs. 1900 fixed		
Captain	•	٠		Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).		
Rear Admira	ıl			. Rs. 2500—125/2—2750		
Vice Admira	1		•	. Rs. 3000		

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :-

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible
 - (i) married officers serving in non-family station;
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.
- Note I :- In addition certain special concessions like hardlying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :- Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipment to Ag. Sub. Lieut. 1/2 year Ag. Sub. Lieut. to Sub. Lieut. 1 year Sub. Lieut, to Lieut.

3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture

service)

of seniority)

Lieut. to Lieut Cdr. 8 years seniority as Lieut. years (reckonable Lieut. Cdr. to Cdr. (if not . 24 promoted by selection) commissioned

(b) By selection

Lieut, Cdr. to Cdr. 2-8 years seniority as Lieut. Cdr.

Cdr. to Capt. 4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral and above No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

Note.-Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

- (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.
- 1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation of other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a

surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

 - (b) For items of clothing and equipment. . . Rs. 500,00

Total .. Rs. 1050,00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of tinancial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army Hq cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.
 - 9. Training
- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.
 - 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lieut. are :-

Second Lieut.

Rs. 750-790 p.m.

Lieut.

Rs. 830-950 p.m.

Plus other allowances

as laid down for

regular officers

- (e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
 - (ii) on account of medical unfitness; or
 - (iii) If his services are no longer required; or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

(i) These are under consideration.

(ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

- (i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.
- (D) For candidates joining the Air Force Academy
- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct Entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
 - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.
 - (b) NCC Entry.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. Iraining.—The approximate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 1575/p.m. which includes flying pay of Rs. 375/- p.m. Air Force officers good cureer prospects though if varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank	Flying Branch		
	Ra.		
Plt Offix.	825-865		
Fig. Offr.	910-1030		
Flt. Lt.	1150-1550		
Sqn. Ldr.	1450-1800		
Wg. Cdr.	1550-1950		
Gp. Capt.	1950-2175		
Air Comde.	2200-2400		
Air Vice Marshal	2500-2750		
Air Marshal	3000/-		

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 50/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Wg. Cdr. and below	Rs. 375.00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde	Ra. 333.33 P.M.
Air Vice Marshal and above	Ra. 300.00 P.M.

Oualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-. Rs. 4,500/-. Rs. 2,400/-. and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign, Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/-p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess; Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

Camp Klt.-Free Issue at the time of commissioning.

6. Leave and Leave Travel Concessions

Annual Leave.-60 days a year.

Casual Leave. - 20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free convevance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flving Branch employed on regular flving duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms, for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be

availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, elsters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)				nimum length qualifying vice	Standard rate of Retiring Pension	
					Rs.	Pm
Plt offr/Fg offr			20	years	525	**
Flt Lt .			20	,,	750	**
Squ Ldr .			22	**	875	••
Wg Cdr (Time	Scale	:)	26	,,	925	,,
Wg Cdr (Select	tiv e)		24	••	950	* ,
Gp Capt			26	,,	1100	,,
Air Comde			28	79	1175	27
Air Vice Marsh	lad		30	1)	1275	,,
Air Marshal			30	**	1375	17
Air Chief Mars	shal		30	,,	1700	,,

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under:--

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less t month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 1th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 161 times of the emoluments not exceeding Rs. 30,000/is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years:
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri- of Shri — of village/town*	son
in District/Division*	
State/Union Territory*belongs	to the
Caste/Tribe* which is recogn. Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:	ised as a
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*	
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*	
the Constitution (Scheduled Castes) (Union To	erritories)
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Te Order, 1951*	erritories)
[as amended by the Scheduled Castes and Schedul lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorg Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, t of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Easte (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled C Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]	ganisation he State on Areas
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Order, 1956*	1 Castes
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands). Tribes Order. 1959 as amended by the Scheduled C Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*	astes and
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Schedul Order, 1962*	ed Castes

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

Order, 1962*

Order, 1968*

Order, 1968*

the	Constitution		Scheduled	Castes	Order,	1978*
the	Constitution	(Sikkim)	Scheduled	Tribes	Order,	1978*
ord	. Shri- marily reside rict/Division*	(s) in vill	age/town*		— of —	
			Sign	nature.,.		
			**Design	nation		
		State/V	Jnion Terri	itory*		
				(with	seal of	office)
Plac	×	, .				
Dau	e	• •				

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (1) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/Ist Class Sapendiary Magistrate/City Magistrate/Tsub-Dlvisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
- 1 (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
 - (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
 - (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
 - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

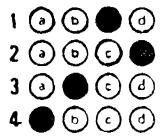
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming carcless. Do not worty if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them, Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE TEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
 - 2. In a parliamentary form of Government.
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
 - 4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.